RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2023-25 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

13 वाँ स्थापना वर्ष

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 13 » अंक : 3

» फरवरी 2023 » मूल्य : 40 रु.

उपलब्धियों का उत्सव

निवेश से मिलेगी प्रदेश को गति

उज्ज्वल भविष्य की ओर भारत

सौजन्य से

श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र. कोठरी)
श्री अजबसिंह ठाकुर (पर्य. कोठरी)
श्री देवकरण जावरिया (शा.प्र. आष्टा)
श्री धरमसिंह परमार (पर्य. आष्टा)
श्री उदयसिंह ठाकुर (शा.प्र. जावर)
श्री जितेन्द्र जैन (पर्य. जावर)
श्री पवन दास (शा.प्र. मेहतवाड़ा)
श्री मनोहरसिंह ठाकुर (पर्य. मेहतवाड़ा)
श्री रमेश दायमा (शा.प्र. लाड़कुई)
श्री जनार्दन शर्मा (पर्य. लाड़कुई)

74 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ○ खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ○ कृषि यंत्र के लिए ऋण ○ दुग्ध डेयरी योजना

श्री प्रवीण सिंह अढायच (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता)

श्री बी.के.गुप्ता (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री पी. एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर
श्री रामसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गवाखेड़ा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानियाकलां, जि.सीहोर
श्री रमेश वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर
श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धामन्दा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डाबरी, जि.सीहोर
श्री रूपचंद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खड़ीहाट, जि.सीहोर
श्री बद्रीप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पगारिया राम, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमूलिया भाटी, जि.सीहोर
श्री देवसिंह जायसवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंवरा, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बागेर, जि.सीहोर
श्री माँगीलाल ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुगली, जि.सीहोर
श्री राजाराम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया पार, जि.सीहोर
श्री रामेश्वर विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कजलास, जि.सीहोर
श्री नियाज मोहम्मद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जावर, जि.सीहोर
श्री जिनेन्द्र जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुरावर, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंवरीकलां, जि.सीहोर
श्री जिनेन्द्र जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर
श्री रूपसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ग्वाली, जि.सीहोर
श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर
श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर
श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लाड़कुई, जि.सीहोर
श्री जनार्दन शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भादाकुई, जि.सीहोर
श्री मोहनलाल मीना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छिदगाँव मौजी, जि.सीहोर
श्री अशोक मीणा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 13 » अंक : 3 » फरवरी 2023 » मूल्य : 40 रु.

13 वाँ स्थापना वर्ष

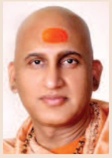

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज

» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी

» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी

» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी

» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)

» विशेष संवाददाता
जबलपुर संभाग : आलोक मालवीय (मो. 9806750146)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)

» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186

» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com

» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
ए-11, विस्तारा टाउनशिप, मायाखेड़ी बायपास, इंदौर (म.प्र.)

3
उपलब्धियों का उत्सव मनाने का दिन

15
सुपर फूड मोटे अनाज

20
उज्ज्वल भविष्य की ओर भारत

25
सहकारिता से हो रहा उन्नति का पथ प्रशस्त

32
गेहूँ की फसल में जल प्रबंधन

60
बढ़ती ही जा रही पठान की कमाई

संपादकीय

भारतीय कृषि के लिए उज्जवल अवसर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने साल 2023 को मिलेट वर्ष घोषित किया है। इंदौर में आयोजित प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी मेहमानों को मोटे अनाजों से बने व्यंजन परोसे गए। पंचतारा होटलों में भी मक्का, ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुट्टू के व्यंजनों का चलन बढ़ रहा है। प्राचीन काल में भारतीयों का मुख्य आहार मोटा अनाज ही हुआ करता था। स्वस्थ शरीर के लिए मोटे अनाज की महत्ता पश्चिमी देशों को अब समझ में आई है। विश्व में मोटे अनाज का सर्वाधिक उत्पादन भारत में ही होता है। रासायनिक खेती और व्हीट रिवोल्यूशन के दुष्चक्र ने मनुष्यों के साथ साथ धरती की सेहत भी बिगाड़ डाली। ज्यादा उत्पादन के लालच में दुनिया ने इसे अपना तो लिया लेकिन जब इसके दुष्परिणाम सामने आए तो मोटे अनाज की महत्ता पुनः प्रतिष्ठित होने लगी। हरित क्रांति से पूर्व के भारत में मोटे अनाज की खेती प्रमुखता से होती थी। आम भारतीय व्यक्ति का प्रमुख आहार मोटा अनाज ही था। ज्वार, बाजरा, मक्का, कोदो, कुट्टू खाकर सब स्वस्थ और मस्त रहते थे। पश्चिम की देखा देखी हमने अपनी परंपरा को त्याग कर रासायनिक खेती और गेहूं को गले लगा लिया और सौगात में मिली सैकड़ों बीमारियां। अब पश्चिम को अपनी भूल समझ में आई तो हमारी भी तंद्रा टूटी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस स्थिति को पहले से ही भांप लिया था इसलिए भारत में मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने के प्रयास पहले ही शुरू हो चुके हैं। मोटे अनाज की खेती चूंकि हमारी परंपरा रही है इसलिए बेपटरी गाड़ी को वापस पटरी पर लाने में देर नहीं लगेगी। मोटे अनाज की खेती के अनेक फायदे हैं। इसकी खेती कम पानी और कम खाद में ही हो जाती है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बरकरार रहती है। प्राकृतिक संतुलन भी बना रहता है। 28 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो संबोधन मन की बात में मोटे अनाज की महत्ता पर चर्चा की थी। मोटे अनाज की खेती में हमारा मध्यप्रदेश भी पिछड़ा नहीं है। डिंडोरी जिले की आदिवासी महिला लहरी बाई ने बड़ी समझदारी दिखाई। उन्होंने खुद के प्रयास से मोटे अनाज का बीज बैंक बनाया है। वे इन बीजों का संरक्षण करती हैं और किसानों को बीज प्रदाय भी करती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लहरी बाई के इस कार्य की सराहना की है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उन्हें मिलने दिल्ली बुलाया है। यह मध्यप्रदेश के लिए बड़े गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने स्वयं अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं पिछले कई वर्षों से विदेशी मेहमानों के भोजन में मोटे अनाजों से बने कुछ पकवान अवश्य रखता हूं और उनका महत्व भी बताता हूं। मोटे अनाज को महत्व दिलाने के लिए उनकी सरकार ने वर्ष 2018 को 'मोटा अनाज वर्ष' घोषित किया था! अब भारत में संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 2023 अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष को मनाने की तैयारी बड़े पैमाने पर चल रही है। संयुक्त राष्ट्र के मिलेट वर्ष को 70 देशों का समर्थन मिला है। कोरोना के बाद मोटे अनाज की आवश्यकता इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में प्रतिष्ठित हुई है। पहले मोटा अनाज गरीबी का प्रतीक माना जाता था लेकिन अब यह अमीरों की पहली पसंद बन गया है। न केवल सेहत बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी मोटा अनाज एक तरह से वरदान है। इसकी फसल मौसमी उतार-चढ़ाव को आसानी से झेल लेती है।हमारे देश में यह कहावत प्रचलित है कि जैसा खाए अन्न वैसा बने तन। मोटे अनाज की फसल जो मौसमी उतार-चढ़ाव को झेलने में सक्षम है अगर उसे हम अपने भोजन का मुख्य अंग बनाएंगे तो स्वाभाविक ही हमारा शरीर भी इस मौसमी उतार-चढ़ाव को झेलने में सक्षम साबित होगा। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में भी प्राकृतिक खेती और मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने के कदम उठाए गए हैं। तीन साल में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाएगा। इस साल सरकार ने कृषि ऋण की राशि 20 लाख करोड़ रुपए कर दी है गत वर्ष यह 18.5 लाख करोड़ रुपए थी। कृषि स्टार्ट अप प्रोत्साहन के लिए कृषि त्वरक कोष बनेगा। इस मद में पांच वर्ष में 500 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। गोबरधन योजना के लिए देश में 500 केंद्र खुलेंगे। बायो गैस के 75 न ए केंद्र भी खुलेंगे। 10 हजार बायो सेंटर भी खोले जाएंगे। पीपीपी मॉडल से कपास उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। कुल मिलाकर सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के पर्याप्त प्रावधान किए हैं। इस बार गेहूं की उपज 11.20 करोड़ टन होन की संभावना है। 1.39 लाख हेक्टेयर रकबा बढ़ने से यह उम्मीद जताई जा रही है। दुनिया इस समय खाद्यान्न संकट से जूझ रही है। भारत के समक्ष खाद्यान्न निर्यात के भरपूर अवसर हैं। भारतीय किसान और खेती के लिए इससे बेहतर और क्या बात हो सकती है। इस बार भारत को जी-20 देशों की अध्यक्षता का गौरव हासिल हुआ है। इस तारतम्य में देश भर में अलग अलग राज्यों में जी-20 देशों के वर्किंग ग्रुप्स की बैठक आयोजित हो रही हैं। मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में एग्रीकल्चर वर्किंग ग्रुप्स की बैठक आयोजित हो रही है। कृषि में निवेश सहित 16 विषयों पर इनमें विचार मंथन होगा। सदस्य देशों के अलावा आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि भी भाग ले रहे हैं। प्रदेश में खेती किसानी के लिए यह बैठक निश्चित ही उपयोगी साबित होगी।

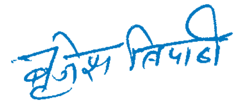

उपलब्धियों के उत्सव मनाने का दिन

■ द्रौपदी मुर्मू
राष्ट्रपति, भारत

चौहत्तरवें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देश और विदेश में रहने वाले आप सभी भारत के लोगों को, मैं हार्दिक बधाई देती हूं। संविधान के लागू होने के दिन से लेकर आज तक हमारी यात्रा अद्भुत रही है और इससे कई अन्य देशों को प्रेरणा मिली है। प्रत्येक नागरिक को भारत की गौरव-गाथा पर गर्व का अनुभव होता है। जब हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं, तब एक राष्ट्र के रूप में हमने मिल-जुल कर जो उपलब्धियां प्राप्त की हैं, उनका हम उत्सव मनाते हैं।

भारत, विश्व की सबसे पुरानी जीवंत सभ्यताओं में से एक है। भारत को लोकतन्त्र की जननी कहा जाता है। फिर भी, हमारा आधुनिक गणतंत्र युवा है। स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में, हमें अनगिनत चुनौतियों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। लंबे विदेशी शासन के अनेक बुरे परिणामों में से दो कुप्रभाव थे - भयंकर गरीबी और निरक्षरता। फिर भी, भारत अविचलित रहा। आशा और विश्वास के साथ, हमने मानव जाति के इतिहास में एक अनूठा प्रयोग शुरू किया। इतनी बड़ी संख?या में इतनी विविधताओं से भरा जन-समुदाय - एक लोकतंत्र के रूप में एकजुट नहीं हुआ था। ऐसा हमने इस विश्वास के साथ किया कि हम सब एक ही हैं, और हम सभी भारतीय हैं। इतने सारे पंथों और इतनी सारी भाषाओं ने हमें विभाजित नहीं किया है बल्कि हमें जोड़ा है। इसलिए हम एक लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में सफल हुए हैं। यही भारत का सार-तत्व है।

यह सार-तत्व, संविधान के केंद्र में रहा है और समय की कसौटी पर खरा उतरा है। स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के अनुरूप हमारे गणतंत्र को आधार देने वाला संविधान बना। महात्मा गांधी के नेतृत्व में, राष्ट्रीय आंदोलन का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्त करना भी था और भारतीय आदर्शों को फिर से स्थापित करना भी था। उन दशकों के संघर्ष और बलिदान ने, हमें न केवल विदेशी शासन से बल्कि थोपे गए मूल्यों और संकीर्ण विश्व-दृष्टिकोण से भी आजादी दिलाने में मदद की। शांति, बंधुता और समानता के हमारे सदियों पुराने मूल्यों को फिर से अपनाने में क्रांतिकारियों और सुधारकों ने दूरदर्शी और आदर्शवादी विभूतियों के साथ मिलकर काम किया। जिन लोगों ने आधुनिक भारतीय चिन्तनधारा को प्रवाह दिया, उन्होंने 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात - हमारे पास सभी दिशाओं से अच्छे विचार आएं

- के वैदिक उपदेश के अनुसार प्रगतिशील विचारों का भी स्वागत किया। लंबे और गहन विचार मंथन के परिणामस्वरूप हमारे संविधान की संरचना हुई।

हमारा यह बुनियादी दस्तावेज, दुनिया की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता के मानवतावादी दर्शन के साथ-साथ आधुनिक विचारों से भी प्रेरित है। हमारा देश, बाबासाहब भीमराव आम्बेडकर का सदैवऋणी रहेगा, जिन्होंने प्रारूप समिति की अध्यक्षता की और संविधान को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज के दिन हमें संविधान का प्रारंभिक मसौदा तैयार करने वाले विधिवेत्ता श्री बी.एन. राव तथा अन्य विशेषज्ञों और अधिकारियों को भी स्मरण करना चाहिए जिन्होंने संविधान निर्माण में सहायता की थी। हमें इस बात का गर्व है कि उस संविधान सभा के सदस्यों ने भारत के सभी क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व किया। संविधान निर्माण में सभा की 15 महिला सदस्यों ने भी योगदान दिया।

संविधान में निहित आदर्शों ने निरंतर हमारे गणतंत्र को राह दिखाई है। इस अवधि के दौरान, भारत एक गरीब और निरक्षर राष्ट्र की स्थिति से आगे बढ़ते हुए विश्व-मंच पर एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र का स्थान ले चुका है। संविधान-निर्माताओं की सामूहिक बुद्धिमत्ता से मिले मार्गदर्शन के बिना यह प्रगति संभव नहीं थी।

बाबासाहब आम्बेडकर और अन्य विभूतियों ने हमें एक मानचित्र तथा एक नैतिक आधार प्रदान किया। उस राह पर चलने की जिम्मेदारी हम सब की है। हम काफी हद तक उनकी उम्मीदों पर खरे उतरे भी हैं, लेकिन हम यह महसूस करते हैं कि गांधीजी के 'सर्वोदय' के आदर्शों को प्राप्त करना अर्थात सभी का उत्थान किया जाना अभी बाकी है। फिर भी, हमने सभी क्षेत्रों में उत्साहजनक प्रगति हासिल की है।

सर्वोदय के हमारे मिशन में आर्थिक मंच पर हुई प्रगति सबसे अधिक उत्साहजनक रही है। पिछले साल भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह उल्लेख करना जरूरी है कि यह उपलब्धि, आर्थिक अनिश्चितता से भरी वैश्विक पृष्ठभूमि में प्राप्त की गई है। वैश्विक महामारी चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है और दुनिया के अधिकांश हिस्सों में आर्थिक विकास पर, इसका प्रभाव पड़ रहा है। शुरुआती दौर में कोविड-19 से भारत की अर्थव्यवस्था को भी काफी क्षति पहुंची। फिर भी, सक्षम नेतृत्व और प्रभावी संघर्षशीलता के बल पर हम शीघ्र ही मंदी से बाहर आ गए, और अपनी विकास यात्रा को फिर से शुरू किया। अर्थव्यवस्था के अधिकांश क्षेत्र अब महामारी के प्रभाव से बाहर आ गए हैं। भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह सरकार द्वारा समय पर किए गए सक्रिय प्रयासों द्वारा ही संभव हो पाया है। इस संदर्भ में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के प्रति जनसामान्य के बीच विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं भी लागू की गई हैं।

यह बड़े ही संतोष का विषय है कि जो लोग हाशिए पर रह गए थे, उनका भी योजनाओं और कार्यक्रमों में समावेश किया गया है तथा कठिनाई में उनकी मदद की गई है। मार्च 2020 में घोषित 'प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' पर अमल करते हुए, सरकार ने उस समय गरीब परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जब हमारे देशवासी कोविड-19 की महामारी के कारण अकस्मात उत्पन्न हुए आर्थिक व्यवधान का सामना कर रहे थे। इस सहायता की वजह से किसी को भी खाली पेट नहीं सोना पड़ा। गरीब परिवारों के हित को सर्वोपरि रखते हुए इस योजना की अवधि को बार-बार बढ़ाया गया तथा लगभग 81 करोड़ देशवासी लाभान्वित होते रहे। इस सहायता को आगे बढ़ाते हुए सरकार ने घोषणा की है कि वर्ष 2023 के दौरान भी लाभार्थियों को उनका मासिक राशन मुफ्त में मिलेगा। इस ऐतिहासिक कदम से, सरकार ने, कमजोर वर्गों को आर्थिक विकास में शामिल करने के साथ-साथ, उनकी देखभाल की ज़िम्मेदारी भी ली है।

हमारी अर्थव्यवस्था का आधार सुदृढ़ होने के कारण, हम उपयोगी प्रयासों का सिलसिला शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने में सक्षम हो सके हैं। हमारा अंतिम लक्ष्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जिससे सभी नागरिक व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से, अपनी वास्तविक क्षमताओं का पूरा उपयोग करें और उनका

जीवन फले-फूले। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए शिक्षा ही आधारशिला तैयार करती है, इसलिए 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' में महत्वाकांक्षी परिवर्तन किए गए हैं। शिक्षा के दो प्रमुख उद्देश्य कहे जा सकते हैं। पहला, आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण और दूसरा, सत्य की खोज। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन दोनों लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करती है। यह नीति शिक्षार्थियों को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करते हुए हमारी सभ्यता पर आधारित ज्ञान को समकालीन जीवन के लिए प्रासंगिक बनाती है। इस नीति में, शिक्षा प्रक्रिया को विस्तार और गहराई प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया है।

जी-20 के सदस्य देशों का कुल मिलाकर विश्व की आबादी में लगभग दो-तिहाई और ग्लोबल जीडीपी में लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा है, इसलिए यह वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करने और उनके समाधान के लिए एक आदर्श मंच है। मेरे विचार से, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन ऐसी चुनौतियां हैं जिनका सामना शीघ्रता से करना है। वैश्विक तापमान बढ़ रहा है और मौसम में बदलाव के चरम रूप दिखाई पड़ रहे हैं। हमारे सामने एक गंभीर दुविधा हैः अधिक से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए आर्थिक विकास जरूरी है, लेकिन इस विकास के लिए जैव ईंधन का प्रयोग भी करना पड़ता है। दुर्भाग्य से, ग्लोबल वार्मिंग का सबसे अधिक कष्ट गरीब तबके के लोगों को सहन करना पड़ता है। ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को विकसित करना और लोकप्रिय बनाना भी एक समाधान है। भारत ने सौर-ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों को नीतिगत प्रोत्साहन देकर इस दिशा में सराहनीय कदम उठाया है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर, विकसित देशों द्वारा तकनीकी आदान-प्रदान और वित्तीय सहायता के जरिए, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए हमें प्राचीन परम्पराओं को नई दृष्टि से देखना होगा। हमें अपनी मूलभूत प्राथमिकताओं पर भी पुनर्विचार करना होगा। परंपरागत जीवन-मूल्यों के वैज्ञानिक आयामों को समझना होगा। हमें एक बार फिर प्रकृति के प्रति सम्मान का भाव और अनंत ब्रह्मांड के सम्मुख विनम्रता का भाव जाग्रत करना होगा। मैं इस बात पर ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि महात्मा गांधी आधुनिक युग के

सच्चे भविष्यद्रष्टा थे, क्योंकि उन्होंने अनियंत्रित औद्योगीकरण से होने वाली आपदाओं को पहले ही भांप लिया था और दुनिया को अपने तौर-तरीकों को सुधारने के लिए सचेत कर दिया था।

गणतंत्र का एक और वर्ष बीत चुका है और एक नया वर्ष शुरू हो रहा है। यह अभूतपूर्व परिवर्तन का दौर रहा है। महामारी के प्रकोप से दुनिया कुछ ही दिनों में बदल गई थी। पिछले तीन वर्षों के दौरान, जब भी हमें लगा है कि हमने वायरस पर काबू पा लिया है, तो वायरस फिर किसी विकृत रूप में वापस आ जाता है। लेकिन, अब इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि हमने यह समझ लिया है कि हमारा नेतृत्व, हमारे वैज्ञानिक और डॉक्टर, हमारे प्रशासक और 'कोरोना योद्धा' किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही, हमने यह भी सीखा है कि हम अपनी सुरक्षा में कमी नहीं आने देंगे और सतर्क भी रहेंगे।

विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कई पीढ़ियों के लोग हमारे गणतंत्र की अब तक की विकास-गाथा में अमूल्य योगदान के लिए प्रशंसा के पात्र हैं। मैं किसानों, मजदूरों, वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की भूमिकाओं की सराहना करती हूं जिनकी सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बनाती है। मैं देश की प्रगति में योगदान देने वाले प्रत्येक नागरिक की सराहना करती हूं। भारत की संस्कृति और सभ्यता के अग्रदूत, प्रवासी भारतीयों का भी मैं अभिवादन करती हूं।

इस अवसर पर, मैं उन बहादुर जवानों की विशेष रूप से, सराहना करती हूं, जो हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं और किसी भी त्याग तथा बलिदान के लिए सदैव तैयार रहते हैं। देशवासियों को आंतरिक सुरक्षा प्रदान करने वाले समस्त अर्धसैनिक बलों तथा पुलिस-बलों के बहादुर जवानों की भी मैं सराहना करती हूं। हमारी सेनाओं, अर्धसैनिक बलों तथा पुलिस-बलों के जिन वीरों ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है उन सब को मैं सादर नमन करती हूं। मैं सभी प्यारे बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हृदय से आशीर्वाद देती हूं। आप सभी देशवासियों के लिए एक बार फिर मैं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करती हूं। ■

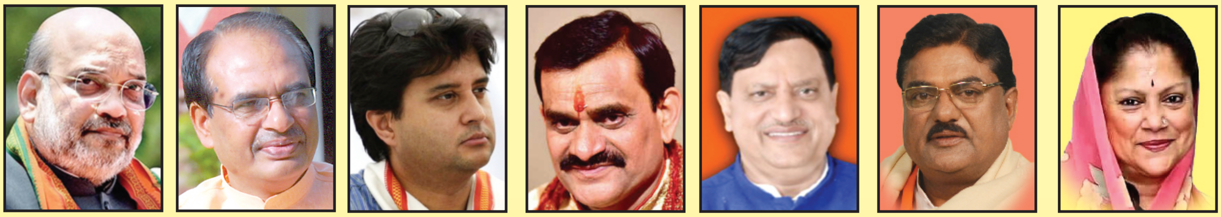

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

गणतंत्र दिवस की 73 वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री ऋषव गुप्ता
(कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.एन.गोडरिया
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री पी.एस. पुरी
(प्रभारी सीईओ)

सौजन्य से

श्री सत्येन्द्र व्यास (शा.प्र. पिपल्या सड़क) श्री लक्ष्मीनारायण मिश्रा (शा.प्र. बागली) श्री छगनसिंह कर्मा (शा.प्र. कन्नौद)

श्री श्रीराम चौधरी (पर्य. पिपल्या सड़क) श्री जीवन गोस्वामी (पर्य. बागली) श्री जगदीश शर्मा (पर्य. कन्नौद)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. रतनखेड़ी, जि.देवास श्री राकेश पटेल (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. कन्नौद, जि.देवास श्री गोपाल पुरोहित (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. पिपल्या सड़क, जि.देवास श्री श्रीराम चौधरी (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. कुसमान्या, जि.देवास श्री दिलीप भारतीय (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. टोंककला, जि.देवास श्री दीपेन्द्र सिंह (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. थुरिया, जि.देवास श्री पुरुषोत्तम चौबे (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. आलरी, जि.देवास श्री छीतुसिंह भण्डारी (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. बावड़ीखेड़ा, जि.देवास श्री रामचंदर मीणा (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. बागली, जि.देवास श्री जीवन गोस्वामी (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. पानीगाँव, जि.देवास श्री बलराम भूरिया (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. बेहरी, जि.देवास श्री दुलीचंद्र मिश्रा (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. बिजवाड़, जि.देवास श्री मनीष पंचोली (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. कमलापुर, जि.देवास श्री बेणीराम राठौर (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. कलवार, जि.देवास श्री ओमप्रकाश जोनवाल (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. चापड़ा, जि.देवास श्री राजेशसिंह राजपूत (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. डोकाकुई, जि.देवास श्री हरेन्द्रसिंह सेंधव (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. मातमौर, जि.देवास श्री छोटेलाल राठौर (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. डांगराखेड़ा, जि.देवास श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. डिगोद, जि.देवास श्री गणेशराम सेंधव (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. खारपा, जि.देवास श्री संतोष शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सह. साख संस्था मर्या. आगुर्ली, जि.देवास श्री गोपालसिंह सेंधव (प्रबंधक)	सेवा सह. साख संस्था मर्या. ननासा, जि.देवास श्री संतोष व्यास (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

भारत का सनातन संदेश बनेगा विश्व शांति का पर्याय

■ प्रांजल कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

अब तक विश्व के जितने भी मंच हैं, उनका नेतृत्व अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और यूरोपीय संघ करते रहे हैं। चीन ने भी वैश्विक हस्तक्षेप बढ़ाया है। पर उसकी नीतियां और प्रक्रियाएं अलोकतांत्रिक होने के कारण वैश्विक स्वीकार्यता नहीं मिली। लेकिन इस बार के भारतीय गणतंत्र को दुनिया के सबसे शतिशाली समूह जी-20 का नेतृत्व करने का गौरव हासिल हुआ है। भारत ने दिसंबर 2022 में जी-20 देशों की अध्यक्षता का कार्य संभाल लिया है। चूंकि इसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, इसलिए इस जिम्मेवारी को वैश्विक अवधारणाओं में बदलाव की दृष्टि से भी देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया में भारत की विश्वसनीयता बढ़ी है और ज्यादातर बहुपक्षीय मंचों पर भारत का दखल न केवल बढ़ा है, बल्कि उसे स्वीकार्यता मिली है। भारत के लिए यह एक ऐसा स्वर्ण अवसर है, जो विकासशील देशों के लिए कल्याण के अवसर खोलेगा।

दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता का दायित्व सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को दे दिया गया। इससे साबित हुआ है कि विश्व मंच पर भारत का रुतबा और सहमति बढ़ रहे हैं। इसका सीधा सा अर्थ है कि भारत के प्रति दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है। दुनिया समझ रही है कि 'वसुधैव कुटुंबकम' ही भारत का वह सनातन संदेश है, जो विश्व शांति का पर्याय बन सकता है।

जो आर्थिक अजेंडे अब तक महाशक्तियों के इशारे पर तय होते थे, उन्हें निर्धारित करने में भारत समेत अन्य विकासशील देशों की भूमिका बढ़ जाएगी। तय है, नए सिरे से विश्व स्तर पर, प्रचलित अवधारणाओं में परिवर्तन के द्वार खुलेंगे। संभव है, रूस और यूक्रेन के बीच 10 माह से चल रहे भीषण युद्ध को समाप्त करने में भारत की अहम् भूमिका नजर आए। क्योंकि युद्ध में भारत की मजबूत विदेश नीति सामने आई हैं। इस नेतृत्व के जरिए भारत विकासशील देशों की आवाज बनकर उभरेगा। अर्थात वैश्विक स्तर पर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में भारत की भूमिका रेखांकित होगी। चूंकि भारत जनधन, आधार और मोबाइल सेवा के जरिए डिजीटल लेन-देन को बढ़ावा दे रहा है। जिसका बड़ा लाभ उन वंचित वर्ग को मिल रहा है, जिनके लिए लोक-कल्याणकारी योजनाएं चलाई जाती हैं। इन सेवाओं से पारदार्शिता आई है और रिश्वतखोरी पर लगाम है।

भारत के इस तकनीकी मॉडल की सराहना दुनियाभर में हो रही है। इसीलिए जी-20 की पहली वित्तीय बैठक का विषय वित्तीय समावेशन के लिए वैश्विक साझेदारी रखा गया है। भारत की अब कोशिश होगी कि अन्य विकासशील देश भारतीय मॉडल को अपनाएं और वंचितों तक कल्याणकारी योजनाओं को पूरी पारदार्शिता के साथ पहुंचाने में सफलता प्राह्श्वत करें। इस अवधारणा को स्वीकार्यता मिलती है तो एक तरह से वैश्विक अवधारणाओं में बदलाव की बड़ी पहल होगी। विकसित देशों का नियंत्रण संयुक्त राष्ट्र, विश्व-बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं न्यायालय पर है। इस कारण इनके माध्यम से जो विश्वव्यापी सर्वेक्षण कराए जाते है, उनमें से ज्यादातर पक्षपात करते दिखाई देते हैं। असर भारत एवं अन्य विकासशील देशों को इन सर्वेक्षणों के सूचकांक में पिछड़ा दिखा देते हैं। इनमें भूख, स्वास्थ्य एवं कुपोषण, मानवाधिकार आर्थिक पिछड़ापन ऐसे विशय है, ऐसे विषय है, जिनके कथित सर्वेक्षण किसी भी देश की छवि बिगाड़ने में संकोच नहीं करते हैं। इसी साल आए

भुखमरी के सूचकांक में भारत को अत्यंत गिरी हालत में दर्शाया है। जबकि भारत देश के 81 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को निशुल्क या सस्ती दरों पर अनाज दे रहा है। यही नहीं भूख के मुहाने पर खड़े अफगानिस्तान को भी भारत ने ही लाखों टन अनाज दान में दिया है।

खासतौर से यूरोपीय व अमेरिकी देश ऐसा भेदभाव इसलिए बरतते हैं, जिससे विकासशील देशों की खराब छवि को देखते हुए धनी देश इन देशों में निवेश न करें। इसलिए भारत ने इन हालातों को सुधारने की दृष्टि से विश्व बैंक के 'वर्ल्ड गवर्नेंस इंडिकेटर (डल्यूजीआई) को जी-20 के जरिए भविष्य के सूचकांकों को सुधारने की हिदायत दी है। क्योंकि किसी भी देश की रेटिंग बिगाड़ने का दारोमदार इन्हीं पर होता है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के चलते दुनिया संक्रमण काल से गुजर रही है। युद्ध का कोई हल न तो अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं सुझा पा रही हैं और न ही वैश्विक महाशक्तियां कोई समाधान तलाश पाई हैं। इसका बड़ा कारण रूस व अमेरिका के वर्चस्व की लड़ाई भी है, जो अब यूरोपीय देशों और रूस के बीच बदल गई है।

नतीजतन संयुत राष्ट्र, विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे जिन अंतरराष्ट्रीय मंचों का गठन वैश्विक समस्याओं के हल के लिए हुआ था, वे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बौनी हैं। क्योंकि इन संस्थाओं पर नियंत्रण मुख्य रूप से पाश्चात्य देशों का ही है। अतएव जब ये देश खुले रूप में यूक्रेन के समर्थन में आ खड़े हुए हों तो फिर इनके द्वारा नियंत्रित संस्थाएं निश्पक्ष निर्णय कैसे ले सकती हैं? ऐसे में जी-20 समूह के देशों को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में विश्व नेतृत्व की झलक दिखाई देना स्वाभाविक ही है। यही नहीं अंतरराष्ट्रीय मंचों से शांति की पहल भी मोदी ने ही वजनदारी से की है। साफ है, यह हस्तक्षेप मोदी की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को स्थापित करता है। अतएव इसी हस्तक्षेप का नतीजा रहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता का दायित्व सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को दे दिया गया। इससे साबित हुआ है कि विश्व मंच पर भारत का रुतबा और सहमति बढ़ रहे हैं। इसका सीधा सा अर्थ है कि भारत के प्रति दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है। दुनिया समझ रही है कि 'वसुधैव कुटुंबकम' ही भारत का वह सनातन संदेश है, जो विश्व शांति का पर्याय बन सकता है।

मोदी के अध्यक्ष पद की घोषणा होते ही समूह के अगले सम्मेलन के लोगो, थीम और बेवसाइट को नए रूप व प्रतीक के साथ जारी कर दिया है। इस समूह की अध्यक्षता करते हुए भारत ही मुद्दों का एजेंडा तय करेगा। तय है, महाशक्तियां भारत की बताई राह पर आगे बढ़ेंगी। इसीलिए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक इंडोनेशिया के बाली में मोदी से मुलाकात कर वैश्विक समस्याओं के निदान पर चर्चा की। इस चर्चा में रूस-यूक्रेन युद्ध भी शामिल रहा है। यानी महाशक्तियां भी मोदी में आशा की किरण तलाश रही हैं। क्योंकि अब किसी भी देश को आर्थिक और कूटनीतिक दृष्टि से भारत की अनदेखी करना कठिन हो रहा है। 1945 में परिषद् के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक दुनिया बड़े परिवर्तनों की वाहक बन चुकी है। इसीलिए भारत लंबे समय से परिषद् के पुनर्गठन का प्रश्न परिषद् की बैठकों में उठाता रहा है।

कालांतर में इसका प्रभाव यह पड़ा कि संयुक्त राष्ट्र के अन्य सदस्य देश भी इस प्रश्न की कड़ी के साझेदार बनते चले गए। परिषद् के स्थायी एवं वीटोधारी देशों में अमेरिका, रूस और ब्रिटेन भी अपना मौखिक समर्थन इस प्रश्न के पक्ष में देते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से दो तिहाई से भी अधिक देशों ने सुधार और विस्तार के लिखित प्रस्ताव को मंजूरी 2015 में दे दी है। इस मंजूरी के चलते अब यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के अजेंडे का अहम् मुद्दा बन गया है। नतीजतन यह मसला एक तो परिषद् में सुधार की मांग करने वाले भारत जैसे चंद देशों का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि सदस्य देशों की सामूहिक कार्यसूची का प्रश्न बन गया है। यदि पुनर्गठन होता है तो सुरक्षा परिषद् के प्रतिनिधित्व को समतामूलक बनाए जाने की उम्मीद बढ़ जाएगी। इस मकसद पूर्ति के लिए परिषद् के सदस्य देशों में से नए स्थायी सदस्य देशों की संख्या बढ़ानी होगी। यह संख्या बढ़ती है तो कार्य-संस्कृति में लोकतांत्रिक संभावनाएं स्वतः बढ़ जाएंगी। ■

प्रवासी भारतीय विश्व में भारत के ब्रांड एंबेसेडर

सदियों से विश्व को भारत को जानने की उत्सुकता रही है। भारतीय दर्शन, संस्कृति, हमारे जीवन मूल्य, हमारी वैश्विक दृष्टि, हमारी गौरवशाली परंपराएँ और आज के युग में भारत की मजबूत होती अर्थ-व्यवस्था, विज्ञान, तकनीकी, प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं अंतरिक्ष विज्ञान सभी विशिष्ट है और विश्व के आकर्षण का केंद्र हैं। आज वैश्विक मंच पर भारत की अपनी एक अलग आवाज, अपनी एक अलग पहचान है, जो आने वाले समय में और मजबूत होगी। भारत के प्रति विश्व की जिज्ञासा बढ़ेगी। प्रवासी भारतीयों की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि विश्व की भारत के प्रति इस बढ़ती हुई जिज्ञासा को शांत करें। वे भारत के 'सस्टेनेबल फ्यूचर' के मॉडल को विश्व भर में प्रचारित करें।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश अपनी विशेष पहचान रखता है। यहाँ का नर्मदा जल, यहाँ के वन, आदिवासी परंपराएँ, यहाँ का अध्यात्म सब कुछ विशिष्ट और अविस्मरणीय है। उज्जैन में श्री महाकाल महालोक दिव्य और भव्य है। वहाँ जाकर भगवान श्री महाकाल के दर्शन अवश्य करें और आशीर्वाद प्राप्त करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर अद्भुत शहर है। इंदौर एक दौर है, जो समय से आगे चलता है, फिर भी अपनी विरासत को समेटे रहता है। उन्होंने इंदौरी लहजे में कहा कि 'अपन का इंदौर पूरी दुनिया में लाजवाब है।' यहाँ के नमकीन, पोहा, साबूदाना खिचड़ी, कचोरी, समोसे मुँह में पानी लाते हैं। यह भारत का स्वच्छतम शहर तो है ही, स्वाद की राजधानी भी है। यहाँ का अनुभव आप भुला नहीं पाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन पर मध्यप्रदेश में हर्ष का वातावरण है। आजादी के अमृत काल में इंदौर में तो अमृत वर्षा हो रही है। इंदौरवासियों ने दिल के और घरों के द्वार प्रवासी भारतीयों के स्वागत में खोल दिए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी, सूरीनाम के राष्ट्रपति श्री चंद्रिका प्रसाद संतोखी और गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन पर 'सुरक्षित जाएँ-प्रशिक्षित जाएँ' की थीम पर जारी डाक टिकट का विमोचन किया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने प्रवासी भारतीय दिवस आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के आरंभ में सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, विदेश राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन, केंद्रीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री सुश्री मीनाक्षी लेखी सहित बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय भी उपस्थित थे। ■

प्रवासी भारतीयों से की पर्यटन की परिकल्पना को साकार करने की अपील

भारत के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में सभी प्रवासी भारतीयों का स्वागत करते हुए पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि मध्यप्रदेश ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अद्भुत और अनोखा है। मध्यप्रदेश का अध्यात्म और संस्कृति से गहरा नाता रहा है। मंत्री सुश्री ठाकुर प्रवासी भारतीय दिवस पर ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटी इन हार्ट ऑफ इनक्रेडिबल इंडिया' सेशन को संबोधित कर रही थी। सुश्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना है कि आध्यात्म ही भारतीय संस्कृति की रीढ़ है। उनकी संकल्पना पर मध्यप्रदेश बड़ी तत्परता और शक्ति के साथ कार्य कर रहा है। पर्यटन और संस्कृति विभाग द्वारा संस्कृति और पर्यटन को जोड़ने की दिशा में कार्य करते हुए विभिन्न नवाचार किए गए हैं। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन के साथ वैलनेस, वाटर, इको, एग्रो आदि टूरिज्म के नए सेक्टर विकसित हो रहे हैं।

आजादी की शताब्दी तक भारत विश्व गुरु होगा

आने वाले 25 वर्ष भारत के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भारत निरंतर विश्व गुरु बनने की महत्वाकांक्षी यात्रा पर है। वर्ष 2047 में जब हमारा देश आजादी की शताब्दी मना रहा होगा, तब तक हमारा देश आत्म-निर्भर और विश्व गुरु बन चुका होगा। भारत की विकास यात्रा में पूरी दुनिया के कोने-कोने में बसे प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका है। भारत का संकल्प है कि विश्व में सभी का समान और न्यायोचित विकास हो। हमारा दर्शन वसुधैव कुटुंबकम का है। सारा विश्व हमारे लिए एक परिवार है। प्रवासी भारतीय, भारत के विकास के विश्वसनीय भागीदार है। हम आपको पूरी तरह भागीदार बनाना चाहते हैं। आपकी सामूहिक ताकत, इनोवेटिव आइडियाज, तकनीकी दक्षता, क्षमता भारत को आत्म-निर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में तीन दिवसीय 17वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन दिवस का समापन किया। उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए 27 प्रवासी भारतीयों को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान किए।

केन्द्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि भारतीय प्रतिभा और भारतीय उत्पादों की संपूर्ण विश्व में मांग बढ़ रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विश्व के विभिन्न देशों में आवागमन को सुगम बनाने के लिए केन्द्र शासन द्वारा हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन अतीत के बलिदान को स्मरण करते हुए भविष्य के सपनों को साकार करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का अवसर है। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रवासी भारतीयों ने अपनी प्रतिभा की छाप सभी क्षेत्रों में छोड़ी है। सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और तकनीक, चिकित्सा, शिक्षा, व्यापार आदि क्षेत्रों में प्रवासी भारतीयों ने विश्व को उबारने का सामर्थ्य प्रदर्शित किया है। भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। ■

जीआई टैगिंग से प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को मिलेगी नई पहचान

मध्यप्रदेश के स्थानीय उत्पाद जीआई टैगिंग के माध्यम से अब अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में अपने नाम से जाने-पहचाने जा सकेंगे। इसके लिये इंदौर में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में भारत शासन, वस्त्र मंत्रालय की टेक्सटाईल कमेटी, मध्यप्रदेश संत रविदास हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम तथा नाबार्ड के बीच त्रिपक्षीय अनुबंध हुआ। लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव की उपस्थिति में यह अनुबंध हुआ। अनुबंध पर एमडी नाबार्ड श्री निरूपम मेहरोत्रा, अपर सचिव मध्यप्रदेश शासन कुटीर एवं ग्रामोद्योग श्री मनोज खत्री, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव और टेक्सटाईल कमेटी की ओर से श्री तपन राऊत ने हस्ताक्षर किये। प्रमुख सचिव कुटीर एवं ग्रामोद्योग श्री मनु श्रीवास्तव और टेक्सटाईल कमिश्नर भारत सरकार सुश्री रूप राशि भी उपस्थित थी। कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा कि जीआई टैगिंग के माध्यम से प्रदेश के स्थानीय शिल्पकारों और बुनकरों के उत्पादों को नई पहचान और राष्ट्रीय के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट उपलब्ध हो सकेगा।

अनुबंध के अनुसार टेक्सटाईल कमेटी द्वारा जीआई टैगिंग के लिये उत्पादों का चिन्हांकन एवं प्रचार-प्रसार किया जायेगा। नाबार्ड इन उत्पादों के लिये वित्तीय व्यवस्था करेगा। इन्वेस्टर्स समिट के दौरान तारापुर जिला नीमच के नांदना प्रिंट एवं जोबट जिला अलीराजपुर की पंजादरी को जीआई टैगिंग प्रदान करने के प्रस्ताव पर टेक्सटाईल कमेटी भारत सरकार और मध्यप्रदेश संत रविदास हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा हस्ताक्षर किये गये। साथ ही प्रदेश में अपनी अलग पहचान बना चुके रिटेल चाय आउटलेट ''चाय सुट्टा बार'' और प्रजापति समाज के मध्य अनुबंध किया गया। सुट्टा बार की ओर से श्री अभिनव दुबे, श्री पूरनलाल प्रजापति और श्री हेमंत प्रजापति ने हस्ताक्षर किये।

7वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

आजादी का अमृत काल शुरू

भारत की आजादी का अमृत काल शुरू हो चुका है। सभी पूरी गति से विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश का सामर्थ्य और संकल्प निर्णायक भूमिका निभाएगा। आस्था, अध्यात्म से लेकर पर्यटन तक और कृषि, शिक्षा से लेकर दक्षता संवर्धन तक मध्यप्रदेश अजब भी है, गजब भी है और सजग भी। विकसित भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में सातवीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का वर्चुअल शुभारंभ किया। प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क से वर्चुअल संबोधन दिया। प्रमुख निवेशकों ने भी मध्यप्रदेश में निवेश के संबंध में अपने विचार रखे।

सूरीनाम के राष्ट्रपति श्री चंद्रिका प्रसाद संतोखी ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री श्री मोदी वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से कार्य कर रहे है। अर्थ-व्यवस्था में सुधार के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में कार्य हो रहा है। भारत नेतृत्व कर रहा है। सूरीनाम भारत के साथ विभिन्न क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग करेगा। गुयाना के राष्ट्रपति श्री मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि मध्यप्रदेश में सुशासन और अच्छी नीतियों के कारण विकास की गति बढ़ी है। इंदौर शहर की स्वच्छता और सुंदरता का उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव हुआ। इन विशेषताओं के कारण मध्यप्रदेश में अनेक उद्योग आ रहे हैं। गुयाना भी औद्योगिक विकास में भागीदार बनेगा। ■

मध्यप्रदेश के विकास को निवेश से देंगे निर्णायक गति : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि निवेश के माध्यम से मध्यप्रदेश के विकास को निर्णायक गति प्रदान की जाएगी। मध्यप्रदेश में निवेश करने वाले उद्योगपतियों की एक पाई भी व्यर्थ नहीं जाने देंगे। संवाद, सहयोग, सुविधा, स्वीकृति, सेतु, सरलता और समन्वय के 07 सूत्रों से उद्योगों को पूर्ण सहयोग की रणनीति अपनाई जाएगी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस समिट के माध्यम से उद्योगपतियों और निवेशकों द्वारा 15 लाख 42 हजार 500 करोड़ रूपए से अधिक के लागत के उद्योग लगाने के प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 29 लाख लोगों को रोजगार देने की संभावनाओं को साकार किया जा सकेगा। इंटेशन टू इन्वेस्ट के फलस्वरूप क्रियान्वयन से प्रदेश की प्रगति में महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ेगा।

केंद्र सरकार हर कदम पर साथ

मध्य प्रदेश तेजी से विकास की दिशा तय कर रहा है और हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, यही कारण है कि 2023 की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश के जाने-माने उद्योगपतियों ने शिरकत की है, साथ ही दुनिया के 84 देशों के प्रतिनिधियों ने भी इसमें हिस्सा लिया, यह हम सब के लिए गौरव की बात है। म.प्र. का नागरिक और केंद्र का मंत्री होने के नाते मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि म.प्र. के पीछे केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का नेतृत्व खड़ा हुआ है। म.प्र. ऊंचाइयों को छुए, इस प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। श्री तोमर ने यह बात इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट- 2023 के समापन समारोह में कही।

श्री तोमर ने कहा कि एक समय था जब म.प्र. में कुछ ही कारखाने और कुछ उद्योगपति हुआ करते थे। वर्ष 2003 के पहले औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाला व्यक्ति यह मानने लगा था कि अगर आगे काम करना है तो दूसरे राज्य में जाना होगा। श्री शिवराज सिंह चौहान ने जबसे कामकाज संभाला, एक मजबूत संकल्प के साथ आगे बढना शुरू किया। गरीबों के जीवन स्तर में बदलाव आए, इसे अनदेखा नहीं होने दिया। प्रदेश इंडस्ट्री के क्षेत्र में आगे बढ़े, एग्रीकल्चर ग्रोथ हो और हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएं, इसमें भी सरकार लगी रही है। उनके प्रयत्नों का परिणाम यह हुआ कि प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट प्रारंभ हुई और आज म.प्र. में आमूलचूल परिवर्तन आया है, फिर वह रोड कनेक्टिविटी हो, रेल कनेक्टिविटी या एयर कनेक्टिविटी। कृषि के क्षेत्र में तो अद्भुत काम हुआ है। कृषि के क्षेत्र में कृषि कर्मण अवार्ड लगातार सात बार कभी किसी राज्य को नहीं मिला, म.प्र. ने यह अर्जित किया है। इसके अलावा गरीबों को आवास देने का काम हो, सड़कों के विस्तार की बात हो, डिजिटल एक्टिविटी, एग्री इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि के मामलों में म.प्र. प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाला राज्य बन गया है। देश की जीडीपी में भी म.प्र. का बहुत बड़ा योगदान होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का नेतृत्व देश को आगे बढ़ाने का सफल प्रयास कर रहा है। उनके साथ श्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार प्रदेश में निरंतर गति से काम कर रही है। उन्होंने इस मौके पर उद्योगपतियों का आह्वान करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश करिए, कोई शिकायत नहीं आने दी जाएगी। ■

कृषि आधारित उद्योगों के लिए मध्यप्रदेश अनुकूल

मध्यप्रदेश में कृषि और खाद्य प्र-संस्करण क्षेत्र में मौजूद अपार संभावनाएँ को दृष्टिगत रखते हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन एग्रीकल्चर फूड एण्ड डेयरी प्रोसिसिंग पर आयोजित विशेष सत्र को संबोधित करते हुए केन्द्रीय खाद्य एवं

प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश एग्रीकल्चरल इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (आईएएफ) की चेन का मॉडल पॉइन्ट उन्होंने कहा कि प्रदेश के कृषि आधारित उद्योगों के लिए सबसे अधिक अनुकूल वातावरण मौजूद है। श्री पटेल ने इन्वेस्टर्स से इन क्षेत्रों में निवेश करने का अव्हान किया है। सत्र में सभी संबोधनकर्ताओं ने निवेशको को दी जा रही सुविधाओं के लिए मध्यप्रदेश के शासन प्रशासन की सराहना की। सत्र में पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल और उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मौजूद थे।

एग्रीकल्चर फूड एण्ड डेयरी प्रोसिसिंग के विशेष सत्र को नीदरलैड के श्री मिशेल वेन इर्केल, अमेरिका के श्री अजय राव, एलटी फूड के एम.डी और सीईओ अश्विनी कुमार अरोरा, आई.टी.सी. के श्री रजनीकांत राय, श्री नवनीत गोयल, श्री देवोपम मुखर्जी, ने संबोधित किया। अपर मुख्य सचिव कृषि श्री अशोक वर्णवाल ने प्रेजेन्टेशन दिया। अपर मुख्य सचिव जे.एन कंसोटिया ने सत्र संचालन किया। प्रमुख सचिव पशुपालन विभाग श्री गुलशन बामरा ने अतिथियों का स्वागत कर आभार प्रकट किया।

उ.प्र. वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023

आशा और प्रेरणा का स्रोत बना है उत्तरप्रदेश

उत्तर प्रदेश की धरती अपने सांस्कृतिक वैभव, गौरवशाली इतिहास और समृद्ध विरासत के लिए जानी जाती है। 5-6 साल में उत्तर प्रदेश ने एक नई पहचान बनाई है। अब उत्तर प्रदेश सुशासन, बेहतर कानून व्यवस्था, शांति और स्थिरता के लिए जाना जाता है। धन सृजित करने वालों के लिए, यहाँ नए अवसर बनाए जा रहे हैं। बहुत जल्द यूपी 5 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाले एकमात्र राज्य के रूप में जाना जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने ग्लोबल ट्रेड शो का भी उद्घाटन किया और इन्वेस्ट यूपी 2.0 लॉन्च किया। उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023, उत्तर प्रदेश सरकार का प्रमुख निवेश शिखर सम्मेलन है, जो व्यापार के अवसरों का सामूहिक रूप से पता लगाने और साझेदारी बनाने के लिए दुनिया भर के नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, थिंक टैंक और राजनेताओं को एक मंच पर लाएगा। प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

प्रधानमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल क्रांति के कारण उत्तर प्रदेश का समाज समावेशी और संपर्क सुविधा से युक्त है। उन्होंने कहा, एक बाजार के रूप में, भारत सहज हो रहा है। प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया जा रहा है। आज, भारत बाध्यता से नहीं, बल्कि संकल्प के साथ सुधार कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज भारत सही मायने में गति और पैमाने के साथ विकास-पथ पर आगे बढ़ने लगा है। चूंकि एक बहुत बड़ी आबादी की बुनियादी जरूरतें पूरी हो चुकी हैं, तो वे आगे की सोच रहे हैं। यह भारत पर भरोसे की सबसे बड़ी वजह है। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में डेयरी, कृषि, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां निजी क्षेत्र की भागीदारी अभी भी सीमित है। उन्होंने निवेशकों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में पीएलआई के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए इनपुट से लेकर कटाई के बाद के प्रबंधन तक एक निर्बाध व आधुनिक प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि छोटे निवेशक एग्री-इंफ्रा फंड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री, विदेशी गणमान्य व्यक्ति और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे। ■

उद्योग जगत ने भी विचार व्यक्त किये

श्री कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि भारत उल्लेखनीय उद्यमशीलता और नवाचार दिखा रहा है। उन्होंने देश के आर्थिक परिदृश्य में नई ऊर्जा का संचार करने का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया। श्री मुकेश अंबानी ने कहा कि इस वर्ष के बजट ने भारत के एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभरने की आधारशिला रखी है। पूंजीगत व्यय के लिए अधिक आवंटन से आर्थिक विकास तथा सामाजिक कल्याण और अधिक होगा। टाटा संस के अध्यक्ष श्री नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा कि यह केवल आर्थिक विकास नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री ने 360-डिग्री विकास को सक्षम किया है। ज्यूरिख एयरपोर्ट एशिया के सीईओ श्री डेनियल बिर्चर ने कहा कि जिस तरह भारत आजादी के 75 साल मना रहा है, उसी तरह ज्यूरिख एयरपोर्ट भी अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे के साथ नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सीधे सड़क-संपर्क को रेखांकित किया। डिक्सन टेक्नोलॉजीज के अध्यक्ष श्री सुनील वचानी ने कहा कि भारत में बेचे जाने वाले लगभग 65 प्रतिशत मोबाइल फोन, उत्तर प्रदेश में निर्मित हो रहे हैं। उन्होंने राज्य को विनिर्माण केंद्र बनाने का श्रेय उत्तर प्रदेश सरकार की गतिशील नीतियों को दिया।

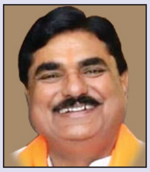

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | डॉ. नरोत्तम मिश्रा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री राजेश राठौड़ (अपर कलेक्टर/भारसाधक अधिकारी)
श्री नरेश कुमार परमार (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति इंदौर, जि.इंदौर

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | डॉ. प्रभुराम मालवीय (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री राहुल चौहान (भारसाधक अधिकारी)
श्री हजारीलाल पाटीदार (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति राजगढ़, जि.धार

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | डॉ. प्रभुराम मालवीय (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री नवजीवन विजय पंवार (भारसाधक अधिकारी)
श्री भगतसिंह डाबर (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति कुक्षी, जि. धार

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री इन्दरसिंह परमार (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री अनिल कुमार राठौड़ (भारसाधक अधिकारी)
श्री विश्वास जोन (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति पेटलावद, जि.झाबुआ

सुपर फूड मोटे अनाज

हमारे देश में कृषि करने के तौर तरीक़ों में बहुत तेज़ी से परिवर्तन हो रहे हैं। भारत सरकार ने परम्परागत खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक नीतिगत निर्णय लिये है तथा बजट में पर्याप्त निधि आवंटित की गई है। जैविक खेती व मोटे अनाजों की खेती के उत्पादों का राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में व्यापार बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं।

■ **डॉ रवीन्द्र पस्तोर**
सीईओ, ई-फसल

यदि हमें मिलेटस वर्ष का लाभ लेना है तो किसान उत्पादक, प्रसंस्करण कर्ता संस्थान, विपणन संस्थान व सरकार को एक साथ काम करने की आवश्यकता है।

बदलते पर्यावरण और बढ़ती जनसंख्या की भरण पोषण की चिंता के बीच भारत के अनुरोध पर संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2023 को मिलेट ईयर या मोटे अनाजों का वर्ष घोषित किया गया है। अफ्रीका महाद्वीप सर्वाधिक मोटे अनाजों का उत्पादन करने वाला महाद्वीप है। यहाँ 489 लाख हेक्टेयर में मोटे अनाजों की खेती की जाती है। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मिलेटस रिसर्च हैदराबाद के अनुमान के अनुसार भारत एशिया का 80 प्रतिशत व विश्व का 20 प्रतिशत उत्पादन करता है। हरित क्रांति के बाद इन फसलों के क्षेत्रफल में निरंतर कमी आती रही है। एफएओ के अनुसार, वर्ष 2020 में मोटे अनाजों का विश्व उत्पादन 30.464 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) था और भारत की हिस्सेदारी 12.49 एमएमटी थी, जो कुल मोटे अनाजों के उत्पादन का 41 प्रतिशत है। भारत ने 2021-22 में मोटे अनाजों के उत्पादन में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि पिछले वर्ष यह उत्पादन 15.92 एमएमटी था। एपीडा के आँकड़ों के अनुसार मोटे अनाजों का निर्यात बड़ रहा है। ज्वार, बाजरा, प्रमुख निर्यातक फसलें हैं। इंडोनेशिया, बेल्जियम, जर्मनी, मैक्सिको, इटली, अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राज़ील और नीदरलैंड प्रमुख आयातक देश है। एपीडा द्वारा मोटे अनाजों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है।

मोटे अनाजों के तहत ज्वार, बाजरा, कंगनी, कोदो, सावां, चेना, रागी, कुटटू, चौलई, कुटकी आदि प्रमुख पौष्टिक फसलें है। इनमें रेशे, बी- कॉम्प्लेक्स विटामिन, अमीनो एसिड, वसीय अम्ल, विटामिन- ई, आयरन, मैगनीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम, विटामिन बी- 6, व कैरोटीन ज़्यादा मात्रा में पाये जाते है। ग्लूकोज़ कम होने से मधुमेह का ख़तरा कम होता है। इसलिए इन फसलों को सुपर फ़ूड कहते है। यह फसलें कम पानी में अर्ध शुष्क क्षेत्रों में उगाई जा सकती है तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के परिणाम आसानी से सहन करने की क्षमता रखती है। इन की रोगप्रतिरोधक क्षमता बहुत अधिक होने से उत्पादन लागत बहुत कम हो जाती है। उच्च पोषण और बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करते हुए बदलती जलवायु परिस्थितियों में जीवित रहने की क्षमता के कारण देश में मोटे अनाज को पुनर्जीवित करने में रुचि बढ़ रही है। मोटे अनाज की खेती और विपणन को बढ़ाने की दिशा में विभिन्न एजेंसियों द्वारा कई तरह की पहलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। व्यापक प्रभाव के लिए प्रमुख प्राइवेट कम्पनियों,आपूर्ति श्रृंखला के हितधारकों

क्यों नहीं बढ़ रही मोटे अनाजों की खेती?

मोटे अनाजों के उत्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति के पीछे प्रमुख कारकों में कम फसल उत्पादकता, उच्च श्रम सघनता, फसल कटाई के बाद के कठिन संचालन और आकर्षक फार्म गेट कीमतों की कमी शामिल हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से चावल और गेहूं की आसान उपलब्धता ने बाजरा उत्पादक क्षेत्रों में खाद्य खपत पैटर्न के बदलाव में योगदान दिया है। रागी के अपवाद के साथ - जिसके लिए प्रौद्योगिकी ने तेजी से प्रगति की है - मोटे अनाजों के हल से संबंधित कठिन परिश्रम अभी भी स्थानीय उत्पादकों को हतोत्साहित कर रहा है। अन्य अक्षम करने वाले कारकों में शामिल हैं, उत्पाद विकास, व्यावसायीकरण में अपर्याप्त निवेश, और उनके उपभोग से जुड़ी निम्न सामाजिक स्थिति की धारणा। दैनिक आहार में मोटे अनाजों का उपयोग करने के तरीकों के बारे में ज्ञान का अभाव व्यापक है, इसके बावजूद कि उनसे कई प्रकार के व्यंजन बनाए जा सकते हैं। स्थानीय बाजारों में मोटे अनाजों की खराब उपलब्धता, उनके उत्पादों की उच्च कीमतों के साथ-साथ उनकी लोकप्रियता को सीमित कर रही है। हालांकि, सरकार के अनुसार, यह अनुमान है कि मोटे अनाजों का बाजार 2025 तक 9 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के अपने मौजूदा बाजार मूल्य से बढ़कर 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।

भारतीय बाजरा को बढ़ावा देने के लिए इंडोनेशिया, जापान और यूनाइटेड किंगडम के देशों में क्रेता-विक्रेता बैठकें भी आयोजित की जाएंगी। एपीडा खुदरा स्तर पर और लक्षित देशों के प्रमुख स्थानीय बाजारों में भोजन के नमूने और चखने का आयोजन भी करेगा, जहां व्यक्तिगत, घरेलू उपभोक्ता उत्पादों से परिचित हो सकते हैं।

जैसे एफपीओ, स्टार्टअप, निर्यातकों और मोटे अनाजों पर आधारित गुणमूल्य संवर्धित उत्पादों के उत्पादकों के बीच एकीकृत दृष्टिकोण और नेटवर्किंग की महती आवश्यकता है।

दुनिया के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में भोजन और चारे के रूप में मोटे अनाज, छोटे अनाज वाले घास के अनाज का एक समूह महत्वपूर्ण है। भारत में, मुख्य रूप से गरीब और सीमांत किसानों द्वारा और कई मामलों में आदिवासी समुदायों द्वारा शुष्क भूमि में मोटे अनाजों की खेती की जाती रही है। इस देश में मोटे अनाजों की खेती को पुनर्जीवित करने के लिए बढ़ती रुचि पोषण, स्वास्थ्य और लचीलेपन के विचारों से प्रेरित है। ये अनाज शुष्क क्षेत्रों और उच्च तापमान पर अच्छी तरह से बढ़ते हैं; वे खराब मिट्टी, कम नमी और महँगे रासायनिक कृषि आदानों से जूझ रहे लाखों गरीब और सीमांत किसानों के लिए आसान फसलें रहीं हैं। क्योंकि उनकी कठोरता और अच्छे पोषण की गुणवत्ता के कारण वे वास्तव में जलवायु परिवर्तन को अपनाने के लिए महत्वपूर्ण रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं।

मोटे अनाजों के उपयोग में वृद्धि में आने वाली बाधाओं और प्रवृत्तियों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट एंड बायोडायवर्सिटी इंटरनेशनल ने 2016 और 2017 में एक अध्ययन किया, जिसमें तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में गुणमूल्य श्रृंखला में काम करने वालों को शामिल किया गया। इन फसलों के अनुसंधान और विकास दोनों में लगे प्रमुख हितधारकों के साक्षात्कार लिए गये।जिससे मोटे अनाजों की समस्याओं को समझने में मदद मिली।

प्रोसेसिंग की बड़ी चुनौती

मोटे अनाजों का कठिन प्रसंस्करण प्रमुख चुनौती है जो उपभोक्ता की मांग और बाज़ार क्षमता बढ़ाने में बाधा डालती है। गुणमूल्य श्रृंखला के कारकों द्वारा प्रसंस्करण संयंत्रों तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए कई हस्तक्षेप किए जा सकते हैं और दूसरी ओर उपभोक्ताओं की प्रसंस्कृत मोटे अनाजों के उत्पादों तक पहुंच बनाई जा सकती है। मोटे अनाजों के खेतों के पास उपयुक्त प्रसंस्करण इकाइयों की कमी के कारण स्थानीय उत्पादकों को अपनी उपज को दूर-दराज के स्थानों पर ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उदाहरण के लिए, धर्मपुरी (तमिलनाडु), कोरापुट (ओडिशा) या डिंडोरी और मंडला जिलों (मध्य प्रदेश) में उत्पादित मोटे अनाज जैसे कोदो व बाजरा को प्रसंस्करण के लिए नासिक (महाराष्ट्र) तक ले जाने की आवश्यकता होती है। इसके कारण गुणमूल्य श्रृंखला में कीमतों में वृद्धि हो जाती है। जिससे उपभोक्ताओं को धान और गेहूं के उत्पादों की तुलना में मोटे अनाजों के खाद्य पदार्थों के लिए अधिक मूल्य का भुगतान करना पड़ता है। इस संबंध में, यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि निजी क्षेत्र द्वारा दक्षिणी भारत (जैसे तमिलनाडु में थेनी जिला) और हाल ही में रायपुर (छत्तीसगढ़) में बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना का बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जिससे गुणमूल्य श्रृंखलाओं को छोटा करने और सस्ते उत्पादों के माध्यम से स्थानीय और क्षेत्रीय खपत को बढ़ावा देने में मदद हो रही है। देश के अन्य क्षेत्रों में इसी तरह के हस्तक्षेप से लाभकारी प्रभाव पड़ेगा।

तकनीकी एवं नीतिगत परिवर्तन

देश भर में मोटे अनाजों के प्रसंस्करण उपकरणों की बिक्री की अनुमति देने के लिए एक नीतिगत उपाय करने की ज़रूरत है। उनकी खरीद पर संभावित छूट/अनुदान देने से गुणमूल्य श्रृंखला के विकास को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। प्रसंस्करण उपकरणों पर लगी जी एस टी को हटाने से भी राज्यों में प्रौद्योगिकी के प्रसार में मदद मिलेगी और इस संबंध में, हमारा मानना है कि उपकरण रखरखाव में युवाओं को प्रशिक्षित करने से मौजूदा मिलों के उपयोग को बढ़ाने के अलावा रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।अधिक विशेष रूप से, विभिन्न मोटे अनाजों की प्रजातियों, जिनमें बीज विभिन्न आकार के होते हैं,

की डी-हलिंग के लिए प्रौद्योगिकी का अनुकूलन करने की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। भूसी के साथ-साथ ग्रिट्स और अन्य उपयोगी सामग्री को हटाने को कम करने के लिए पतवारों में पृथक्करण तंत्र में सुधार के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। ग्रेडर की छनाई दक्षता में सुधार की भी आवश्यकता है। इस ऑपरेशन के लिए बड़े पैमाने पर उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन सामुदायिक स्तर और छोटे और मध्यम उद्यम स्तर के लिए तैयार किए गए उपकरणों की जरूरत है और यह किसान उद्यमों के विकास के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक होगा।

व्यापक प्रभाव के लिए प्रयासों को एकीकृत करना

वर्तमान में कई गैर-लाभकारी संगठन, समुदाय-आधारित सामूहिक और किसान उत्पादक संगठन मोटे अनाजों की अधिक खेती और विपणन करने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत सरकार भी मोटे अनाजों के प्रचार-प्रसार में विभिन्न स्तरों पर लगी हुई है। मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए कुछ प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों और परियोजनाओं में शामिल हैं। गहन बाजरा संवर्धन (INSIMP) परियोजना के माध्यम से पोषण सुरक्षा के लिए पहल (हाल ही में हस्नस्रूके साथ विलय); राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM); सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन; बारानी क्षेत्र विकास परियोजना (आरएडीपी); राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) आदि। साथ ही, आईसीएआर संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने मोटे अनाजों से कई उत्पाद बनाने के लिए तकनीक विकसित की है। यह वांछनीय होगा कि इन तकनीकों को बढ़ाया जाए और इन उत्पादों को व्यावसायिक स्तर पर अधिक व्यापक और आसानी से उपलब्ध कराया जाए। ये सभी प्रयासों को एक एकीकृत तरीके से किया जाना चाहिए ताकि इन प्रयासों से अधिक लाभ हो सके।

एक अध्ययन से मिली जानकारी के आधार पर, भविष्य की कार्रवाइयों को मोटे अनाजों की मूल्य श्रृंखलाओं के प्रमुख खिलाड़ियों के बीच नेटवर्किंग को मजबूत करना चाहिए। मोटे अनाजों की खपत और खेती को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण और हस्तक्षेप जैसे उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का प्रावधान, छोटे पैमाने के स्थानीय उद्यमियों के समर्थन में विकेंद्रीकृत प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे का विकास करने की आवश्यकता है।

निर्यात नीति

हमारे देश में यह फसलें प्रमुख रूप से ख़रीफ़ सीजन में राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, पंजाब, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में उगाई जाती है। मिलेटस में प्रसंस्करण कर ब्रेड, बिस्कुट, लड्डू, पास्ता, परोबायोटिक, इडली, डोला, उत्पम, नूडल्स आदि बनाए जा सकते हैं। मोटे अनाजों और इसके मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने शीर्ष कृषि निर्यात प्रोत्साहन निकाय, कृषि

बीज की गुणवत्ता में सुधार

फसल सुधार में भारतीय राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करते हुए, उन्नत किस्मों और भूप्रजातियों दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मोटे अनाजों के जर्मप्लाज्म का और अधिक मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। यह शोध विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के तहत उनके प्रदर्शन का आकलन करने के संबंध में किया जाना उचित होगा। मध्य प्रदेश में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से किसानों और समुदाय आधारित संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले बीज वितरित करने का अवसर भी एक बहुत ही आशाजनक अवसर है। बेहतर गुणवत्ता वाले मोटे अनाजों के बीजों की उपलब्धता में सुधार के लिए ऐसे समुदाय आधारित बीज उत्पादन को सार्वजनिक बीज बाजार प्रणालियों से बेहतर ढंग

से जोड़ने पर और ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार ने ICAR-Indian Institute of Millets Research (IIMR), हैदराबाद के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बाजरा और मूल्यवर्धित बाजरा उत्पादों के प्रचार के लिए एक पंचवर्षीय रणनीतिक योजना तैयार करना भी शुरू कर दिया है; जिसमें आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन), हैदराबाद; सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) सम्मिलित है । केंद्र ने मोटे अनाजों के संभावित उत्पादों के निर्यात को गति देने और पोषक अनाज की आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं को दूर करने के लिए पोषक अनाज निर्यात संवर्धन फोरम बनाया है। चावल और गेहूं जैसे अत्यधिक खपत वाले अनाज की तुलना में मोटे अनाजों में बेहतर पोषण मूल्य होते हैं। मोटे अनाजों कैल्शियम, आयरन और फाइबर से भरपूर होते है जो बच्चों में स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को प्रदान करने में मदद करता है। साथ ही, शिशु आहार और पोषण उत्पादों में मोटे अनाजों का उपयोग बढ़ रहा है।

और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) के माध्यम से एक व्यापक रणनीति तैयार की है। दिसंबर 2022 से दुनिया भर में भारतीय मोटे अनाजों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में भारतीय मिशनों को भारतीय मोटे अनाजों की ब्रांडिंग और प्रचार, अंतर्राष्ट्रीय रसोइयों की पहचान के साथ-साथ संभावित खरीदारों जैसे डिपार्टमेंटल स्टोर, सुपरमार्केट और हाइपरमार्केट में B2B बैठकें आयोजित करने और सीधे टाई-अप के लिए कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, लक्षित देशों के भारत में विदेशी मिशनों के राजदूतों और संभावित आयातकों को भी विभिन्न मोटे अनाजों -आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है, जिसमें रेडी-टू-ईट मोटे अनाजों के उत्पाद शामिल हैं और बी2बी बैठकें की जा रही है।

एपीडा ने दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात (दुबई), जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया (सिडनी), बेल्जियम, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में विभिन्न हितधारकों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाकर बाजरा प्रचार गतिविधियों को आयोजित करने की योजना बनाई है। कुछ महत्वपूर्ण फूड शो, क्रेता-विक्रेता बैठक और रोड शो में भारत में किए जा रहे हैं।

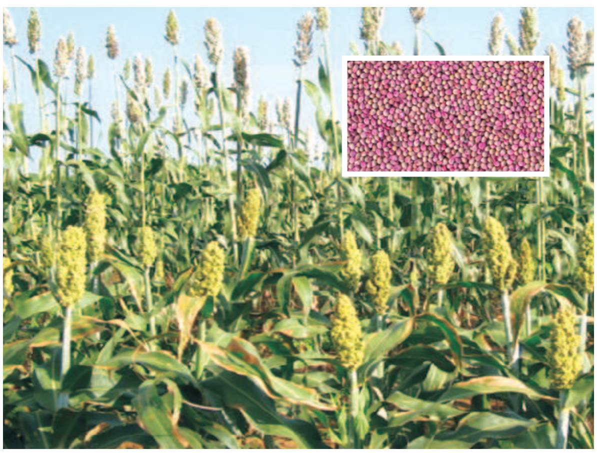

भारतीय मोटे अनाजों के प्रचार के हिस्से के रूप में, एपीडा ने मोटे अनाजों और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों को विभिन्न वैश्विक प्लेटफार्मों जैसे कि गल्फफूड 2023, फूडेक्स, सियोल फूड एंड होटल शो, सऊदी एग्रो फूड, सिडनी में फाइन फूड शो, बेल्जियम एंड बेवरेजेज शो, जर्मनी का बायोफैच और अनुगा फूड फेयर, सैन फ्रांसिस्को का विंटर फैन्सी फूड शो, में प्रदर्शित करने की योजना बनाई है।

भारतीय मोटे अनाजों और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों के प्रचार के लिए, केंद्र सरकार ने लक्षित देशों में से प्रत्येक के लिए 30 ई-कैटलॉग विकसित किए हैं, जिसमें विभिन्न भारतीय मोटे अनाजों के निर्यात के लिए उपलब्ध उनके मूल्य वर्धित उत्पादों की जानकारी शामिल है। एक सूची सक्रिय निर्यातक, स्टार्टअप, एफपीओ की तैयार कर आयातक, खुदरा श्रृंखला और हाइपरमार्केट जो विदेशों में भारतीय दूतावासों, आयातकों, निर्यातकों, स्टार्टअप और हितधारकों को उपलब्ध करवाई जा रही है। सरकार रेडी-टू-ईट (आरटीई) और रेडी-टू-सर्व (आरटीएस) श्रेणियों जैसे मिठाइयाँ, नूडल्स, पास्ता, ब्रेकफास्ट सीरियल्स मिक्स, बिस्कुट, कुकीज़, स्नैक्स और मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स को भी प्रोत्साहित कर रही है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि केंद्र की बाजरा प्रोत्साहन रणनीति के अनुसार, प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खुदरा सुपरमार्केट जैसे लुलु समूह, कैरेफोर, अल जज़ीरा, अल माया और वॉलमार्ट को भी मोटे अनाजों की ब्रांडिंग और प्रचार के लिए मोटे अनाजों के कार्नर की स्थापना के लिए जोड़ा जाएगा।

एपीडा ने अपनी वेबसाइट पर मोटे अनाजों के लिए एक अलग खंड भी बनाया है और हितधारकों की जानकारी के लिए देश-वार और राज्य-वार ई-कैटलॉग अपलोड किए गए हैं।

DGCIS के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में मोटे अनाजों के निर्यात में 8.02 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, क्योंकि यह पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान 147,501.08 मीट्रिक टन के मुकाबले 159,332.16 मीट्रिक टन था।

भारत के प्रमुख मोटे अनाज निर्यातक देश यूएई, नेपाल, सऊदी अरब, लीबिया, ओमान, मिस्र, ट्यूनीशिया, यमन, यूके और यूएसए हैं। भारत द्वारा निर्यात की जाने मोटे अनाजों की किस्मों में बाजरा, रागी, कैनरी, जवार और कुट्टू शामिल हैं।

दुनिया में प्रमुख मोटे अनाज आयात करने वाले देश इंडोनेशिया, बेल्जियम, जापान, जर्मनी, मैक्सिको, इटली, यूएसए, यूनाइटेड किंगडम, ब्राजील और नीदरलैंड हैं।

मोटे अनाजों की 16 प्रमुख किस्में हैं, जिनका उत्पादन और निर्यात किया जाता है, जिनमें सोरघम (ज्वार), पर्ल मिलेट (बाजरा), फिंगर मिलेट (रागी) माइनर मिलेट (कांगनी), प्रोसो मिलेट (चीना), कोदो मिलेट (कोदो), बार्नयार्ड शामिल हैं। बाजरा (सावा/सांवा/झंगोरा), छोटा बाजरा (कुटकी), दो छद्म बाजरा (बकव्हीट/कुट्टू), अमरंथस (चौलाई) और ब्राउन टॉप बाजरा आदि है।

एपीडा ने मूल्यवर्धन और किसानों की आय को बढ़ावा देने के लिए आईआईएमआर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए हैं। एपीडा ने आहार मेले के दौरान सभी आयु समूहों के लिए 5 रुपये से लेकर 15 रुपये तक के विभिन्न प्रकार के मोटे अनाजों के उत्पाद लॉन्च किए, जो एशिया का सबसे बड़ा बी2बी अंतर्राष्ट्रीय भोजन और आतिथ्य मेला है। इसके अलावा राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा तरह तरह-तरह के उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं। इन कम्पनियों में आईटीसी, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, केलोगस, नेस्ले, हल्दी राम, पन्तजलि, डाबर आदि प्रमुख हैं।

यदि हमें मिलेटस वर्ष का लाभ लेना है तो किसान उत्पादक, प्रसंस्करण कर्ता संस्थान, विपणन संस्थान व सरकार को एक साथ काम करने की आवश्यकता है। ■

74 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल.मकवाना
(प्र.संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)

सौजन्य से

श्री लक्ष्मीनारायण पाटिल (शा.प्र. खुड़ैल) श्री ओमप्रकाश श्रोत्रिय (शा.प्र. राऊ) श्री जगदीश बड़वाया (शा.प्र. बेटमा)
श्री विजय कुमार वर्मा (पर्य. खुड़ैल) श्री लक्ष्मण वर्मा (पर्य. राऊ) श्री तिलोकचंद्र परमार (पर्य. बेटमा)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. पेड़मी, जि.इंदौर
श्री महेश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. कम्पेल, जि.इंदौर
श्री महेश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. खुड़ैल बुजुर्ग, जि.इंदौर
श्री विजय वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. बावल्याखुर्द, जि.इंदौर
श्री विजय वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. शिवनी, जि.इंदौर
श्री केदार पटेल (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. धमणाय, जि.इंदौर
श्री अनिल तंवर (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. पिवड़ाय, जि.इंदौर
श्री सुभाष मंडलोई (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. पिगडम्बर, जि.इंदौर
श्री धर्मेन्द्रसिंह भाटी (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. राऊ, जि.इंदौर
श्री प्रदीप कुमार नागर (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. रंगवासा, जि.इंदौर
श्री रमेशचंद्र पाण्डे (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. बेटमा, जि.इंदौर
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. माचल, जि.इंदौर
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. औरंगपुरा, जि.इंदौर
श्री मंगलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. धन्नड़, जि.इंदौर
श्री तिलोकचंद परमार (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. रंगवासा, जि.इंदौर
श्री सीताराम पंवार (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. रोलाय, जि.इंदौर
श्री कल्याणसिंह पटेल (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. मेठवाड़ा, जि.इंदौर
श्री अर्जुन पंवार (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. दौलताबाद, जि.इंदौर
श्री इन्दरसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. कालीबिल्लौद, जि.इंदौर
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. साख संस्था मर्या. घाटाबिल्लौद, जि.इंदौर
श्री दिलीपसिंह देवड़ा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर भारत

भारत की आजादी के 75वें वर्ष में पूरी दुनिया ने यह भलीभांति स्वीकार कर लिया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक 'चमकता सितारा' है क्योंकि कोविड-19 और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर व्यापक सुस्ती दर्ज किए जाने के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो कि सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। यह बात केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 01 फरवरी, 2023 को संसद में केन्द्रीय बजट 2023-24 पेश करते हुए कही। वित्त मंत्री ने विशेष जोर देते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बिल्कुल सही पथ पर बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है और मौजूदा समय में तरह-तरह की चुनौतियां रहने के बावजूद भारत उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर है। श्रीमती सीतारमण ने कहा, 'यह उम्मीद की जा रही है कि पिछले बजट में डाली गई मजबूत नींव और भारत@100, जिसमें एक समृद्ध एवं समावेशी भारत की परिकल्पना की गई है' के लिए तैयार किए गए ब्लूप्रिंट के सहारे भारत एक ऐसे मुकाम पर पहुंच जाएगा जहां आर्थिक विकास के फल सभी क्षेत्रों एवं समस्त नागरिकों, विशेषकर हमारे युवाओं, महिलाओं, किसानों, ओबीसी, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तक निश्चित रूप से पहुंच जाएंगे।' केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज 01 फरवरी, 2023 को संसद में केन्द्रीय बजट 2023-24 पेश करते हुए कहा कि अमृत काल का विजन एक सशक्त और समावेशी अर्थव्यवस्था को प्रतिबिम्बित करेगा। उन्होंने कहा कि हमने एक समृद्ध और समावेशी भारत की परिकल्पना की है जिसमें विकास के फल सभी क्षेत्रों और नागरिकों विशेष रूप से हमारे युवाओं, महिलाओं, अन्य पिछड़ा वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तक पहुंचे।

बजट में 4 परिवर्तनकारी अवसरों की पहचान

स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण : हम बड़े उत्पादक उद्यमों या समूहों, जिनमें प्रत्येक में कई हजार सदस्यों वाले तथा व्यावसायिक रूप से पेशेवर तरीके से संचालित किया जाएगा, के गठन के माध्य से आर्थिक सशक्तिकरण के अगले चरण तक

पहुंचाने के लिए इन समूहों को सक्षम बनाएंगे।

पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान (पीएम विकास): पारंपरिक दस्तकारों और शिल्पकारों, आमतौर पर जिनको विश्वकर्मा के रूप में सम्बोधन किया जाता है, के लिए नई योजना की घोषणा की है।

मिशन मोड में पर्यटन प्रोत्साहन : राज्यों की सक्रिय भागीदारी, सरकारी कार्यक्रमों के समन्वय और पब्लिक-प्राइवेट भागीदारी के साथ, मिशन मोड में पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा।

हरित विकास : केंद्रीय वित्त मंत्री ने सरकार के हरित विकास प्रयासों के फोक्स पर जोर दिया जो अर्थव्यवस्था की कार्बन की सघनता को करने में सहायता पहुंचाते हैं और हरित क्षेत्र में पड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसरों को उपलब्ध कराते हैं।

केंद्रीय बजट 2023-24 का प्रमुख विषय समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा सरकार का सिद्धांत विशेष रूप से किसानों, महिलाओं, युवाओं, अन्य पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को कवर करते हुए समावेशी विकास करना है। ■

बजट के प्रमुख बिंदु

● वर्ष 2014 से स्थापित मौजूदा 157 चिकित्सा महाविद्यालयों के साथ ही संस्थानों में 157 नए नर्सिंग कॉलेज खोले जाएंगे।

● केन्द्र अगले तीन वर्षों में 3.5 लाख जनजातीय विद्यार्थियों के लिए 740 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में 38,800 अध्यापकों तथा सहयोगी कर्मचारियों को नियुक्त किया जाएगा।

● पीएम आवास योजना के लिए परिव्यय 66 प्रतिशत बढ़ाकर 79,000 करोड़ रुपये किया गया।

● रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपये की पूंजीगत निधि का प्रावधान, जो 2013-14 में उपलब्ध कराई गई धनराशि से 9 गुना अधिक और अब तक की सर्वाधिक राशि है।

● शहरी अवसंरचना विकास कोष (यूआईडीएफ) की स्थापना प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आई ऋण की कमी के उपयोग के माध्यम से होगी।

● सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, बड़े व्यवसाय तथा चेरिटेबल ट्रस्टों के लिए निकाय डिजीलॉकर की स्थापना की जाएगी, जिससे आवश्यक दस्तावेज़ों को ऑनलाइन साझा और सुरक्षित रखने में आसानी होगी।

● 5जी सेवाओं पर आधारित एप्लीकेशन विकसित करने के लिए 100 लैब्स स्थापित की जाएंगी, जिनसे नये अवसरों, बिजनेस मॉडलों और रोजगार संबंधी संभावनाओं को तलाशने में सहायता मिलेगी।

● प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 को अगले तीन वर्षों में लाखों युवाओं को कौशल सम्पन्न बनाने के लिए शुरू की जाएगी और इसमें उद्योग जगत 4.0 से संबंधित नई पीढ़ी के आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, मेकाट्रॉनिक्स, आईओटी, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और सॉफ्ट स्किल जैसे पाठ्यक्रम शामिल किए जाएंगे।

● विभिन्न राज्यों से कुशल युवाओं को अंतरराष्ट्रीय अवसर उपलब्ध कराने के लिए 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

● एमएसएमई के लिए ऋण गारंटी योजना को नवीनीकृत किया गया है। यह पहली अप्रैल 2023 से कार्प्स में 9,000 करोड़ रुपये जोड़कर क्रियान्वित होगी। इसके अतिरिक्त इस योजना के माध्यम से 2 लाख करोड़ रुपये का संपार्श्विक मुक्त गांरटीयुक्त ऋण संभव हो पाएगा। इसके अलावा ऋण की लागत में करीब 1 प्रतिशत की कमी आएगी।

● वरिष्ठ नागरिक बचत खाता योजना में अधिकतम जमा की सीमा 15 लाख रुपये से बढ़कर 30 लाख रुपये हो जाएगी।

● लक्षित राजकोषीय घाटा 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है।

● सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम जल्द ही शुरू होगा।

● सहयोगपरक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए चुनिंदा आईसीएमआर प्रयोगशालाओं के माध्यम से संयुक्त सार्वजनिक और निजी चिकित्सा अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा।

● औषधि निर्माण में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक नया कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

● विकास संभावना एवं रोजगार सृजन, निजी निवेश में बढ़ती भीड़ और वैश्विक खिलाड़ियों को टक्कर देने के लिए 10 लाख करोड़ का पूंजी निवेश, जो निरंतर 3 वर्षों में 33% की वृद्धि है।

● स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और आधारभूत अवसंरचना जैसे कई क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं को बढ़ाने के लिए 500 प्रखंडों को शामिल करते हुए आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

● अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना के तहत अगले 3 वर्षों में प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन को लागू करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये।

‘सहकार से समृद्धि’ का विजन साकार

2,516 करोड़ रुपये से 63,000 प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों का कम्प्यूटीकरण

गांवों में बहुद्देश्यीय सहकारिता समितियों, मत्स्य समितियों और दुग्ध समितियों के गठन में मदद करेगी

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने सहकारिता क्षेत्र के लिए कई उपायों की घोषणा की। उन्होंने अपने बजट भाषण में प्रधानमंत्री के लक्ष्य ‘सहकार से समृद्धि’ और ‘अमृतकाल की भावना के साथ सहकार की भावना’ को जोड़ने के उनके संकल्प का उल्लेख किया। वित्त मंत्री ने कहा कि 31.03.2024 तक जो नई सहकारी समितियां उत्पादन गतिविधियां शुरू करेंगी, उन्हें 15 प्रतिशत की कम कर दर का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आकलन वर्ष 2016-17 से पहले की अवधि के लिए गन्ना किसानों को किए गए भुगतान का दावा करने के लिए गन्ना सहकारिता समितियों को एक अवसर उपलब्ध कराया जाएगा, इससे लगभग 10,000 करोड़ रुपये की राहत मिलने की उम्मीद है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों और प्राथमिकता सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक में सदस्यों को नकद जमा करने और नकद उधार लेने की उच्च सीमा प्रति सदस्य 2 लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि सहाकरी समितियों को नकद निकासी पर टीडीएस के लिए 3 करोड़ रुपये की उच्च सीमा उपलब्ध कराई जा रही है।

अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने बताया कि ‘सहकार से समृद्धि’ के विजन को साकार करने और किसान एवं उपेक्षित वर्गों के लिए सहकारिता आधारित विकास मॉडल को बढ़ावा देने के लिए एक नया सहकारिता मंत्रालय बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विजन को साकार करने के लिए सरकार ने 25,16 करोड़ रुपये से 63,000 प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों का कम्प्यूटीकरण करने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि सहकारिता समितियों की देशभर में मैपिंग के लिए एक राष्ट्रीय सहकारिता डेटाबेस तैयार किया जा रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि विकेन्द्रीकृत भंडारण क्षमता की स्थापना की जाएगी, जिससे किसानों को अपनी उपज का भंडारण करने और सही समय पर उसकी बिक्री के जरिए आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार, अगले 5 वर्षों में शेष रह गई पंचायतों और गांवों में बड़ी संख्या में बहुद्देशीय सहकारी समितियों, प्राथमिक मत्स्य समितियों और दुग्ध सहकारी समितियों का गठन करने में मदद करेगी। ■

सहकारिता के माध्यम से करोड़ों लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठेगा : श्री शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार ‘सहकार से समृद्धि’ के मंत्र पर चल सहकारिता के माध्यम से करोड़ों लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए संकल्पित भाव से कार्य कर रही है। अपने ट्वीट्स में श्री अमित शाह ने कहा कि आज बजट में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त करने के लिए किये गए अभूतपूर्व निर्णय इसी संकल्प का प्रतीक हैं। बजट में विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत भंडारण क्षमता स्थापित करने की योजना से सहकारी समितियों से जुड़े किसान अपनी उपज का भंडारण कर उसे उचित समय पर बेच कर अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर पाएंगे। यह किसानों के आय बढाने के मोदी जी के संकल्प में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि साथ ही अगले 5 वर्षों में सरकार हर पंचायत में नई बहुउद्देशीय सहकारी समितियों, प्राथमिक मत्स्य समितियों और डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना की सुविधा प्रदान करेगी। इससे सहकारिता आन्दोलन को नई दिशा और गति प्राप्त होगी, जिससे यह क्षेत्र और अधिक सशक्त होगा। श्री अमित शाह ने कहा कि 31 मार्च 2024 तक बनने वाली मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की सहकारी समितियों को सिर्फ 15% टैक्स के दायरे में रखने पर मोदी जी का आभार। नकद निकासी पर टीडीएस की अधिकतम सीमा 3 करोड़ करने, पैक्स एवं कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक द्वारा नकद जमा व ऋण के लिए प्रति सदस्य 2 लाख रुपये की सीमा प्रदान करने का निर्णय सराहनीय है।

कृषि ऋण का लक्ष्य 20 लाख करोड़ होगा

उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्धता के लिए 2200 करोड़ रुपये

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि-स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए कृषि त्वरक कोष बनाया जाएगा

श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों के लिए रोग मुक्त गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से 2200 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक आत्मनिर्भर स्वच्छ पौध कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में युवा उद्यमियों के कृषि-स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एक कृषि त्वरक कोष बनाया जाएगा। इस कोष के जरिए किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अभिनव एवं किफायती समाधान पेश किए जाएंगे, और इसके साथ ही यह कोष खेती-बाड़ी करने के तौर-तरीकों में व्यापक बदलाव लाने, और उत्पादकता एवं लाभप्रदता बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियां भी पेश करेगा।

मिलेट का उल्लेख 'श्री अन्न' के रूप में करते हुए वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री को उद्धृत करते हुए कहा, 'भारत मिलेट्स को लोकप्रिय बनाने में सबसे अग्रणी है जिसकी खपत से पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों का अपेक्षाकृत ज्यादा कल्याण संभव हो पाता है।' वित्त मंत्री ने यह बात रेखांकित की कि भारत पूरी दुनिया में 'श्री अन्न' का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, और कई प्रकार के मिलेट जैसे कि ज्वार, रागी, बाजरा, कुट्टू, रामदाना, कंगनी, कुटकी, कुडो, चीना, और सामा देश में उगाए जाते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इनके उपयोग से लोगों को कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण एक ओपन सोर्स, ओपन स्टैंडर्ड और अंतर परिचालन सार्वजनिक ढांचे के रूप में किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि ऋण लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा और इसके तहत पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन पर फोकस किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि 6,000 करोड़ रुपये के लक्षित निवेश के साथ 'पीएम मत्स्य संपदा योजना' नामक एक नई उप-योजना शुरू की जाएगी, ताकि मछुआरों, मत्स्य वेंडरों, और सूक्ष्म एवं छोटे उद्यमों की संबंधित गतिविधियों को तेज किया जा सके। अतिरिक्त लंबे रेशे वाली कपास की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के जरिए एक क्लस्टर-आधारित और मूल्य श्रृंखला अवधारणा अपनाई जाएगी। ■

छोटे किसानों को लाभ, प्रौद्योगिकी के जरिये कृषि को बढ़ावा : श्री तोमर

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बजट में किसानों के साथ ही गरीब और मध्यम वर्ग, महिलाओं से लेकर युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास का समावेश करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री तोमर ने कहा कि बजट से छोटे किसानों को लाभ होगा, वहीं प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदृष्टि के अनुरूप बजट में कृषि को आधुनिकता से जोड़ते हुए प्रौद्योगिकी के जरिये कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने पर जोर दिया है ताकि किसानों को दीर्घकाल तक व्यापक लाभ मिलें। श्री तोमर ने बताया कि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान सहित कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का कुल बजट इस बार लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये का है। इसमें मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के लिए 60 हजार करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। मोदी सरकार द्वारा डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन प्रारंभ किया गया है, जिसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से 450 करोड़ रु. तथा टेक्नालाजी द्वारा कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के संबंध में लगभग 600 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। श्री तोमर ने बताया कि प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रधानमंत्री ने पहल की, जिसे बढ़ावा देने के लिए 459 करोड़ रु. का प्रावधान किया है। 3 साल में प्राकृतिक खेती के लिए 1 करोड़ किसानों को सहायता दी जाएगी, जिसके लिए 10 हजार बायो इनपुट रिसर्च सेंटर्स खोले जाएंगे।

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

74 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री बाबूलाल राठौर (शा.प्र. खरगोन)
श्री संजय गुप्ता (पर्य. खरगोन)
श्री मथुरालाल यादव (शा.प्र. मंडी खरगोन)
श्री नारायण चौधरी (पर्य. मंडी खरगोन)
श्री सुरेन्द्र दांगी (शा.प्र. टेमला)
श्री सुखदेव पाटीदार (पर्य. टेमला)
श्री अफजल खान (शा.प्र. भगवानपुरा)
श्री के.एल.आड़तिया (पर्य. भगवानपुरा)
श्री छन्नूलाल पटेल (शा.प्र. बिस्टान)
श्री कैलाश पाटिल (पर्य. बिस्टान)
श्री अरुण पाटीदार (शा.प्र. भीकनगाँव)
श्री राधेश्याम राठौर (पर्य. भीकनगाँव)
श्री जगदीश पाटीदार (शा.प्र. गोराड़िया)
श्री अब्दुल वहाब शेख (पर्य. गोराड़िया)

श्री बी.एल.मकवाना
(प्र. संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)

श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री राजेन्द्र आचार्य
(प्रभारी सीईओ)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खरगोन, जि.खरगोन
श्री संजय गुप्ता (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. नारायणपुरा, जि.खरगोन
श्री पुरुषोत्तम पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मेनगाँव, जि.खरगोन
श्री शंकरलाल पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. नागझिरी, जि.खरगोन
श्री नारायण चौधरी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. घुघरियाखेड़ी, जि.खरगोन
श्री धन्नालाल कुशवाह (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. टेमला, जि.खरगोन
श्री रेवाराम पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रजूर, जि.खरगोन
श्री सुखदेव पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भगवानपुरा, जि.खरगोन
श्री नरेन्द्र सोलंकी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भग्यापुर, जि.खरगोन
श्री के.एल. आड़तिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. धूलकोट, जि.खरगोन
श्री जीवनसिंह रतोरिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पीपलझोपा, जि.खरगोन
श्री रमेशचंद्र सेंगर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बिस्टान, जि.खरगोन
श्री कैलाश पाटिल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मोहनपुरा, जि.खरगोन
श्री सुरेश पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बन्हेर, जि.खरगोन
श्री रामेश्वर कुशवाह (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गढ़ी, जि.खरगोन
श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भीकनगाँव, जि.खरगोन
श्री राधेश्याम राठौड़ (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लालखेड़ा, जि.खरगोन
श्री टीकाराम मालाकार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सुन्द्रेल, जि.खरगोन
श्री सीताराम देसाई (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. शकरगाँव, जि.खरगोन
श्री गोपाल यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. अमनखेड़ी, जि.खरगोन
श्री दिनेश पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. साईखेड़ी, जि.खरगोन
श्री वल्लभ गुप्ता (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गोराड़िया, जि.खरगोन
श्री अब्दुल वहाब शेख (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. शिवना, जि.खरगोन
श्री विनोद बर्वे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. दैवित बु., जि.खरगोन
श्री मदन यादव (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

प्रदेश में सहकारिता से हो रहा उन्नति का पथ प्रशस्त

■ महेश दुबे

सहकारिता में अधिकाधिक जन-समुदाय, विशेषकर युवाओं और महिलाओं को जोड़ कर इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर विभाग कार्य कर रहा है। सहकारी संस्थाओं को आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर और व्यावसायिक इकाई के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में सहकारिता से उन्नति का पथ प्रशस्त हो रहा है। सहकारी संस्थाओं द्वारा किसानों को खरीफ और रबी फसल के लिये शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देने, उन्नत बीज और उर्वरक उपलब्ध कराने के साथ समर्थन मूल्य पर किसानों से गेहूँ, धान आदि फसलों का उपार्जन किया जा रहा है। सहकारिता विभाग में विभिन्न क्षेत्रों में रजिस्टर्ड समितियाँ स्थानीय स्तर पर नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ प्रदेश के विकास में योगदान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की किसानों के हित में शुरू की गई अनेक योजना में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण उपलब्ध कराने की योजना महत्वपूर्ण है। इस योजना से किसानों को सूदखोरों और ब्याज के कुचक्र से मुक्ति मिल रही है। शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण उपलब्ध कराने में साल दर साल बढ़ोत्तरी हो रही है। ऋण उपलब्धता में वर्ष 2021-22 में वर्ष 2019-20 की तुलना में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2019-20 में 11 हजार 471 करोड़ रूपये का ऋण किसानों को वितरित किया गया था, जबकि वर्ष 2021-22 में 16 हजार 807 करोड़ रूपये का ऋ ण वितरित किया गया। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 14 हजार 700 करोड़ से अधिक के ऋण का वितरण किया जा चुका है।

किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने में सहकारी समितियों का उल्लेखनीय योगदान है। प्रदेश में 4 हजार 534 पैक्स (प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाएँ) सामान्य सुविधा केन्द्रों से किसानों को केसीसी पर (किसान क्रेडिट-कार्ड) कृषि ऋण और खाद-बीज का वितरण सुनिश्चित कर रही हैं। पैक्स से वर्ष 2020-21 में 10 लाख 85 हजार क्विंटल और वर्ष 2021-22 में 10 लाख 3 हजार क्विंटल प्रमाणित बीज किसानों को दिया गया। प्रदेश में संगठित क्षेत्र के कुल बीज उत्पादन का 80.15 प्रतिशत सहकारी बीज संस्थाओं द्वारा उत्पादित किया जा रहा है। इन संस्थाओं के उपार्जन केन्द्रों द्वारा समर्थन मूल्य पर किसानों से गेहूँ, धान आदि फसलों का उपार्जन किया जाता है।

सहकारी संस्थाओं से प्रदेश में फसलों का रिकॉर्ड उपार्जन किया गया है। वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी के समय में भी किसानों से एक करोड़ 29 लाख 42 हजार मीट्रिक टन गेहूँ और 37 लाख 26 हजार मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया था। वर्ष 2021-22 में एक करोड़ 28 लाख 16 हजार मीट्रिक टन गेहूँ और 45 लाख 82 हजार मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया। पैक्स द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकानों का भी संचालन किया जा रहा है।

सहकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पैक्स को सशक्त करने के लिये आई.टी. से जोड़ा जा रहा है। मध्यप्रदेश, पैक्स का कम्प्यूटराइजेशन करने वाला देश का पहला राज्य है। प्रदेश की सभी 4 हजार 534 पैक्स का कम्प्यूटराइजेशन किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 177 करोड़ रूपये की लागत से किये जा रहे पैक्स के कम्प्यूटराइजेशन को अगले 3 वर्ष में पूरा किया जायेगा। पैक्स में माइक्रो एटीएम की स्थापना का कार्य भी प्रगति पर है। नाबार्ड की सहायता से 29 जिला सहकारी बैंक की शाखाओं और उनसे संबद्ध पैक्स में 4 हजार 628 माइक्रो एटीएम की स्थापना की जा रही है। माइक्रो एटीएम से पैक्स तक बैंकिंग सुविधा का विस्तार हो सकेगा।

सहकारिता विभाग द्वारा अनेक क्षेत्र में कार्य कर रही सहकारी संस्थाओं को फेसिलिटेट भी किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में 10 हजार से अधिक महिला बहु-प्रयोजन सहकारी समितियों का गठन सहकारिता विभाग द्वारा किया गया है। ग्रामीण उद्योग और परिवहन, उद्यानिकी, पर्यटन, खनिज, श्रम, सेवा-प्रदाता आदि नये क्षेत्रों में भी विभाग द्वारा 814 सहकारी संस्थाओं का गठन किया गया है। विभिन्न प्रयोजनों के लिये नागरिकों द्वारा सहकारी संस्थाओं का गठन किया जाता है। ऐसे नागरिकों के लिए सहकारी संस्थाओं के गठन को अधिक सुविधाजनक बनाने पंजीयन की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। सहकारी संस्थाओं के ऑडिट आवंटन की प्रक्रिया को भी रेण्डम तरीके से ऑनलाइन किया गया है। ऐसा करने वाला प्रदेश, देश का पहला राज्य है।

सहकारिता में अधिकाधिक जन-समुदाय, विशेषकर युवाओं और महिलाओं को जोड़ कर इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर विभाग कार्य कर रहा है। सहकारी संस्थाओं को आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर और व्यावसायिक इकाई के रूप में विकसित किया जा रहा है। ■

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री दीपक आर्य
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री पी.के. सिद्धार्थ
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.आर.कावड़कर
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.के. ओझा
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एस.के.शुक्ला
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री सुरेश सेन
(शा.प्र. खुरई)
श्री प्रवेश राठौर
(शा.प्र. केसली)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रुसल्ला, जि.सागर
श्री कमलेश कुर्मी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तेवरा, जि.सागर
श्री निरंजन सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धांगर, जि.सागर
श्री महेश चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. विनायठा, जि.सागर
श्री सुनील श्रीवास्तव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भीलोन, जि.सागर
श्री विनोद तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिलौधा, जि.सागर
श्री बृजेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गढ़ौला जागीर, जि.सागर
श्री प्रमोद कुमार साहू (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजराहरचंद, जि.सागर
श्री डेलनसिंह कुर्मी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बारधा, जि.सागर
श्री शिवराजसिंह गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरोदिया नौनगर, जि.सागर
श्री सूरतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झारई, जि.सागर
श्री प्रेमनारायण असाटी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बहरोल सिंगपुर, जि.सागर
श्री कुंजबिहारी तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उजनेट, जि.सागर
श्री कुंजबिहारी तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. केसली, जि.सागर
श्री बैजनाथ राय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जरूआ, जि.सागर
श्री अभिषेक चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवरीखुर्द, जि.सागर
श्री रविन्द्र पाण्डेय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पलोह, जि.सागर
श्री विवेक श्रीवास्तव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टड़ाखास, जि.सागर
श्री बृजबिहारी पाण्डेय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पटना सरियापानी, जि.सागर
श्री ओंकार प्रसाद चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सहजपुर, जि.सागर
श्री राजेन्द्र तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुहली, जि.सागर
श्री कृष्णकुमार अरेले (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बम्होरी, जि.सागर
श्री सचेन्द्र जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. थांवरी, जि.सागर
श्री रामनरेश मिश्रा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे

बारह घंटे में 1382 किमी

■ **वैभव डांगे**
इन्फ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञ

आने वाले साल में आप एक बार जरूर सड़क से दिल्ली से मुंबई तक की यात्रा करना चाहेंगे। एक लाख करोड़ की लागत से विश्वस्तरीय बन रहे दिल्ली-मुंबई ग्रीनफील्ड एसप्रेस-वे के जरिए 1382 किमी की दूरी केवल 12 घंटे में तय होगी। आठ लेन की सड़क का यह सफर ना थकाऊ होगा और ना ही ऊबाउ। कारण, दिल्ली से आगे चलते ही हरे-भरे खेत, धूप-छांव की आंख मिचौली खेलते पेड़ों के बीच से गुजरते हुए ऐसे चार टाइगर रिजर्व से गुजरेंगे, जहां जाने के लिए हम कई बार योजना बनाकर भी नहीं जा पाते। रास्ते में पर्यटन का आनंद और अलग-अलग व्यंजनों का स्वाद लेते हुए यह सफर कब पूरा हो जाएगा, पता ही नहीं चलेगा।

आठ मार्च 2019 को तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज व तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली की उपस्थिति में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला रखी गई थी। इस एसप्रेस-वे की संकल्पना कुछ तरह थी कि वह पिछड़े क्षेत्र जो मुख्य मार्ग से दूर हैं, उन्हें जोड़ा जाए। इस एक्सप्रेस-वे के एक हिस्से को ई-हाईवे (इलेट्रिक हाईवे) के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां ट्रक और बसें 120 किमी प्रतिघंटे की गति से चलेंगे जिससे लॉजिस्टिक लागत में 70 प्रतिशत की कमी आएगी। पूरे एसप्रेस-वे में 20 लाख पेड़ लगाए जा रहे हैं, प्रत्येक 500 मीटर पर वर्षा जल संचयन प्रणाली के साथ पूरे खंड में ड्रिप सिंचाई की व्यवस्था की गई है। इस एसप्रेस-वे में हर साल 32 करोड़ लीटर से अधिक डीजल-पेट्रोल की बचत होगी। जिससे 85 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाईआसाइड के उत्सर्जन में कमी आएगी।

यह एशिया का पहला एसप्रेस-वे होगा, जहां जानवरों के लिए ओवरपास बनाए जा रहे हैं। यह एसप्रेस-वे चार टाइगर रिजर्व रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा नेशनल पार्क और रामगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के बीच से गुजरेगा। यहां दोनों ओर 8 मीटर लंबी शोर अवरोधक दीवारें तथा 6 फुट ऊंची दीवारें होंगी, जिससे जानवर सड़क पर और यात्री जंगल में नहीं जा सकेंगे। यह यात्रा लोगों को नई अनुभूति देगी।

यह एसप्रेस-वे कई दृष्टि से खास है। आप जब दिल्ली-मुंबई एसप्रेसवे से गुजरेंगे तो बड़ौदा के हुसेपुर-सादण गांव और भरूच से 20 किमी दूर कैलोद गांव के पास 24 घंटे में ढाई किमी की 4-लेन सीमेंट कंक्रीट की उसी सड़क से गुजरेंगे, जिसने विश्व कीर्तिमान बनाया है। गुजरात में पटेल इन्फ्रास्ट्रस्चर कंपनी द्वारा यह रिकार्ड बनाया गया है। एक फरवरी 2021 को सुबह 8 बजे शुरू हुआ काम अनवरत 24 घंटे चला और 2 फरवरी 2023 को जब सूर्योदय हुआ तो सड़क निर्माण के कीर्तिमान की वह लालिमा बिखेर रहा था।

इतने लंबे सफर में चलने वाला किसी ऐसी जगह पर ठहरना चाहता, जहां सुकून हो। जहां स्वादिष्ट व्यंजन हों, आनंद व आराम हो। इस एक्सप्रेस-वे में इसका खास ध्यान रखा गया है। पूरे एक्सप्रेस-वे में 94 वे-साइड एमेनिटीज बनाई जा रही हैं। जहां ठहरने के लिए मोटल होगा। खाने के लिए उम्दा किस्म के रेस्त्रा होंगे। चाइल्ड केयर रूम होगा। सर्विस सेंटर, पेट्रोल पंप, एटीएम के अलावा एक छोटा हाट-बाजार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकल फार वोकल की नीति को अपनाया गया है। इसके लिए प्रत्येक वे-साइड एमेनिटीज में उस क्षेत्र में उत्पादित सामान का स्टाल भी होगा।

यह एक्सप्रेस-वे पांच राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मप्र, गुजरात और महाराष्ट्र को ही नहीं जोड़ेगा, बल्कि यह हमें उप्र, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तक ले जाने का सुलभ साधन बनेगा। उप्र में बन रहे नए जेवर एयरपोर्ट को इस एक्सप्रेस-वे से कनेक्ट किया जा रहा है। चंबल एसप्रेस-वे के जरिए कोटा से इटावा को कनेक्ट किया जाएगा। आगरा-जयपुर के बीच संपर्क मार्ग बनाया जा रहा है। इंदौर से उज्जैन होकर कोटा तक नया कारीडोर बन रहा है। ■

एक्सप्रेस-वे से लोगों को मिलेगा रोजगार, चमकेगी होटल इंडस्ट्री, जमीनों के भाव हो गए डबल

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे के चालू होने के साथ ही दौसा सहित आसपास के इलाके की तस्वीर भी बदलने की उम्मीद है। समृद्धि के इस मार्ग से आवागमन का नया आधुनिक सुविधाओं युक्त रास्ता तो मिलेगा ही, साथ ही दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही दौसा के आसपास पर्यटन व धार्मिक स्थलों पर देशभर के लोगों का सीधा आवागमन होगा तो स्थानीय रोजगार के साथ होटल इंडस्ट्री को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। दौसा का दिल्ली से सीधा जुड़ाव हो जाएगा और दूरी अधिकतम दो घंटे की रह जाएगी। दौसा जिले में पर्यटन के लिहाज से विश्व धरोहर आभानेरी की चांदबावड़ी है तो धार्मिक आस्था का केन्द्र मेहंदीपुर बालाजी मंदिर जैसे बड़े स्थल हैं। जिले के समीप गुलाबी नगरी जयपुर, भानगढ़, सरिस्का, रणथम्भौर आदि हैं, इन जगह जाने के लिए भी दिल्ली से लोग दौसा होकर जाएंगे।

नया औद्योगिक क्षेत्र बसाने की तैयारी में सरकार

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे का फायदा उठाने की तैयारी में राज्य सरकार भी है। भिवाड़ी और मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र की तर्ज पर जयपुर-बस्सी-दौसा के मध्य बड़ा औद्योगिक क्षेत्र बसाने की तैयारी की जा रही है। रीको ने दौसा जिले में आठ जगहों को चिह्नित भी किया है। इसके अलावा गत दिनों जटवाड़ा से दौसा के मध्य ड्रोन सर्वे भी हुआ है। एक्सप्रेस वे के निकट दौसा जिले में सोमनाथ, डिडवाना, कौलाना व बापी औद्योगिक क्षेत्र पहले से संचालित है। रालावास एरिया कोर्ट स्टे के चलते अटका हुआ है। वहीं अब बिदरखा, ठिकरिया और मटवास-जयरामपुरा इलाके में भी नए औद्योगिक क्षेत्र संचालित करने का प्लान बनाया जा रहा है।

एनएच-21 खुलने लगे होटल-रेस्टोरेंट

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर दौसा मुख्यालय से आठ किलोमीटर दूर स्थित भांडारेज मोड़ इंटरचेंज से उतरकर यात्री सीधे नेशनल हाइवे-21 जयपुर-आगरा मार्ग पर उतरेंगे। यहां से यात्री जयपुर व भरतपुर की ओर जा सकेंगे। ऐसे में इस मार्ग पर बीते दो साल में दौसा जिले में ही दो दर्जन होटल-रेस्टोरेंट खुल चुके हैं। ऐसे में यहां होटल इंडस्ट्री के पंख लगने की उम्मीद है।

अब जमीनों के मनमाने भाव

दौसा से भांडारेज इंटरचेंज के मध्य एनएच-21 पर जमीनों के भाव दो साल पहले करीब 20 हजार रुपए प्रतिवर्ग थे, जो अब 40-50 हजार रुपए तक हैं। प्रोपर्टी कारोबारियों का कहना है कि अब हाइवे के निकट प्रोपर्टी मिलना ही मुश्किल हो गया है। अगर कोई बिकवाली निकालता है तो भाव मनमाने हैं। जानकारों का मानना है कि एक्सप्रेस-वे के निकट गांवों में भी आने वाले समय में जमीनों के दाम बढ़ेंगे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का दिल्ली-दौसा-लालसोट खंड राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का 246 किलोमीटर लंबा दिल्ली-दौसा-लालसोट खंड राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने 5940 करोड़ रुपये से भी अधिक की लागत से विकसित होने वाली 247 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। 'नए भारत' में प्रगति, विकास और कनेक्टिविटी के इंजन के रूप में उत्कृष्ट सड़क अवसंरचना के निर्माण पर प्रधानमंत्री द्वारा दिया जा रहा विशेष जोर देश भर में अनगिनत मौजूदा विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे के निर्माण के रूप में साकार हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब ऐसी आधुनिक सड़कें, रेलवे स्टेशन, रेलवे ट्रैक, मेट्रो और हवाई अड्डे बनते हैं, तो देश के विकास को गति मिलती है। उन्होंने अवसंरचना पर निवेश के गुणात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। राजस्थान में राजमार्गों के निर्माण के लिए 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले 9 वर्षों से, केंद्र सरकार भी अवसंरचना में लगातार भारी निवेश कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल के बजट में अवसंरचना के लिए 10 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गए है, जो 2014 के आवंटन से 5 गुना ज्यादा है। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि इन निवेशों से राजस्थान के गरीब और मध्यम वर्ग को काफी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने अवसंरचना में निवेश से अर्थव्यवस्था को मिलने वाले लाभों को रेखांकित किया और कहा कि यह रोजगार और परिवहन-संपर्क का निर्माण करता है।

इस अवसर पर,केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री कैलाश चौधरी, राजस्थान सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री श्री भजनलाल जाटव और कई सांसदगण उपस्थित थे। ■

हरिनारायण चारी मिश्र

टीआई से लेकर पुलिस कमिश्नर तक

आईपीएस हरिनारायण चारी मिश्र ने इंदौर पुलिस कमिश्नर के रूप में एक साल का कार्यकाल पूरा कर लिया। इस एक साल में उनके नाम अनेक उपलब्धियाँ रही हैं। वे पहले ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने इंदौर में टीआई के रूप में कॅरियर की शुरुआत की और आज पुलिस कमिश्नर हैं। हाल ही में इंदौर में हुए प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान कानून व्यवस्था को संभालने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

2003 बैच के आईपीएस अधिकारी हरिनारायण चारी मिश्र इंदौर के पहले पुलिस कमिश्नर हैं। उनकी गिनती मध्यप्रदेश के तेज-तर्रार पुलिस अधिकारियों में होती है। पुलिस सिस्टम लागू हुए इंदौर में एक साल पूरा हो गया है। इस दौरान इंदौर पुलिस के नाम कई बड़ी उपलब्धियाँ दर्ज हुई हैं। इस दौरान इंदौर में कई बड़े आयोजन भी हुए जिसमें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय सम्मेलन प्रमुख है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इंदौर पुलिस की पीठ थपथपाई है।

यूपीएससी परीक्षा पास करने के बाद उन्हें एमपी कैडर मिला था। आईपीएस बनने से पहले वे रेलवे में अधिकारी थे। इससे पूर्व उत्तरप्रदेश में ट्रेजरी अधिकारी के पद पर भी वे रह चुके हैं। मूल रूप से बिहार के सिवान जिले से रहने वाले श्री मिश्र की शुरुआती शिक्षा गाँव के स्कूल में ही हुई जहाँ बोरे पर बैठकर बच्चे पढ़ाई करते थे। 12वीं उन्होंने सीवान के डीएवी कॉलेज से की। उच्च शिक्षा के लिए बीएचयू आ गए। वे आज भी काम से वक्त निकालकर अपने गाँव जरूर जाते हैं।

सोशल मीडिया पर नकैल

श्री मिश्र का कहना है कि सोशल मीडिया एक बड़ी चुनौती है। तकनीक ने हमारी चुनौतियाँ भी बढ़ाई है। पुलिस भी तकनीक से उच्च स्तर पर रहे तभी अपराधियों से मुकाबला कर सकते हैं। साइबर क्राइम के क्षेत्र में हमारी टीम ने पिछले कुछ महीनों में 3 करोड़ 28 लाख रुपये लोगों के वापस करवाए हैं। हमारी एक साइबर हेल्पलाइन भी है। यह देश की सबसे सशक्त टीम है। पिछले दिनों प्रवासी भारतीय सम्मेलन में दो मेहमानों के फोन गुम हो गए थे जिसे पुलिस ने कुछ ही घंटों में ढूँढ लिया।

श्री मिश्र का युवाओं से कहना है कि यह मायने नहीं रखता कि आप कहाँ पढ़ रहे हैं। आप अपनी चीजों को मजबूती से रखें। अपना मन भी मजबूत रखें। अपने लक्ष्य को तय कीजिये और कड़ी मेहनत करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। ■

पुलिस की जिम्मेदारियाँ बढ़ी

इंदौर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम को एक साल हो गया। इससे पुलिस की चुनौतियाँ और जिम्मेदारियाँ भी बढ़ गई हैं। हमारी टीम बड़ी मजबूती के साथ काम कर रही है। बलवा की घटनाओं में 50 फीसद तक कमी आई है। लूट की घटनाओं में भी 25 प्रतिशत तक कमी आई है। डकैती की घटना जीरो पर आ गई है। पुलिस बेहतर ढंग से अपनी क्षमताओं का उपयोग कर रही है। प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेर्स्ट समिट की सफलता के लिए मैं अपने जवानों, इंदौर की जनता और जनप्रतिनिधियों को भी धन्यवाद देता हूँ।

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री राज्यवर्धनसिंह दत्तीगाँव (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्रीमती लक्ष्मी गामड़ (भारसाधक अधिकारी) | **श्री भगतसिंह डाबर** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति अलीराजपुर, जि.अलीराजपुर

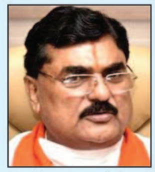

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री राज्यवर्धनसिंह दत्तीगाँव (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री देवकीनंदन सिंह (भारसाधक अधिकारी) | **श्री चिमनसिंह मंडलोई** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति जोबट, जि.अलीराजपुर

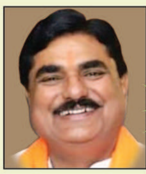

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री मिलिन्द ढोके (भारसाधक अधिकारी) | **श्री के.डी. अग्निहोत्री** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति खरगोन, जि.खरगोन

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक
रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री शिवराम कनासे (भारसाधक अधिकारी) | **श्री गुमानसिंह चौहान** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सनावद, जि.खरगोन

गेहूँ की फसल में जल प्रबंधन

गेहूं फसल असिंचित अर्द्धसिंचित तथा पूर्ण सिंचित परिस्थितियों में उत्पादित किया जाता है। असिंचित गेहूं की खेती खरीफ के रिक्त खेतों में मानसून वर्षा के संरक्षित जल पर आधारित होती है। अर्द्धसिंचित गेहूं की खेती कुओं, नलकूप, वाटर हारवेस्टिंग/ संग्रहित तालाब व नहरी सैंच्य क्षेत्र के छौर पर कम सिंचाई जल पहुंचाने की परिस्थितियों में तथा पूर्ण सिंचित गेहूं की खेती स्त्रोत में पर्याप्त सिंचाई जल उपलब्धता होने पर की जाती है। सिंचाई जल उपलब्ध होने पर कृषक की प्रथम पसंद गेहूं उगाना ही होता है। क्योंकि यह कम जोखिम वाली फसल है। दलहन-तिलहन की अपेक्षा इसमें कीट-व्याधि वे मौसम परिवर्तन का कम प्रभाव होता है तथा इसमें प्राप्त भूसे का उपयोग जानवरों के काम में भी आ जाता है। गेहूं का उत्पादन जलवायु गेहूं की किस्म, बोने का समय व तरीका, भूमि का प्रकार एवं सिंचाई जल उपलब्धता, प्रबंधन व फसल व्यवस्था पर निर्भर करती है। इसमें सिंचाई जल एक मुख्य घटक है। जनसंख्या वृद्धि व कल कारखानों के कारण जो कि भविष्य में खेती के लिये कम उपलब्ध होगा। अतः गेहूं उत्पादित करने के लिए जल सिंचाई का प्रबंधन इस प्रकार करने की आवश्यकता हो जिसमें कम क्षेत्र से सीमित जल उपलब्धता से अधिकतम प्राप्त हो सके। गेहूं में सिंचाई जल प्रबंध निम्न बिन्दुओं पर ध्यान में रखकर करें।

सिंचाई कब करें

सिंचाई का निर्धारण- सामान्यतया ऊंची किस्मों की जल आवश्यकता 25-30 सेमी तथा बोनी की 40-45 सेमी होती है। जब मिट्टी में समाहित जल में 60 प्रतिशत कमी हो जाये जिससे पौधे की वृद्धि एवं विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पडने की संभावना हो तो सिंचाई करना आवश्यक हो जाता है। बोने गेहूं में अन्य आदानों के साथ सिंचाई के उपयुक्त प्रबंधन से प्रति इकाई जल से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। निम्न विधियों द्वारा पानी की आवश्यकता का अनुमान लगाया जा सकता है। पौधे के बाहरी गुणों को देखकर- जल की कमी होने पर पौधों में निम्न परिवर्तन होने लगता है, जैसे-

1. पत्तियां मुरझाने व ऐठने लगती है-
2. तना झुकने लगता है।

भूमि का प्रकार

हल्की मिट्टियों में गेहूं में कम अंतराल पर सिंचाई देना पड़ती है तथा भारी मिट्टियों में गेहूं में कम अंतराल पर सिंचाई देना पड़ती है तथा भारी मिट्टियों में चूंकि जलधारण क्षमता अधिक होती है। अतः सिंचाईयों के अंतराल में बिना कोई उपज हानि के बचाया जा सकता है। इस प्रकार बहुत हल्की मिट्टियों में बोनी जाति के गेहूं में जहां 10-12 सिंचाई एवं भारी काली मिट्टियों में 4-6 सिंचाईयों से ही अधिक उत्पादकता प्राप्त हो जाती है।

भूमि की दशा और गुण देखकर

पौधों की जड़ों के पास की मिट्टी लेकर मुट्ठी में दबाने व फेंकने पर बिखरती नहीं है तो तत्काल सिंचाई देने की आवश्यकता नहीं है व यदि बिखर जाती है तो यह जल की आवश्यकता की जानकारी देती है नमी मापक उपकरणों जैसे टेंसीयोमीटर, जिप्सम ब्लाक आदि का उपयोग भी सिंचाई सूचक के रुप में किया जा सकता है। भूमि में जब 50-60 प्रतिशत नमी उपलब्धता जहां 60 सेमी गहराई पर रहे जाये तो सिंचाई कर देना चाहिए।

खेत की तैयारी एवं अंकुरण के लिये

यद्यपि गेहूं के अंकुरित होने के लिए बीज को डालने की गहराई पर 22 प्रतिशत नमी पर्याप्त है, परंतु अच्छे अंकुरण एवं प्रारंभिक बढ़वार के लिए क्षेत्र क्षमता का 50-70 प्रतिशत नमी युक्त होना आवश्यक है। सिंचित क्षेत्रों में खरीफ फसल काटने के बाद यदि पर्याप्त नमी न हो तो पलेवा देकर जमीन तैयार की जाये तथा तुरंत बाद बोनी करें। जिससे खेत तैयारी के बाद बची नमी में ही बीज का अंकुरण हो सके। जिन खेतों में खेत तैयार करने हेतु पर्याप्त नमी है वहां इस नमी का उपयोग खेत में खेत तैयार करने में करें तथा बोनी के बाद सिंचाई कर दें। जहां बोनी में देरी होने की संभावना हो वहां भी बोनी के बाद सिंचाई करें। बोनी के बाद सिंचाई करने की परिस्थिति में बीज की उथली बोनी पर करें।

पौधों की बढ़वार एवं अधिकतम उपज हेतु

अधिक उपज प्राप्त करने के लिए क्रांतिक अवस्थाओं पर भूमि में ज्यादा नमी आवश्यक है। अन्यथा इन अवस्थाओं पर भूमि में नमी की कमी से उपज पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

क्रांतिक अवस्थाओं पर

ऊंची जातियों में तीन तथा बोनी जातियों में छह अवस्थाएं सिंचाई की दृष्टि से क्रांतिक होती हं। भूमि में नमी ज्ञात की सिंचाई करना- इस विधी में खेत के विभिन्न भागों से 1-30 सेमी की गहराई तक की मिट्टी का नमूना लिया जाता है। तथा उसमें उपलब्ध नमी की मात्रा की गणना की जाती है। मिट्टी का नमूना सुखाकर यह मात्रा निकाली जाती है। आर्द्रता तनाव मापी एवं आर्द्रता मापी का 15-20 सेमी ऊपरी सतह में उपयोग गकर नमी अथवा आर्द्रता तनाव ज्ञात किया जाता है। अन्य तरीकों के आधार पर- यदि उपरोक्त तरीके अपनायें जा सके तो नमूना मिट्टी में फसल की स्थिति का अंदाजा लगाकर सिंचाई देना चाहिए, इसमें बोये जाने वाले खेत के एक या दो जगह एक घन मीटर की मिट्टी निकालकर उसको 50 प्रतिशत बालू+50 प्रतिशत मिट्टी के मिश्रण से पुन~ भर दें तथा खेत में फसल बोते समय ही खाद उर्वरकों के साथ सामान्य बुआई करें। बालू की अधिक मात्रा के कारण नमी का ह्रास इन दिनों खेत के शेष भागों की तुलना में अधिक होगा एवं इन स्थानों के पौधे जल्दी मुरझाने लगेंगे। अत~ जैसे ही इन स्थानों पर सुबह के समय पौधे मुरझाने लगें तो खेत में सिंचाई देना आवश्यक समझना चाहिए।

प्रति सिंचाई पानी की मात्रा

गेहूं को करीब 40-45 सेमी कुल जल की आवश्यकता होती है। सिंचाई द्वारा आवश्यकता से अधिक पानी देने से जहां मूल मण्डल से नीचे चले जावेगें। वहीं भविष्य में जल लग्नता एवं ऊसर भूमि की समस्या पैदा होने की संभावना होती है। सिंचाई में बहुत कम मात्रा में जल देने से बार-बार कम अंतराल पर सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है, तथा बार-बार सिंचाई करने से वाष्पन तथा इधर-उधर जल बहने से जल की अधिक हानि होती है।हल्की भूमियों में प्रति सिंचाई जल की मात्रा (6 सेमी) लगती है। परंतु कुल सिंचाई संख्या अधिक होती है। इसके विपरीत भारी मिट्टियों में प्रति सिंचाई पानी की मात्रा अधिक (7.8 सेमी) लगती है परंतु सिंचाई संख्या कम लगती है। जोनल कृषि अनुसंधान केन्द्र, पवारखेड़ा, होशंगाबाद में हायब्रिड 65 किस्म में 5, 7.5 एवं 10 सेमी गहराई की सिंचाईयां की गई और यह पाया गया कि 5 सेमी पानी सिंचाई उतनी ही अच्छी उपज देती है जितनी की ज्यादा पानी की मात्रा। परंतु इतनी हल्की सिंचाई केवल समतल खेतों में ही देना संभव है। अतः 7.5 सेमी पानी प्रति सिंचाई देना गहरी काली मिट्टी के लिए उपयुक्त है।

सिंचाई कैसे करें

सिंचाई का मुख्य उद्देश्य कम पानी से कम समय से अधिकाधिक जल का उपयोग करना है। सामान्यतः गेहूं की फसल में सिंचाई मुख्यतः बार्डर, क्यारी एवं फ़ुहार पद्धति द्वारा की जाती है।

बार्डर पद्धति : इस पद्धति द्वारा पानी लगाने के लिए खेत को लम्बी-लम्बी पटिटयों में बांट दिया जाता है। इन पट्टियों की चौड़ाई 3-4 मीटर रखते हैं तथा दो बार्डरों के बीच 30 सेमी चौड़ी व 20-25 सेमी ऊंची मेढ़ बनाई जाती है। दोनों मेढ़ों के बीच में पानी फैलाकर आसानी से फसल को मिल जाता है। इस विधी में 60-70 प्रतिशत सिंचाई क्षमता मिल जाती है और क्यारी पद्धति की तुलना में 20-30 प्रतिशत पानी की बचत होने के साथ-साथ एवं श्रम की बचत भी होती है।

सावधानी : ध्यान रहे कि इस विधि में पानी का प्रवाह पट्टी की लम्बाई का 70-80 प्रतिशत तक होने के बाद दूसरी पट्टी में पानी लगा देना चाहिए। रेतीली भूमि में पट्टियों की लम्बाई 50 मीटर से अधिक नहीं रखना चाहिए। तथा चौड़ाई भी 1.5 से 2 मीटर के बीच होनी चाहिए।

क्यारी पद्धति : जहां ढाल खेत की दोनों दिशाओं में हो अथवा खेत हल्का सा ऊबढ़-खाबड़ हो वहां क्यारी पद्धति से सिंचाई करना लाभदायक है। इस हेतु 10×7.5 मी क्यारी उत्तम होती है। इस पद्धति में पाली द्वारा पानी दूर-दूर तक ले जाया जाता है, जिससे अधिकांश जल रिसकर व्यर्थ चला जाता है। जहां ट्यूबवेल द्वारा पानी दिया जाता है। वहां यह विधि अधिक अपनाई जाती है। इसमें पानी लगाने की क्षमता मात्र 40-45 प्रतिशत तक ही होती है तथा 10-15 प्रतिशत भूमि नालियों व मेढ़ों में व्यर्थ चली जाती है। साथ ही इसमें समय एवं श्रम भी अधिक लगता है क्योंकि नालियों को बार-बार खोलना एवं बंद करना पड़ता है।

फुहार (स्प्रिंकलर) पद्धति : ज्यादा हल्की भूमि (बालू) अथवा ऊबड़-खाबड़ हो वहां फुहार सिंचाई पद्धति सबसे उपयुक्त होती है। इस विधी में 70-80 प्रतिशत सिंचाई क्षमता मिल जाती है। इस पद्धति में पानी की उचित मात्रा का उपयोग होता है। कम समय व पानी में अधिक क्षेत्र में सिंचाई की जा सकती है। उर्वरक एवं दवाईयां भी आसानी से प्रयोग की जा सकती है। ■

फरवरी माह के कार्य

नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल दवा की 3 मिली मात्रा को प्रति 1 किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। मूँग में खरपतवार नियंत्रण के लिए बेसालीन नामक दवाई को 1 लीटर दवा प्रति हैक्टेयर की दर से 600 लीटर पानी में घोलकर बुवाई से पहले छिड़काव कर दें।

फल फसलें : आम मे चुर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए 2 ग्राम प्रति 1 लीटर के हिसाब से घुलनशील गंधक का छिड़काव करें। आम में यदि पुष्प कुरूपता दिखाई दे रही है तो गुच्छों को तुरंत काटकर नष्ट कर दें। आम में हॉपर कीड़े के नियंत्रण के लिए कार्बारिल दवा 2 ग्राम प्रति 1 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। अमरूद में फलों की तुड़ाई के पश्चात कटाई-छँटाई करें। ■

सब्जियाँ : भिण्डी की पूसा ए-4 किस्म की बुवाई फरवरी माह में कर दें। भिण्डी बुवाई के 8-10 दिन बाद सफेद मक्खी व जैसिड कीटों से बचाव के लिए 1.5 मिली मोनोक्रोटोफॉस दवा प्रति 1 लीटर पानी के हिसाब से या 4 मिली इमीडाक्लोप्रिड दवा प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। भिण्डी में उर्वरक की पूर्ति के लिए 15 टन प्रति हैक्टेयर गोबर की खाद के साथ 100:50:50 की दर से एनपीके डालें। इस माह में लौकी की पूसा संतुष्टि, पूसा संदेश (गोल फल), पूसा समृद्धि एवं पूसा हाईबिड 3 की बुवाई करें। खीरे की पूसा उदय, पूसा बरखा की बुवाई करें। चिकनी तोरई की पूसा स्नेध व धारीदार तोरई की पूसा नूतन किस्मों की बुवाई करें। करेले की पूसा विशेष, पूसा औषधि एवं पूसा हाइब्रिड 1 व 2 की बुवाई करें।

दलहनी फसल : जायद में बुवाई के लिए मूँग की पूसा रत्नना, पूसा विशाल का प्रयोग करें। मूँग में कीट

74 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री गौतम सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल.मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री राजेन्द्रसिंह कनेश (सहायक आयुक्त एवं बैंक प्रभारी)

श्री धर्मेन्द्र जाजू (शा.प्र. भावगढ)
श्री जगदीश परमार (शा.प्र. भानपुरा)
श्री पंकज भटनागर (शा.प्र. बघाना)
श्री कैलाशचंद्र पलाश (शा.प्र. महागढ/रामपुरा)

श्री दशरथ भटेवरा (पर्य. भावगढ)
श्री इन्दरसिंह रावत (पर्य. भानपुरा)। श्री राजेन्द्र नाथ रावल (पर्य. बघाना)।
श्री दशरथसिंह राजपूत (पर्य. महागढ)। श्री रामगोपाल शर्मा (पर्य. रामपुरा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भावगढ़, जि.मंदसौर
श्री दशरथ भटेवरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेहपुर, जि.मंदसौर
श्री विजेन्द्र सिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नान्दवेल, जि.मंदसौर
श्री दशरथ भटेवरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भानपुरा, जि.मंदसौर
श्री कन्हैयालाल माली (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नीमथुर, जि.मंदसौर
श्री कंवरलाल अहीर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. संधारा, जि.मंदसौर
श्री प्रकाशचंद्र धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढामलामाधो, जि.मंदसौर
श्री कंवरलाल अहीर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सांजलपुर, जि.मंदसौर
श्री इन्दरसिंह रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नावली, जि.मंदसौर
श्री शंभूसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बघाना, जि.नीमच
श्री कारूलाल राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धनेरियाकलां, जि.नीमच
श्री कारूलाल राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बामनबर्डी, जि.नीमच
श्री राजेन्द्रनाथ रावल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिसलवास, जि.नीमच
श्री राजेन्द्रनाथ रावल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दारू, जि.नीमच
श्री राजेन्द्रनाथ रावल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जमुनिया, जि.नीमच
श्री राजेन्द्रनाथ रावल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. महागढ़, जि.नीमच
श्री दशरथसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चपलाना, जि.नीमच
श्री मिट्ठूनाथ योगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आंत्री, जि.नीमच
श्री दशरथसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नलखेड़ा, जि.नीमच
श्री सत्यनारायण राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजुरी, जि.नीमच
श्री सुंदरलाल धंवर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुण्डला, जि.नीमच
श्री गोपाल गेहलोत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामपुरा, जि.नीमच
श्री रूपेश सारू (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेसला, जि.नीमच
श्री रामगोपाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवरान, जि.नीमच
श्री परसराम धनगर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरलई, जि.नीमच
श्री रामगोपाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चचोर, जि.नीमच
श्री रामगोपाल शर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

झारखण्ड में इफको नैनो यूरिया प्लांट का भूमिपूजन

राँची। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने झारखण्ड के देवघर में विश्व के पहले इफको नैनो यूरिया प्लांट के पांचवे सयंत्र का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। श्री अमित शाह ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की उन्नति व खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इफको के नैनो यूरिया प्लांट शिलान्यास के अवसर पर गोड्डा से सांसद श्री निशिकांत दुबे, इफको के चेयरमैन श्री दिलीप संघानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

श्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि आज यहां इफको के नैनो यूरिया प्लांट के उत्पादन संयंत्र की आधारशिला रखी गई है। हमारे देश की भूमि की सरंक्षण के लिए तरल यूरिया बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भूमि संरक्षण को प्रमुख मुद्दा बना भूमि संरक्षण के सभी कार्यों को प्राथमिकता दी, चाहे वह प्राकृतिक खेती हो,ऑर्गेनिक खेती हो या नैनो यूरिया के अनुसंधान से लेकर उत्पादन तक की प्रक्रिया को गति देने की बात हो। श्री शाह ने कहा कि नैनो यूरिया की देवघर इकाई बनने से यहां प्रतिवर्ष लगभग 6 करोड़ तरल यूरिया की बोतलों का निर्माण किया जाएगा जिससे इसके आयात पर हमारी निर्भरता कम होगी और भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 500 ग्राम की यह एक छोटी सी बोतल यूरिया के एक पूरे बैग का विकल्प बनेगी। देश में कई जगहों पर किसान यूरिया के साथ-साथ तरल यूरिया का छिड़काव भी करते हैं जिससे न केवल फसल को बल्कि भूमि को भी नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा तरल यूरिया का छिड़काव करने पर उत्पादन में संभवत~ ही वृद्धि होगी। श्री शाह ने कहा कि धरती मां के सरंक्षण के लिए ही नैनो तरल यूरिया का अनुसंधान किया गया है। केमिकल फर्टिलाइजर भूमि में उपस्थित कुदरती खाद बनाने वाले केंचुओं को मार देता है वहीं तरल यूरिया का छिड़काव करने पर भूमि किसी भी प्रकार से विषाक्त नहीं होगी।

उत्तरप्रदेश खाद्यान्न का सबसे बड़ा उत्पादक : श्री शाह

लखनऊ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में 'एमएसएमई और सहकारिता का सशक्तिकरण' पर आयोजित सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री अमित शाह ने कहा कि कोऑपरेटिव के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश खाद्यान्न का सबसे बड़ा उत्पादक है, एग्रीकल्चर के लिए सबसे ज्यादा भूमि उत्तर प्रदेश के पास है, सबसे मेहनतकश किसान भी उत्तर प्रदेश में हैं और सबसे ज़्यादा मात्रा में पानी भी उत्तर प्रदेश के पास है। इन सभी चीजों से एग्रो बेस्ड इंडस्ट्री, कोऑपरेटिव और डेयरी, विशेषकर कोऑपरेटिव डेयरी की अपार संभावनाएं उत्तर प्रदेश में हैं।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम एमएसएमई और कोऑपरेटिव्स के लिए है। उन्होंने कहा कि साहस और कुव्वत के साथ एमएसएमई ही भारत की सबसे बड़ी कंपनी बनने का पोटेंशियल रखता है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट में आगे बढ़ने की पूर्व शर्त है एमएसएमई के लिए अपनी नीतियों को स्पष्ट किया जाए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज पूरे देश के सभी राज्यों के इंडस्ट्रियलिस्ट्स और दुनिया के भी इंडस्ट्रियलिस्ट्स लखनऊ आए हैं। उन्होंने कहा कि वातावरण में आए इस सुधार से उत्तर प्रदेश को तो निश्चित रूप से फायदा होगा, राज्य के युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी, उत्तर प्रदेश के युवा उद्यमियों के लिए बहुत बड़ा वैश्विक प्लेटफार्म बनेगा। इसके साथ-साथ उत्तर प्रदेश के विकास के माध्यम से भारत के विकास को भी गति मिलेगी और प्रधानमंत्री मोदी का 5 ट्रिलियन इकोनामी के स्वप्न को हम बहुत अच्छे तरीके से पूरा कर पाएंगे।

खाद्य सुरक्षा का प्रमुख आधार है चावल : राष्ट्रपति

कटक। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कटक में दूसरी भारतीय चावल कांग्रेस-2023 का उद्घाटन किया। ओडिशा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र सिंह तोमर तथा ओडिशा के कृषि और किसान अधिकारिता, मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास मंत्री, श्री रणेंद्र प्रताप स्वैन भी इस अवसर पर उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि चावल भारत में खाद्य सुरक्षा का आधार है और हमारी अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रमुख कारक भी है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में भव्य समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत चावल का अग्रणी उपभोक्ता और निर्यातक है, जिसका काफी श्रेय इस संस्थान को जाता है, लेकिन जब देश आजाद हुआ तो स्थिति अलग थी। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी को बचाने की चुनौती भी है, हमें मिट्टी को स्वस्थ रखने के लिए ऐसे उर्वरकों पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारे देश के वैज्ञानिक पर्यावरण के अनुकूल चावल उत्पादन प्रणाली विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं।

केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री तोमर ने कहा कि कुपोषण की समस्या को हल करने के लिए पोषण मूल्य बढ़ाने के लिए चावल की बायोफोर्टिफाइड किस्मों का उत्पादन किया जाना चाहिए और इस दिशा में कदम उठाते हुए संस्थान ने सीआर 310, 311 और 315 किस्मों का विकास किया है। उन्होंने बताया इस संस्थान ने चावल की 160 किस्में विकसित की हैं। ओडिशा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने कहा कि चावल हमारे देश के लोगों का मुख्य भोजन है और यह हमारी संस्कृति एवं परंपरा से गहराई से जुड़ा हुआ है। ओडिशा के कृषि मंत्री श्री स्वैन ने कहा कि ओडिशा न केवल चावल उत्पादन में आत्मनिर्भर है, बल्कि 6 अन्य राज्यों को चावल की आपूर्ति भी करता है। उन्होंने कहा कि ओडिशा जैसे पूर्वी राज्यों में चावल का उत्पादन बढ़ाने की काफी गुंजाइश है।

उद्घाटन समारोह में कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. हिमांशु पाठक और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. पी.के. अग्रवाल, एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स के अध्यक्ष डॉ. ए.के. नायक, संस्थान के निदेशक एवं आयोजन सचिव डॉ. एस. साहा उपस्थित थे। चार दिवसीय कांग्रेस में देश-विदेश के किसान, वैज्ञानिक, केन्द्रीय व राज्य कृषि व अन्य विभागों के अधिकारी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

उद्यमी महिलाओं की कृषि में सहभागिता पर कार्यशाला

जबलपुर। जी-20 में भारत की अध्यक्षता के उपलक्ष्य में वन अर्थ, वन फेमिली, वन फ्युचर थीम के माध्यम से वैश्विक एकता के भाव को प्रोत्साहित करने तथा महिलाओं की भागीदारी को कृषि के क्षेत्र में बढाने के उद्देश्य से एम.पी. फार्मगेट एप तथा एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड एवं एम.पी. फार्म गेट पर महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना है।

श्रीमती जी.व्ही. रश्मि, प्रबंध संचालक, मंडी बोर्ड द्वारा अपने उद्बोधन में मध्य प्रदेश में एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड से सम्बंधित जानकारी दी साथ ही मंडी बोर्ड द्वारा प्रवर्त एम.पी. फार्मगेट एप की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रोफेसर पी.के.मिश्रा द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि योजना का मध्यप्रदेश में व्यापक रूप से प्रसार हुआ है। जिसमे महिला उद्यमियों द्वारा उक्त योजना का व्यापक रूप से लाभ लेते हुए वर्तमान तक लगभग 2753 प्रोजेक्ट महिला उद्यमियों द्वारा स्थापित किये गए है। उक्त योजना के प्रसार में मध्यप्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में प्रथम स्थान पर है। आपके द्वारा योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यशाला में भाग लेते हुए मध्यप्रदेश शासन कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल द्वारा एम.पी.फार्म गेट एप की महती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कृषकों को उक्त एप पर उपज बेचने पर उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है एवं.महिलाऐं इससे जुड़कर बिना मण्डी जाऐ घर से ही बोली लगाकर उपज की खरीद फरोख्त कर सकती हैं। मध्यप्रदेश शासन के कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जी द्वारा ऑनलाइन संदेश में कार्यशाला में शामिल हो रहे समस्त प्रतिभागियों को एआईएफ योजना तथा एमपी फार्म गेट ऐप के व्यापक रूप से उपयोग करने की बात कहते हुए शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने इंदौर में जी-20, कृषि कार्य समूह की पहली बैठक को किया संबोधित

मोटे अनाज के उत्पादन को अभियान बनाएँ : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में अतिथि देवो भवः की भावना के साथ जी-20 के सम्मेलन में पधारे अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जी-20 सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'एक धरती-एक परिवार-एक भविष्य' भारतीय विचार परम्परा में सदियों से विद्यमान है। लगातार बढ़ती जनसंख्या के कारण खाद्य सुरक्षा आज विश्व के सामने महत्वपूर्ण विचारणीय विषय है। विश्व का मात्र 12 प्रतिशत भू-भाग कृषि के योग्य है। वर्ष 2030 तक खाद्यान्न की माँग 345 बिलियन टन हो जाएगी, जबकि वर्ष 2000 में यह माँग 192 बिलियन टन थी। यह प्रत्यक्ष है कि न तो कृषि भूमि में वृद्धि होने वाली है और न ही हमारे प्राकृतिक संसाधन बढ़ने वाले हैं। यह गंभीर चिंतन का विषय है कि कृषि योग्य भूमि का हम समुचित उपयोग भी करें और कृषि भूमि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए हम उपयुक्त प्रयास भी करें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को उनके उत्पादन के उचित मूल्य दिलवाना भी आवश्यक है। भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य की अवधारणा लागू है। साथ ही प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसान की सहायता के लिए भी राज्य और केंद्र सरकार सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मध्य प्रदेश में आरबीसी 6/4 में किसानों को सहायता दी जाती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर कृषि उत्पादों पर केन्द्रित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी के विभिन्न स्टाल पर जाकर कृषि उत्पादों का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में बाजरा और इसके मूल्य वर्धित खाद्य उत्पादों के साथ पशुपालन और मत्स्य-पालन के स्टाल प्रमुख आकर्षण का केन्द्र रहे। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, राज्यसभा सदस्य सुश्री कविता पाटीदार, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, जी-20 के सदस्य देशों, अथिति देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिनिधि सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कृषि कार्य समूह की बैठक में आए अतिथियों ने इंदौर में हेरिटेज वॉक की

74वें गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री हर्ष दीक्षित (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री ओ.पी.गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)

श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.आर. सरोठिया (मुख्य कार्यपालन अधिकारी)

सौजन्य से

श्री पवन गुप्ता (शा.प्र. बोड़ा) श्री मेहताबसिंह राजपूत (शा.प्र. तलेन) श्री एस.एस.एस. चंद्रावत (शा.प्र. कुरावर)
श्री रमेश कोट (पर्य. बोड़ा) श्री रामबाबू व्यास (पर्य. तलेन) श्री बृजमोहन माहेश्वरी (पर्य. कुरावर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोड़ा, जि.राजगढ़ श्री प्रेमसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पाडल्या आंजना, जि.राजगढ़** श्री जितेन्द्र भारद्वाज (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैंसाना, जि.राजगढ़ श्री प्रहलादसिंह यादव (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टिकोद, जि.राजगढ़** श्री कमलसिंह यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंडावर, जि.राजगढ़ श्री जगदीशसिंह चंद्रवंशी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. माना, जि.राजगढ़** श्री कैलाश विश्वकर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबला, जि.राजगढ़ श्री विक्रमसिंह चावड़ा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिजोरी, जि.राजगढ़** श्री लक्ष्मीनारायण मीणा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिनोत्या, जि.राजगढ़ श्री कमलेन्द्रसिंह मकवाना (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुरावर, जि.राजगढ़** श्री रमेश कुमार नागर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उमरी, जि.राजगढ़ श्री बाबूलाल यादव (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गीलाखेड़ी, जि.राजगढ़** श्री लाडसिंह सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सूकली, जि.राजगढ़ श्री रामचरण यादव (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जा.गो. चौहान, जि.राजगढ़** श्री माँगीलाल वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तुर्कीपुरा, जि.राजगढ़ श्री नरेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लश्करपुर, जि.राजगढ़** श्री नरेश जायसवाल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नाहली, जि.राजगढ़ श्री हरिसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नि. चेतन, जि.राजगढ़** श्री भँवरसिंह उमठ (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. इकलेरा, जि.राजगढ़ श्री इन्दरसिंह जौधाना (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोटरीकला, जि.राजगढ़** श्री ब्रजमोहन माहेश्वरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाबड़ीखेड़ा, जि.राजगढ़ श्री बिहारीलाल केशव ाल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झाडला, जि.राजगढ़** श्री राजमल मीणा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तलेन, जि.राजगढ़ श्री भूपेन्द्रसिंह उमठ (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जा. गणेश, जि.राजगढ़** श्री ब्रजमोहन माहेश्वरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. परसूखेड़ी, जि.राजगढ़ श्री हलकेलाल सेन (प्रबंधक)	**समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से**

इंदौर पूरे मध्य भारत के लिए मेडिकल हब : श्री चौहान

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हमारी सरकार की प्राथमिकता लोक कल्याण है। वर्तमान में प्रदेश में विकास यात्रा का महायज्ञ चल रहा है, जिसमें विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जा रहा है। इसके साथ ही जनता की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। दिव्यांग, अनाथ बच्चों, मरीजों, बुजुर्गों, दरिद्र नारायण की सेवा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर में इंदौर आई हॉस्पिटल एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कुल 501.429 करोड रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण/ भूमि पूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज इंदौर एक ब्रांड बन गया है। हाल ही में इंदौर के 244 करोड़ रुपए के ग्रीन बांड जारी किए गए थे, पहले ही दिन इसके विरूद्ध 661 करोड रुपए आ गए। यह जनता के विश्वास का प्रतीक है।

कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व लोकसभा स्पीकर श्रीमती सुमित्रा महाजन और सांसद श्री शंकर लालवानी ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार, नगर निगम महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, आईडीए के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता और श्री गौरव रणदिवे, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, कलेक्टर डॉ. ईलयाराजा टी, एमजीएम कॉलेज के डीन एवं सीईओ डॉ. संजय दीक्षित उपस्थित रहे।

हरियाली के रास्ते कैलेंडर और डायरी-2023 का विमोचन

जलसंसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव और इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा 'हरियाली के रास्ते' कैलेंडर-2023 का विमोचन करते हुए।

'हरियाली के रास्ते' डायरी-2023 का विमोचन करते जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी और पुलिस अधीक्षक इंदौर श्री ....। समीप हैं 'हरियाली के रास्ते' के संपादक श्री बृजेश त्रिपाठी।

49 ग्राम पंचायतों के उप सरपंचों का निर्वाचन कार्यक्रम जारी

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 49 ग्राम पंचायतों के रिक्त उप सरपंच पदों के निर्वाचन के लिये सम्मिलन आयोजित करने कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि जनपद पंचायत राहतगढ़ की ग्राम पंचायत सेमराचरखरा, गढ़ोलीकला, उमरियासेमरा, पड़ारसोई, जनपद पंचायत जैसीनगर की ग्राम पंचायत सरखड़ी, परगासपुरा, विशनपुरा, अमोदा, गेहूरासबुजुर्ग, साजी, बरखुआमहंत, सेठिया, केवलारी, जनपद पंचायत बीना की ग्राम पंचायत सेमरखेड़ी, पार, गढ़ा, गुलौवा, बरौदियाघाट, जनपद पंचायत खुरई की ग्राम पंचायत मुहासा, तेवरा, सिलौधा, मंझेरा, जनपद पंचायत मालथौन की ग्राम पंचायत पथरियाचिन्ताई, जनपद पंचायत रहली की ग्राम पंचायत चौका, बौरई, रतनारी, बेलई, रेंगुवां, निवारी, जूना, विजयपुरा, धौनाई, इमलिया, कड़ता, समनापुरकला, रानगिर, पिपरियानरसिंह, जनपद पंचायत देवरी की ग्राम पंचायत चिरचिटा सुखजू, पनारी, जनपद पंचायत केसली की ग्राम पंचायत नारायणपुर, जनपद पंचायत बण्डा की ग्राम पंचायत ढाड़, पड़वार, भूसाकमलपुर, खोजमपुर, खुवारी, रीछईसागर और जनपद पंचायत शाहगढ़ की ग्राम पंचायत महूना, भीकमपुर और पुराशाहगढ़ में उप सरपंच का निर्वाचन होगा।

जनता की जिन्दगी बदलने का अभियान है विकास यात्रा

भिंड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में संत रविदास जयंती से शुरू हुई विकास यात्रा जनता की जिन्दगी को बदलने का अभियान है। हमारा संकल्प गरीबों का कल्याण है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में गाँव-गाँव और वार्डों में मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान चला कर ऐसे परिवारों को चिन्हित किया गया, जो शासकीय योजना का लाभ लेने से वंचित थे। अभियान में 83 लाख पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें स्वीकृति-पत्र वितरण का कार्य किया जा रहा है। चंबल संभाग के 3 लाख 77 हजार नये हितग्राहियों को 38 विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति-पत्र वितरित किये गये हैं। इन सभी हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जायेगा। विकास यात्रा के दौरान भी शेष रहे पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ने की अहम कार्यवाही की जाएगी।

जिले के प्रभारी और राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार लोगों की भलाई और उनके कल्याण के लिए नई-नई योजनाओं को साकार करते हैं। जन-सेवा अभियान भी उन्हीं की देन है। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने कहा कि जन-सेवा अभियान के स्वीकृति पत्रों का वितरण सभी 230 विधानसभाओं में किया गया। नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया ने कहा कि विकास यात्रा मध्यप्रदेश की तस्वीर और लोगों की तकदीर बदलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश को बीमारू राज्य से उबारा है। क्षेत्रीय सांसद श्रीमती संध्या राय और विधायक श्री संजीव सिंह कुशवाह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में चंबल संभाग के जिलों के हितग्राही एवं नागरिक उपस्थित थे।

ऐतिहासिक इमारतों का वैभव लौटा रही सरकार : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार केवल अधो-संरचना निर्माण का कार्य ही नहीं, बल्कि लोगों की ज़िंदगी को बेहतरी बनाने का कार्य भी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजवाड़ा और गोपाल मंदिर में हुए काम से इन ऐतिहासिक इमारतों का गौरव वापस आया है। विदेशी मेहमान भी इसे देख कर भारतीय विरासत को दाद दे रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान इंदौर में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत राजवाड़ा एवं गोपाल मंदिर परिसर में स्मार्ट सिटी इंदौर के 46 करोड़ रूपये के तीन कार्यों का लोकार्पण एवं 113 करोड़ रूपये के तीन कार्यों का भूमि-पूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी एवं सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ग का कल्याण ही हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के बाद अब लाड़ली बहना योजना प्रदेश में शुरू की जा रही है। योजना में निम्न और माध्यम वर्ग की महिलाओं को हर माह 1000 रुपये दिये जाएँगे। योजना में पात्र महिलाओं का चयन विकास यात्रा की समाप्ति के बाद शुरू किया जायेगा। विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय ने विधानसभा क्षेत्र में किए विकास कार्यों की जानकारी दी। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को मध्यप्रदेश का वैभव लौटाने वाला निरूपित किया। प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने माँ अहिल्या की प्रतिमा पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उन्होंने गोपाल मंदिर में दर्शन के बाद राजवाड़ा में हुए विकास कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कन्या-पूजन भी किया। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी और सुश्री कविता पाटीदार, विधायक, आईडीए अध्यक्ष श्री जयपाल चावड़ा सहित जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

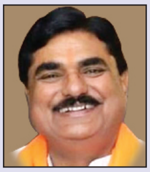

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

सुश्री सिराली जैन (भारसाधक अधिकारी) | **श्री हरेन्द्र सिंह सिकरवार** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति भीकनगाँव, जि.खरगोन

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री हरदीपसिंह डंग (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री वीरसिंह चौहान (भारसाधक अधिकारी) | **श्री अनिल कुमार उजले** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति अंजड़, जि.बड़वानी

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री संतोष टैगोर (भारसाधक अधिकारी) | **श्री उमेश बसेड़िया** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति उज्जैन, जि. उज्जैन

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री आकाश सिंह (भारसाधक अधिकारी) | **मो. सलीम खान** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बड़नगर, जि.उज्जैन

विकास के लिये हर नागरिक अपनाए नेक कार्य : मुख्यमंत्री

जबलपुर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिहं चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने और विकास के लिये हर नागरिक अपना योगदान दे। मध्यप्रदेश के नागरिक कोई एक नेक कार्य अपनाएँ। इनमें पौधे लगाना, पर्यावरण-संरक्षण पानी बचाना, बिजली की बचत, नशामुक्ति शामिल हों। मुख्यमंत्री श्री चौहान जबलपुर में गैरीसन ग्राउंड में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद जनता को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को लाभान्वित करने के लिये दो वर्ष में फसल बीमा योजना की 17 करोड़ की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई। पेसा कानून से जनजाति भाई-बहनों के लिये जल, जमीन और जंगल के अधिकार सुनिश्चित किये गये हैं। अनुसूचित जाति के कल्याण के अनेक कार्य आगामी संत रविदास जयंती से प्रारंभ किये जा रहे हैं। इसी दिन से हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलवाने की शुरूआत भी की जा रही है। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में चिन्हित हितग्राही विभिन्न योजनाओं का फायदा प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रारंभ में जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। स्वतंत्रता सेनानियों और लोकतंत्र सेनानियों से भेंट की और उन्हें सम्मानित किया। अनेक विभागों द्वारा योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित झांकियाँ निकाली गईं। अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं, जिनमें महाकौशल अंचल में रहने वाली बैगा जनजाति द्वारा किये जाने वाले प्रभावशाली लोक नृत्य, लोक संगीत की धुनों के साथ प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

हरदा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

हरदा। हरदा जिले में गणतंत्र दिवस, समारोहपूर्वक और हर्षाल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम हरदा में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री कमल पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर ध्वजारोहण किया। उन्होंने कलेक्टर श्री ऋषि गर्ग व पुलिस अधीक्षक श्री मनीष अग्रवाल के साथ परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के संदेश का वाचन किया। उन्होंने इस दौरान रंग बिरंगे गुब्बारे छोड़े। कार्यक्रम के अंत में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। नेहरू स्टेडियम में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती कमेड़िया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह व उपाध्यक्ष श्री दर्शनसिंह गहलोद, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री अमरसिंह मीणा, पुलिस अधीक्षक श्री मनीष अग्रवाल, वन मण्डलाधिकारी श्री अंकित पाण्डे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया, एडीएम श्री प्रवीण फुलपगारे, पार्षदगण सहित विभिन्न अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे। जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों ने शासकीय योजनाओं को प्रदर्शित करने वाली आकर्षक झांकियाँ प्रस्तुत की। कार्यक्रम में जिला पंचायत द्वारा तैयार ग्राम चौपाल पर केन्द्रित झांकी को प्रथम पुरस्कार दिया गया। जबकि कृषि विभाग की वसुमता क्लस्टर कैम्प विषय पर आधारित झांकी को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

सहकारिता मंत्री ने भिंड में किया ध्वजारोहण

भिण्ड। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने गणतंत्र दिवस-पर पुलिस परेड ग्राउण्ड भिण्ड पर ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। जिला कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान के साथ परेड की टुकडियों का निरीक्षण किया।

डॉ भदौरिया ने लोकतंत्र सेनानियों एवं शहीदो के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल देकर समानित किया। इसके साथ ही जिले के लोकतंत्र सेनानियों का प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनके निवास पहुंचकर समानित किया गया। समारोह में जिला पंचायत, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, आदिम जाति कल्याण विभाग, मत्स्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, किसान कल्याण, उद्यानिकी विभाग, नगर पालिका भिण्ड, महिला एवं बाल विकास, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, पशुपालन एवं डेयरी, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं यातायात पुलिस द्वारा मनोहारी एवं आकर्षक झांकियां निकाली गई। यातायात पुलिस भिण्ड को प्रथम, कृषि विभाग को द्वितीय एवं शिक्षा एवं सर्व शिक्षा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस मौके पर जिला प्र शासन भिंड द्वारा प्रकाशिथ 'विकास, जनकल्याण और सुराज के पथ पर आगे बढ़ते हम' पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर सांसद संध्या राय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना भदौरिया, क्षेत्रीय विधायक संजीव सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष सरोज बघेल,जिला पंचायत सीईओ जेके जैन, अपर कलेटर जेपी सैयाम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे, सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी, पत्रकार, नगरीय निकाय एवं पंचायतो के पदाधिकारी, अधिकारी/कर्मचारी, स्कूली बच्चे आदि उपस्थित थे।

श्री सिलावट ने इंदौर में ली परेड की सलामी

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होंने परेड की सलामी भी ली। इंदौर जिले में अपार उत्साह और उमंग के साथ देशभक्ति के जोश और जुनून के वातावरण में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा नयनाभिराम झांकियां भी निकाली गयी। समारोह में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के गणतंत्र दिवस संदेश का वाचन किया गया। स्कूली बच्चों ने रंगा-रंग सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसी तरह झांकियों में प्रथम पुरस्कार आदिम जाति कल्याण विभाग को, द्वितीय पुरस्कार जेल विभाग को तथा तृतीय पुरस्कार नगर निगम को दिया गया। मुख्य समारोह में वर्षभर विभागीय कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियो, स्वयंसेवी संगठनों आदि को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया।

समारोह में विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, श्री गौरव रणदिवे, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, आईजी श्री राकेश गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मनीष कपूरिया और श्री राजेश हिंगणकर सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि आदि मौजूद थे।

श्री सिलावट पोलोग्राउंड स्थित शासकीय अहिल्या आश्रम शासकीय विद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने स्कूली बच्चों को अपने हाथों से मध्यान्ह भोजन परोसा। बच्चों को लड्डू खिलाए और उनके साथ बैठकर भोजन भी किया। मंत्री श्री सिलावट ने बच्चों को स्कूली बैग, कापियां, कम्पास, टिफिन, पेन, पेंसिल, गर्म टोपी आदि भी वितरित की।

हाईकोर्ट परिसर में हुआ ध्वजारोहण

इंदौर। उच्च न्यायालय की इंदौर खण्डपीठ में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री एस.ए. धर्माधिकारी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर खण्डपीठ के न्यायमूर्तिगण, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अभिभाषकगण तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

उज्जैन में गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर एमपी फार्म गेट योजना का सफल क्रियान्वयन हेतु उच्च शिक्षामंत्री श्री मोहन यादव एवं जिला प्रशासन ने मंडी समिति को डिस्ट्रिक्ट एक्सीलेंसी से सम्मानित किया। पुरस्कार ग्रहण करते हुए मंडी सचिव श्री उमेश बसेड़िया शर्मा।

कृषि उपज मंडी समिति खरगोन में गणतंत्र दिवस पर झंडावंदन करते मंडी सचिव श्री के.डी. अग्निहोत्री एवं मंडी समिति के कर्मचारी व नागरिक।

कृषि उपज मंडी समिति धार में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर झंडावंदन के अवसर पर मंडी सचिव रस्सु वसुनिया एवं मंडी कर्मचारीगण।

इंदौर कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर श्री इलैया राजा टी. ने ध्वजारोहण किया।

इंदौर कमिश्नर कार्यालय में संभागायुक्त श्री पवन कुमार ने ध्वजारोहण किया।

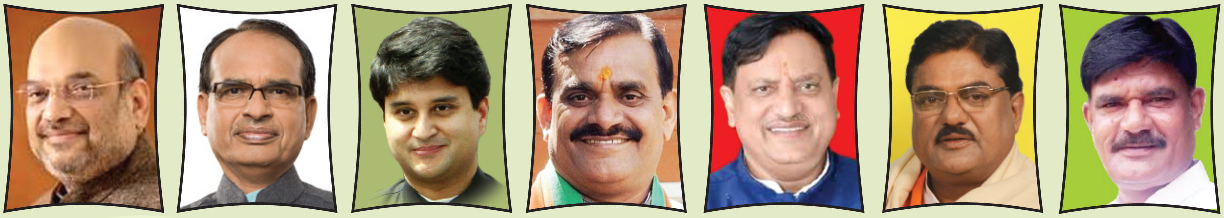

गणतंत्र दिवस की 73 वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री सुनील सिंह (उपायुक्त सहकारिता) | श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री सुरेश जायसवाल (शा.प्र. जावरा)
श्री कमलसिंह चंद्रावत (पर्य. जावरा)
श्री दीपेन्द्र दवे (शा.प्र. रिंगनोद)
श्री राधेश्याम सोनी (पर्य. रिंगनोद)
श्री दिलीपसिंह चौहान (शा.प्र. कालुखेड़ा)
श्री मदनलाल मारू (पर्य. कालुखेड़ा)
श्री (शा.प्र. सुखेड़ा)
श्री मोहन चौधरी (पर्य. सुखेड़ा)
श्री भूपेन्द्र कुमार वर्मा (शा.प्र. बाजना)
श्री गौतमलाल खराड़ी (पर्य. बाजना)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जावरा, जि.रतलाम श्री कमलसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. माण्डवी, जि.रतलाम** श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झालवा, जि.रतलाम श्री कमलसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोदीशंकर, जि.रतलाम** श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भीमाखेड़ी, जि.रतलाम श्री कमलसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कालूखेड़ा, जि.रतलाम** श्री मदनलाल मारू (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उपलई, जि.रतलाम श्री कमलसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रियावन, जि.रतलाम** श्री मदनलाल मारू (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हसनपालिया, जि.रतलाम श्री राकेश उपाध्याय (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मावता, जि.रतलाम** श्री मदनलाल मारू (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सरसी, जि.रतलाम श्री राकेश उपाध्याय (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मामटखेड़ा, जि.रतलाम** श्री मदनलाल मारू (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भूतेड़ा, जि.रतलाम श्री राकेश उपाध्याय (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुखेड़ा, जि.रतलाम** श्री मोहन चौधरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हाटपीपल्या, जि.रतलाम श्री बहादुरसिंह भांभर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रानीगाँव, जि.रतलाम** श्री मोहन चौधरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बहादुरपुर, जि.रतलाम श्री बहादुरसिंह भांभर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मऊखेड़ी, जि.रतलाम** श्री मोहन चौधरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिनोली, जि.रतलाम श्री कारूलाल सावरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाजना, जि.रतलाम** श्री गौतमलाल खराड़ी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. असावती, जि.रतलाम श्री कारूलाल सावरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छावनी झोर्डिया, जि.रतलाम** श्री गौतमलाल खराड़ी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रोला, जि.रतलाम श्री कारूलाल सावरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवली, जि.रतलाम** श्री गौतमलाल खराड़ी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिंगनोद, जि.रतलाम श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. , जि.रतलाम** श्री (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मुख्यमंत्री ने विधायक श्री हार्डिया की दिवंगत माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर प्रवास के दौरान विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया के निवास पहुँचे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विधायक श्री हार्डिया की दिवंगत माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान इंदौर के जन प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

झाबुआ जिले के समिति प्रबंधकों को ऋण वसूली के निर्देश

झाबुआ। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाबुआ में बैंक के पर्यवेक्षकों एवं समिति प्रबंधकों की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.एस. वसुनिया द्वारा कृषि एवं अकृषि ऋणों की वसूली लक्ष्य अनुसार किये जाने के निर्देश सभी समिति प्रबंधकों और पर्यवेक्षकों को दिये गये। बैठक में श्री वसुनिया ने शत-प्रतिशत सूचना पत्र वितरण किये जाने, क्रिस योजना मे प्रकरण प्रस्तुत किये जाने, रबी ऋण वितरण की लक्ष्यपूर्ति किये जाने, भू अभिलेख पोर्टल

पर नियमित प्रविष्टि किये जाने, कॉमन सर्विस सेन्टर अन्तर्गत प्रतिमाह 50 ट्रांजेक्शन किये जाने, संस्था निरीक्षण समयावधि मे किये जाने, आडिट तामिली प्रतिवेदन प्रस्तुत करने, पैक्स कम्प्युटराईजैशन की कार्यवाही एक सप्ताह मे पूर्ण करने, कालातीत बकायादारो पर धारा 84 एवं 85 अन्तर्गत वैद्यानिक कार्यवाही पूर्ण करने एवं लोक अदालत मे प्रकरणो का निपटारा कराये जाने, पशुपालन मत्स्यपालन प्रकरणों के त्वरित निराकरण सहित किसानो को रासायनिक खाद, बीज की पर्याप्त आपूर्ति किये जाने एवं आवश्यक समायोजन के निर्देश दिये गये। बैठक में बैंक के क्षेत्रीय अधिकारी, प्रधान कार्यालय स्टॉफ एवं जिला झाबुआ के पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक उपस्थित रहे।

आईपीसी बैंक एम्प्लाइज़ एंड ऑफिसर्स एसो. के चुनाव में गणेश पैनल विजयी

इंदौर। इंदौर प्रीमियर को ऑपरेटिव बैंक एम्पलाइज एंड ऑफिसर्स एसोसिएशन के त्रिवार्षिक चुनाव होटल पपाया ट्री राऊ पीआर मे संपन्न हुए। श्री गणेश पैनल के 11 उम्मीदवार विजयी हुए। कुल वोटर 278 थे जिसमे से 225 मतदाता ने अपना मतदान किया जिसमे से 9 मतपत्र को केन्सल किया गया और 216 वैध पाये गये जिसमें से 127 मत श्री गणेश पैनल को प्राप्त हुए और 89 मत जय हिन्द पैनल को प्राप्त हुए। इस प्रकार 38 वोट से श्री गणेश पैनल को विजयी घोषित किया गया।

सुनील सतवासकर

शंकर गुप्ता

श्री गणेश पैनल में अध्यक्ष श्री सुनील सतवासकर, उपाध्यक्ष श्री सुरेश राठौर एवं श्री ओंकार सिंह भांवर, महासचिव श्री शंकर गुप्ता, सचिव श्री वीरेन्द्र पथरिया एवं श्री पंकज शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री योगेन्द्र महावार पदाधिकारी हैं। प्रबंधकारिणी सदस्यों में श्रीमती सुमन गुप्ता, श्री बाबूलाल मौर्य, श्री ओमप्रकाश चौहान एवं श्री मांगीलाल भगत हैं। श्री गणेश पैनल के सभी उम्मीदवारों की ओर से सुनील सतवासकर और शंकर गुप्ता महासचिव ने आभार माना।

श्री अंबाराम मकवाना का देवलोकगमन

अंबाराम मकवाना

रतलाम। संयुक्त आयुक्त सहकारिता उज्जैन-इंदौर संभाग श्री बी.एल. मकवाना, रतलाम ग्रामीण विधायक श्री दिलीप मकवाना एवं सुरेश मकवाना के पिता श्री अंबाराम मकवाना का विगत दिनों स्वर्गवास हो गया। 82 वर्षीय स्व. मकवाना काफी समय से अस्वस्थ थे। उनके गृह ग्राम सरवड़ गाँव में उनका अंतिम संस्कार किया गया। 'हरियाली के रास्ते' परिवार दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उन्हें अपने चरणों में स्थान दे।

कृषि मंत्री ने विकास यात्रा के दौरान इंदौर को दी सौगात

इंदौर। कृषि मंत्री श्री कमल पटेल विकास यात्रा के दौरान इंदौर को सौगात दी। उन्होंने अपने इंदौर भ्रमण के दौरान खंडवा रोड़ पर किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के परियोजना संचालक आत्मा कार्यालय का लोकार्पण किया। यह कार्यालय अभी कलेक्टर कार्यालय में संचालित हो रहा है। सर्व सुविधायुक्त नव लोकार्पित भवन में यह कार्यालय शीघ्र स्थानांतरित होगा। परियोजना संचालक आत्मा श्रीमती शर्ली थामस ने बताया कि यह भवन 73 लाख रूपए की लागत से बनाया गया है। भवन बन जाने से किसानों को बेहद सुविधा होगी और कार्य करने में आसानी होगी।

महू के कमदपुर में हुआ विकास यात्रा का रात्रि विश्राम

इंदौर। महू विधानसभा में विकास यात्रा में क्षेत्रीय विधायक एवं संस्कृति मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर यात्रा के दौरान सतत् प्रवास पर हैं। यात्रा के दौरान ग्रामीणों में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। क्षेत्रीय विधायक और पर्यटन मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर यात्रा के दौरान विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन करने के साथ ही लोकार्पण भी कर रहीं है। इस दौरान सुश्री ठाकुर ने ग्रामीणों व विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से सीधा संवाद भी किया। विकास यात्रा के दौरान पैदल चलने के साथ ही सुश्री ठाकुर ने अनेक स्थानों पर जमीन पर चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएँ व परेशानी भी सुनीं। मंत्री सुश्री ठाकुर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विकास यात्रा के दौरान यह भी सुनिश्चित करें कि गांव का कोई भी पात्र परिवार बिना लाभ के न रह जाए। रात्रि ग्राम वासियों के साथ मंत्री सुश्री ठाकुर ने भजन भी गाए। कमदपुर में गत रात्रि चौपाल पर ग्रामीणों से रुबरू हुई मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर ने समस्या सुनने के बाद कहा कि आप लोगों का सहयोग और आशीर्वाद मिलता रहा है। लोगों की हर समस्याओं पर खरा उतरने का प्रयास करूंगी।

मिलेट्स के उत्पादन एवं प्र-संस्करण से महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट्स) वर्ष में जी-20 समूह देशों के सम्मेलन की अध्यक्षता भारत द्वारा की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में मिलेट्स के उत्पादन एवं प्र-संस्करण से महिला सशक्तिकरण पर दो दिवसीय कार्यशाला का केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल में शुभारंभ हुआ। केन्द्रीय कृषि महिला संस्थान भुवनेश्वर कार्यशाला के आयोजन में सहभागी हैं। कार्यशाला के पहले दिन महिलाओं की सशक्त सहभागिता पर चर्चा हुई। विभिन्न मिलेट्स उत्पादन एवं प्र-संस्करण यंत्रों के साथ महिला कृषकों द्वारा विकसित और विपणन किये जा रहे उत्पादों की प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र रही। शुभारंभ-सत्र में केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान के निदेशक डॉ. सी.आर. मेहता ने बताया कि विकसित संस्करण यंत्रों एवं संस्थान के मूल्य संवर्धित उत्पादों में महिला कृषकों की मिलेट्स प्र-संस्करण में अधिक से अधिक सहभागिता बढ़ेगी। मुख्य अतिथि संचालक कृषि अभियांत्रिकी मध्यप्रदेश श्री ई. राजीव चौधरी ने शासन द्वारा कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी में मिलेट्स प्र-संस्करण के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं एवं उनसे प्राप्त लाभों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शारीरिक क्षमता संवर्धन एवं रोग मुक्ति के लिये मिलेट्स जरूरी है। केन्द्रीय कृषि महिला संस्थान भुवनेश्वर की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने बताया कि मिलेट्स प्रौद्योगिकी पर शोध एवं इसके निरंतर प्रसार से महिला कृषकों की आय में सतत वृद्धि के साथ स्वास्थ्य लाभ भी होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की धान उपार्जन की समीक्षा

धान का लंबित भुगतान तत्काल किया जाए : श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि धान उपार्जन के लिए निर्धारित अवधि में जो किसान धान नहीं दे पाए हैं, उन शेष रहे किसानों से धान खरीदी जाए। धान उपार्जन में जिन कृषकों का भुगतान लंबित है, उनका त्वरित भुगतान सुनिश्चित करें तथा धान खरीदी में अनियमितता करने वाली सेवा सहकारी समितियों और स्व-सहायता समूहों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के उपार्जन की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह, आयुक्त सहकारिता श्री आलोक सिंह संचालक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री दीपक सक्सेना तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

6 लाख 46 हजार 279 कृषकों से 9 हजार 427 करोड़ 60 लाख रूपए की धान की खरीदी

जानकारी दी गई कि 6 लाख 46 हजार 279 कृषकों से 9 हजार 427 करोड़ 60 लाख रूपए की धान खरीदी गई, जिसमें से 10 हजार 319 कृषकों को 214 करोड़ 20 लाख रूपए का भुगतान प्रक्रिया में है। प्रदेश में 1542 उपार्जन केन्द्र हैं, जिनमें से 1183 सहकारी समितियाँ, 328 स्व-सहायता समूह और 31 एफ.पी.ओ/एफ.पी.सी. हैं। धान उपार्जन में अनियमितता के लिए 11 संस्थाओं पर एफ.आई.आर दर्ज की गई है। किसानों के आधार लिंक बैंक खाते में सत्यापन के बाद धान उपार्जन का भुगतान किया जा रहा है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय का पंजीयन 28 फरवरी तक

भोपाल। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती मीना मालाकार ने बताया कि जिले में रबी विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय का पंजीयन 28 फरवरी तक किया जाएगा। श्रीमती मालाकार ने बताया कि गेहूं विक्रय करने के लिए किसानों का पंजीयन स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, ग्राम पंचायतों के सुविधा केन्द्र, सहकारी समिति, महिला स्व-सहायता समूह, एफपीओ, एफपीसी केन्द्रों पर निःशुल्क पंजीयन किया जा रहा है। इसके अलावा एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केन्द्रों पर निजी व्यक्तियों द्वारा सायबर कैफे पर 50 रूपए शुल्क जमा कराकर प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक पंजीयन करवा सकते है। श्रीमती मालाकार ने बताया कि सीकमी, बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसानों के पंजीयन सहकारी समिति, महिला स्व-सहायता समूह, एफपीओ, एफपीसी केन्द्रों पर किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसानों का पंजीयन केवल उसी स्थिति में हो सकेगा जब भू-अभिलेख में दर्ज खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा। दस्तावेजों में विसंगति होने पर पंजीयन का सत्यापन तहसील कार्यालय से कराया जाएगा। श्रीमती मालाकार ने बताया कि गेहूं पंजीयन के लिए आधार नम्बर का वेरिफिकेशन लिंक मोबाइल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी से या बायोमैट्रिक डिवाइस से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान के परिवार में जिन सदस्यों के नाम भूमि होगी वे सभी अपना पृथक-पृथक पंजीयन कराएं।

चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन का पंजीयन ई-उपार्जन पोर्टल पर

भोपाल। अपर मुख्य सचिव किसान-कल्याण तथा कृषि विकास श्री अशोक वर्णवाल ने बताया है कि रबी वर्ष 2022-23 (विपणन वर्ष 2023-24) में चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन के लिये पंजीयन की कार्यवाही ई-उपार्जन पोर्टल पर की जा रही है, जो 25 फरवरी 2023 तक चलेगी। केन्द्र सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम में रबी फसलों के उपार्जन के लिये आवश्यक निर्देश जारी कर दिये गये हैं। समर्थन मूल्य पर मसूर का उपार्जन 37 जिलों राजगढ़, सतना, डिण्डोरी, विदिशा, सागर, रीवा, नरसिंहपुर, दतिया, रायसेन, पन्ना, दमोह, मण्डला, जबलपुर, शाजापुर, अनूपपुर, सिवनी, अशोकनगर, कटनी, मंदसौर, आगर, सीधी, सिंगरौली, सीहोर, छतरपुर, उमरिया, शिवपुरी, शहडोल, होशंगाबाद, भिण्ड, उज्जैन, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, रतलाम, बैतूल, नीमच, हरदा और धार में किया जायेगा। समर्थन मूल्य पर सरसों का उपार्जन प्रदेश के 39 जिलों भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी, मंदसौर, श्योपुरकलां, ग्वालियर, बालाघाट, टीकमगढ़, छतरपुर, नीमच, डिण्डोरी, मण्डला, दतिया, रीवा, सिंगरौली, आगर, गुना, पन्ना, रतलाम, सतना, अशोकनगर, शहडोल, विदिशा, राजगढ़, सिवनी, अनूपपुर, सीधी, जबलपुर, शाजापुर, कटनी, उज्जैन, उमरिया, रायसेन, सागर, होशंगाबाद, दमोह, छिंदवाड़ा, बैतूल और हरदा में होगा।

अशोक वर्णवाल

विकास यात्रा से हर घर-परिवार तक पहुँचने का प्रयास

भिंड। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने कहा है कि विकास यात्रा से सरकार हर घर-हर परिवार तक पहुँचने का प्रयास कर रही है। किसी कारण से कोई व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित है, तो उसे चिन्हित कर योजनाओं का लाभ दिलाना विकास यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। मंत्री डॉ. भदौरिया ने भिण्ड जिले के अटेर विकासखण्ड के ग्राम पावई, बिरगवाँ, पाली और पिथनपुरा में ग्राम विकास यात्रा में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया, योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र प्रदान किये और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया।

मंत्री डॉ. भदौरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा है कि जिले का हर गाँव आत्म-निर्भर हो। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि गाँव का एक भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश आज बीमारू राज्य नहीं, बल्कि विकसित राज्य की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है, विकास की इस यात्रा का श्रेय निःसंदेह मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को जाता है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मुख्यमंत्री ने गरीबी एवं कुपोषण उन्मूलन, गरीब बेटियों के विवाह और जिनका कोई नहीं है उनके लिये संबल जैसी अभूतपूर्व योजनाओं को सफलता से लागू कर जरूरतमंदों को लाभान्वित किया है।

मंत्री डॉ. भदौरिया ने ग्राम पावई में विकास यात्रा रथ को हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया। उन्होंने जल कलश-यात्रा का पूजन किया। मंत्री डॉ. भदौरिया ने ग्राम पावई में 27 लाख 77 हजार, ग्राम विरगवां में 33 लाख 18 हजार, ग्राम पाली में 24 लाख 15 हजार और ग्राम पिथनपुरा में 17 लाख 41 हजार रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

प्रत्येक नागरिक को योजनाओं का लाभ दिलाएंगे

हरदा। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि सरकार की योजनाओं की जानकारी देने और आमजन की समस्याओं का निराकरण करने के लिए हरदा जिले के नगरीय निकायों में वार्ड चौपाल की जा रही है। मंत्री श्री पटेल ने हरदा शहर के वार्ड क्रमांक 1, 8 और 16 में आयोजित चौपाल में नागरिकों की समस्याएँ सुनी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक को पात्रता के अनुसार सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कृत-संकल्पित है। उन्होंने वार्ड चौपाल आयोजन के लिए कलेक्टर श्री ऋषि गर्ग और जिला प्रशासन की टीम की सराहना की और टीम को बधाई दी। कृषि मंत्री श्री पटेल ने विद्युत वितरण कंपनी के उप महाप्रबंधक श्री आर.के. अग्रवाल को बिजली बिल सुधार संबंधी आवेदन के निराकरण के लिये रविवार से ही प्रत्येक वार्ड में विद्युत बिलों के सुधार के लिए शिविर लगाने और नागरिकों को वास्तविक खपत आधारित बिजली के बिल देने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री गर्ग ने बताया कि वार्ड चौपाल में तीन वार्ड के कुल 92 नागरिकों से आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 65 का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। चौपाल में संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बालिका समृद्धि योजना, सामाजिक न्याय, बिजली, नगरीय निकाय, आयुष्मान कार्ड, पात्रता पर्ची संबंधी आवेदनों का निराकरण किया गया।

गेहूं खरीदी के लिए 61 केन्द्र बनाए

इंदौर। इंदौर जिले में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2023-24 में जिले में गेहूं उपार्जन के लिए 61 गेहूं पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। पंजीयन केन्द्रों के प्रबंधक, ऑपरेटर एवं विभागीय अधिकारियों को किसान पंजीयन से लेकर भुगतान की प्रक्रिया में शासन द्वारा किए गए बदलाव इत्यादि का विस्तृत प्रशिक्षण आई.पी.सी बैंक में दिया गया। गेहूं पंजीयन 6 फरवरी 2023 से 28 फरवरी तक किए जाएँगे। पंजीयन निर्धारित 61 पंजीयन केन्द्रों पर, ग्राम पंचायत / तहसील / जनपद में स्थापित सुविधा केन्द्र एवं एमपी किसान एप्प पर निःशुल्क किए जायेंगे। किसान स्वयं के मोबाईल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे इसके लिए www.mpeuparjan.nic.in पर पंजीयन कर सकते है। किसानों को लाईन लगाकर पंजीयन की समस्या न हो इसके लिए अधिकृत एवं अनुमति प्राप्त एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क लोक सेवा केन्द्र एवं सायबर केफे पर भी किसान निर्धारित शुल्क दे कर पंजीयन करा सकेगे।

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री कैलाशचंद्र ठाकुर (भारसाधक अधिकारी) **श्री अश्विनी सिन्हा** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति महिदपुर, जि.उज्जैन

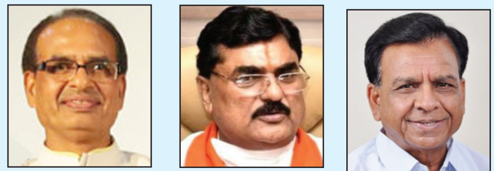

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्रीमती एकता जायसवाल (भारसाधक अधिकारी) **श्री विजय मरमट** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति तराना, जि.उज्जैन

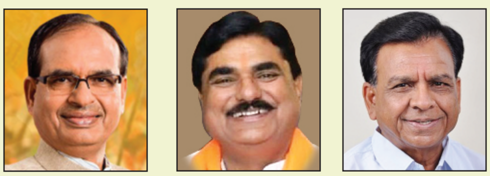

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री पुरुषोत्तम कुमार (भारसाधक अधिकारी) **श्री पन्नालाल भरतुनिया** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति खाचरौद, जि.उज्जैन

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री आशुतोष गोस्वामी (भारसाधक अधिकारी) **श्री मनोज खींची** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति नागदा, जि.उज्जैन

बेटमा में तहसील कार्यालय और नया कॉलेज खोला जाएगा

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विकास यात्रा के तहत बेटमा पहुंचकर घोषणा करते हुए कहा कि बेटमा में तहसील कार्यालय खोला जाएगा और अगले शिक्षण सत्र से नया कॉलेज शुरू होगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अपने इंदौर भ्रमण के दौरान आज विकास यात्रा में शामिल होने के लिए बेटमा पहुंचे। बेटमा पहुँचते ही मुख्यमंत्री श्री चौहान का आम नागरिकों ने विकास कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहां पर पूर्व मंत्री श्री निर्भय सिंह पटेल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी तथा सुश्री कविता पाटीदार, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, पूर्व विधायक श्री मनोज पटेल, श्री गौरव रणदिवे तथा श्री राजेश सोनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। उन्होंने यहां आयोजित आम सभा को संबोधित करते हुए यात्रा आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास यात्रा का सफल आयोजन हो रहा है। प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास यात्राएं निकाली जा रही है। इन यात्राओं के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। विकास यात्रा विकास की नहीं बल्कि पूरी जिंदगी बदलने का अभियान है। विकास के कार्य एवं जनकल्याणकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंचाई जा रही है। यह यात्रा विकास एवं जनकल्याण का नया इतिहास रच रही है। लाडली बहना योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक जिंदगी को बदलने वाली योजना साबित होगी। बहनों को सशक्त बनाया जाएगा। इस योजना से महिलाओं के सम्मान में वृद्धि होगी और उनके पारस्परिक रिश्ते मजबूत होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विकास हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मालवा क्षेत्र में नर्मदा का पानी हर गांव तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देपालपुर क्षेत्र के ऐसे गांव जहां अभी तक नर्मदा का पानी नहीं पहुंचा है वहां नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए सर्वे कराया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि बेटमा में तहसील बनाई जाएगी और अगले शिक्षण सत्र से कालेज को शुरू किया जाएगा। उन्होंने पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्री निर्भय सिंह पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की जानकारी दी और कहा कि उनमें जनता की सेवा करने का जज्बा और जुनून था। वह लोगों के दिलों में राज करते थे। उनके सपनों को पूरा करने में कोई कसर नहीं रखी जाएगी। पूर्व विधायक श्री मनोज पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देपालपुर क्षेत्र में विकास यात्रा को मिल रहे बेहतर प्रतिसाद की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनता का सकारात्मक सहयोग मिल रहा है। गांव-गांव में जनता शासन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रही है।

किसान, गोबर और गौ-मूत्र से बनाएँ खाद : श्री पटेल

हरदा। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने किसानों से गौ-मूत्र और गोबर से खाद बना कर खेतों में उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को पूरा करने के लिये हम सभी को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभानी होगी।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्राकृतिक खेती हम सभी के लिये लाभदायक है। उन्होंने बारंगा में अपने खेत पर गोबर और गौ-मूत्र से खाद भी बनाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। मंत्री श्री पटेल ने भी अपने खेत में प्राकृतिक खेती प्रारंभ की है। वे गोबर, गौ-मूत्र, मिट्टी, बेसन, वनस्पति और गुण से जीवामृत बना रहे हैं। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि इसे बनाने में लागत भी कम आती है। उन्होंने कहा कि कोरोना के बाद दुनिया में प्राकृतिक उत्पाद की मांग बढ़ी है।

370 आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को वितरित किये मोबाईल

इंदौर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर तथा कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने इंदौर जिले के महू क्षेत्र में पदस्थ 370 आँगन वाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपर वाईजरों को मोबाईल फोन का वितरण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश परसावदिया तथा श्री कंचन सिंह चौहान भी विशेष रूप से मौजूद थे। जिले के महू स्थित डॉ. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय के सभागार में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम श्री अक्षत जैन, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री रामनिवास बुधोलिया, परियोजना अधिकारी श्रीमती रेखा शर्मा, श्री सुशील चक्रवर्ती, श्री प्रतीक झाला सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पोषण अभियान योजना के तहत आँगनवाड़ी केन्द्रों को आधुनिक तथा हाइटेक बनाने के लिये आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाईजरों को मोबाईल फोन वितरित किये जा रहे हैं। इससे जानकारियों को संकलित करने और अद्यतन करने में बेहद मदद मिलेगी।

श्री पटेल ने किया 23 विकास कार्यों का लोकार्पण

बुरहानपुर। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने प्रभार के जिले बुरहानपुर में विकास यात्रा के दौरान ग्राम निंबोला में एक करोड़ 39 लाख रूपये से अधिक के 23 विकास कार्यों का लोकार्पण और 2 करोड़ 10 लाख रूपये लागत के निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री श्री पटेल ने लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये। नेपानगर विधायक श्रीमती सुमित्रा कासडेकर भी मौजूद थीं।

मंत्री श्री पटेल ने लोगों से अपील की कि शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएँ। उन्होंने प्रशासन से हितग्राहियों की सूची माँगी। उन्होंने कहा कि जिले में आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे हैं। चिन्हित स्थानों पर दिव्यांग शिविर हों। पात्र हितग्राही मुख्यमंत्री भू-अधिकार आवासीय योजना में आवेदन दें। हितग्राही शिविरों का लाभ उठाएँ। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने बताया कि दस्तक अभियान और प्रोजेक्ट मुस्कान में जिला अपने लक्ष्य प्राप्ति के बहुत करीब है। मंत्री श्री पटेल ने विकास यात्रा के दौरान ग्राम निंबोला में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण भी किया। उन्होंने ओपीडी, वैक्सीनेशन कक्ष, मेटरनिटी कक्ष का अवलोकन करने के साथ स्टाफ और मरीजों से भी संवाद किया। सामाजिक न्याय मंत्री श्री पटेल ने निरीक्षण के बाद परिसर में आम और नींबू के पौधे रोपित किये।

जड़ माहू कीट से गेहूं की फसल को बचाने के लिए एडवायजरी जारी

भोपाल। वर्तमान में बदलते मौसम को दृष्टिगत रखते हुए गेहूं फसल में कीटव्याधी की समस्या देखने को मिल रही है। ऐसे में किसानों को कृषि विभाग की सलाह है कि वर्तमान में गेहूं की फसल में जड़ माहू कीटव्याधी की समस्या देखने को मिल रही है। कृषि विभाग ने बताया कि कीटव्याधी की समस्या समाने आई है कीटव्याधी से गेहूं की फसल में पीलापन जिसके कारण पत्तियां ऊपर से नीचे की ओर सूखने लगती है एवं पौधा सूख जाता है। अपनी प्रारंभिक अवस्था में यह कीट छोटे-छोटे पेच में दिखाई देता है, जो कुछ ही दिनों में पूरे खेत में फैल जाता है। जड़ माहू कीट हल्के पीले एवं काले रंग का होता है, जिसका जीवन चक्र 7 से 10 दिन का होता है। इस कीट से बचाव के लिए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि वह अपने खेत की सतत् निगरानी करते रहे एवं कीट की समस्या पाये जाने पर एसिटामाप्रिड 20 प्रतिशत एसपी, 60 ग्राम प्रति एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एसएल की 50 एमएलमात्रा प्रति एकड़ या थायोमेथाक्सॉम 25 प्रतिशत डब्लूजी की 50 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ के साथ एनपीके 19.19.19 एक किलोग्राम प्रति एकड़ का 150-200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव कराएं।

कहानी सच्ची है

एक हैक्टेयर फसल में मुनाफा 2 लाख धर्मेन्द ने अपनी कहानी खुद लिखी

भोपाल। भोपाल जिले के खेजड़ादेव फंदा निवासी परम्परागत खेती से हटकर कुछ नया करने की जिद ने कृषक श्री धर्मेन्द अहिरवार को नई राह दिखा दी और इनका नाम अब प्रगतिशील किसान के रूप में पहचाना जाने लगा। भोपाल फंदा के ग्राम खेजड़ादेव में खेती किसानी करने वाले श्री धर्मेन्द अहिरवार परम्परागत खेती करके गेहूं, चना और सोयाबीन की फसल लगाते थे। श्री धर्मेन्द्र बताते है कि पानी की उपलब्धता पर्याप्त थी किंतु परंपरा से हटकर कुछ नया करने के लिए उन्होंने उद्यानिकी के अधिकारियों से चर्चा की और भोपाल उद्यानिकी के सहायक संचालक श्री कुशवाहा के मार्गदर्शन में श्री धर्मेद्र अहिरवार ने एक एकड़ में टमाटर लगाया और उद्यानिकी के विशेषज्ञों से लगातार सलाह लेते रहे।

श्री धर्मेद्र को एक हैक्टेयर में टमाटर की फसल से एक सीजन में शुद्ध लाभ 2 लाख रूपए प्राप्त हुए। श्री धर्मेद्र बताते है कि पहले इतनी आय नहीं हो पाती थी अब शेष भूमि में भी अन्य सब्जी भी लगाने का विचार कर रहे हैं जिससे परिवार की आय में वृद्धि हो सके। कृषक श्री धर्मेद्र को देखकर आज आसपास किसानों ने भी जायद फसलें लगाना शुरू की हैं।

जिपं इंदौर की बैठक संपन्न

इंदौर। जिला पंचायत इंदौर की साधारण सभा अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती रीना सतीश मालवीय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती वंदना शर्मा द्वारा उपाध्यक्ष, सदस्य तथा सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि का स्वागत करते हुए बैठक प्रारंभ की गई। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, स्वास्थ्य विभाग से अधिकारी उपस्थित रहे एवं उनके विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। विभाग से अधिकारियों द्वारा माननीय सदस्यों के प्रश्नों का समाधान पूर्वक उत्तर दिए गए।

आष्टा में अनेक कार्यों का लोकार्पण

सीहोर। आष्टा विधानसभा के ग्राम पंचायत कुरावर, करमनखेडी, मुरावर, कल्याणपुरा, हरनियागांव और बैजनाथा में विकास यात्रा निकाली गई। विकास यात्रा में विधायक श्री रघुनाथ सिंह मालवीय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गोपाल इंजिनियर सहित अन्य अतिथियों ने पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमो में अनेक निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमि पूजन किया तथा विभिन्न योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।इस अवसर पर विधायक श्री मालवीय तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गोपाल इंजीनियर ने केन्द्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने मुख्मंत्री अन्नपूर्णा योजना, मुख्यमंत्री लड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना सहित अनेक योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की जा रही लाड़ली बहना योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अब हर बहन को एक हजार रूपए मिलेगा। बहनों को मिलने वाला एक हजार रूपये बहनों की जिन्दगी में बड़ा बदलाव लाएगा।

हितग्राहियों को लाभ वितरण किए

रतलाम। ग्रामीण विधायक श्री दिलीप मकवाना द्वारा रतलाम ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम नायन में हितग्राहियों को लाभ वितरण किए गए। विधायक ने सीसी रोड तथा पानी की टंकी, पशु होद निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। विकास यात्रा में विधायक श्री मकवाना ने 2 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 2 हितग्राहियों को संबल कार्ड, 6 बालिकाओं को लाडली लक्ष्मी स्वीकृति पत्र, 2 हितग्राहियों को भवन संनिर्माण पंजीयन कार्ड, 8 हितग्राहियों को शौचालय निर्माण स्वीकृति, 1 कल्याणी पेंशन तथा 1 जन्म मृत्यु संबंधी पत्र वितरण किया।

किसान क्रेडिट कार्ड

कृषि यंत्र के लिए ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)

मत्स्य पालन हेतु ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

74 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री प्रवीण सिंह अढायच (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता) | श्री बी.के.गुप्ता (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी. एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री जिनेन्द्र जैन (शा.प्र. इछावर) श्री रघुवीरसिंह मालवीय (शा.प्र. रेहटी) श्री मनोज विजयवर्गीय (शा.प्र. बुधनी) श्री राधेश्याम प्रजापति (शा.प्र. बकतरा)

श्री प्रेमनारायण शर्मा (पर्य. इछावर) श्री तेजसिंह ठाकुर (पर्य. रेहटी) श्री संजय तोमर (पर्य. बुधनी) श्री हरप्रसाद भार्गव (पर्य. बकतरा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आमला रामजीपुरा, जि.सीहोर श्री कृपालसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चकल्दी, जि.सीहोर** श्री गजेन्द्र कुलकर्णी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामदासी, जि.सीहोर श्री जितेन्द्र सिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरी, जि.सीहोर** श्री तेजसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. इछावर, जि.सीहोर श्री कमलेश (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोगरा, जि.सीहोर** श्री धर्मेन्द्र पाराशर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जमोनिया फतेहपुर, जि.सीहोर श्री राकेश मेवाड़ा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लावापानी, जि.सीहोर** श्री बलमसिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामनगर, जि.सीहोर श्री प्रेमनारायण शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बायाँ, जि.सीहोर** श्री मिश्रीलाल मालवीय (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरदीकलां, जि.सीहोर श्री वीरेन्द्रसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बुधनी, जि.सीहोर** श्री संजय तोमर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दीवड़िया, जि.सीहोर श्री रामसिंह (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जोशीपुर, जि.सीहोर** श्री संजय तोमर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रेहटी, जि.सीहोर श्री तेजसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. माथनी, जि.सीहोर** श्री शिवहरि नागर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरदी, जि.सीहोर श्री माधवसिंह (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बकतरा, जि.सीहोर** श्री पवन कुमार चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मांझरकुई, जि.सीहोर श्री राजाराम जाट (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुसुमखेड़ा, जि.सीहोर** श्री मनमोहन सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मरदानपुर, जि.सीहोर श्री केवलसिंह उईके (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नांदनेर, जि.सीहोर** श्री हरप्रसाद भार्गव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोयत, जि.सीहोर श्री विजयसिंह तेकाम (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गादर, जि.सीहोर** श्री रमेश कुमार चौहान (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

पवित्र नगरी ओरछा को अयोध्या से जोड़ा जायेगा : श्री गडकरी

निवाड़ी। केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा है कि बुन्देलखण्ड की धरती विशेषकर ओरछा में रामलला सरकार की भूमि पर आम लोगों के आवागमन से जुड़े बुनियादी कार्य को करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि जैसे अयोध्या को जनकपुर से जोड़ा जा रहा है, वैसे ही पवित्र नगरी ओरछा को भी अयोध्या से जोड़ा जाएगा, इसकी कार्य-योजना बना रहे है। केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी निवाड़ी जिले के ओरछा में 6800 करोड़ रूपये की लागत से 18 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि उज्जैन में श्री महाकाल महालोक की तर्ज पर ओरछा में रामराजा लोक और चित्रकूट में वनवासी रामलोक का निर्माण किया जायेगा। श्री गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश को जो सहयोग दिया जा रहा है, उससे हम प्रदेश के सभी बस स्टैंड को आकर्षक और पर्यटन की दृष्टि से विकसित करेंगे। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी के परामर्श पर ओरछा में आधुनिक बस स्टैंड के निर्माण के लिये यथाशीघ्र भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि देश-प्रदेश और बुन्देलखंड के लिये सौगात का दिन है। केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि जितनी विरासत बुंदेलखंड में है उतनी देश के किसी हिस्से में नहीं है। शायद कोई छल हमारे साथ हुआ था जो अब समाप्त हो गया। आज हम विकास के मार्ग पर हैं। खजुराहो सांसद श्री व्ही.डी. शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सड़कों का नेटवर्क सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचा है, जिसका परिणाम है कि प्रदेश के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ ही प्रदेश के विकास को भी गति मिली है। लोक निर्माण एवं निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव ने कार्यक्रम में स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कें तेजी से बनी हैं। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री श्री गड़करी से सेतुबन्ध योजना में 23 में से शेष रहे 8 फ्लाईओवर स्वीकृत करने की मांग रखी।

विकास यात्रा में शामिल हुए कमिश्नर

राजगढ़। खिलचीपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत उचावदा एवं ग्राम पंचायत गोरियाखेड़ा में विकास यात्रा को संबोधित करते हुए आयुक्त भोपाल संभाग भोपाल श्री मालसिंह भयडिया ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य यही है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिलें, कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजना से वंचित न रहें। इस अवसर पर कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षय तेम्रवाल, पूर्व विधायक श्री हजारीलाल दांगी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ज्ञानसिंह गुर्जर, श्री कमलसिंह पंवार, श्री मुकेश राठौर सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

देवास जिले में विकास यात्रा निकाली

देवास। देवास जिले में सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। जिले के नागरिक विकास यात्रा में उत्साह से शामिल हो रहे है। विकास यात्राओं में जन सेवा अभियान के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित और विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया गया। विकास यात्रा में नशा मुक्ति और जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस दौरान श्री विक्रम सिंह पवार, महापौर प्रतिनिधि श्री दुर्गेश अग्रवाल, पूर्व महापौर श्री सुभाष शर्मा, श्री मनीष सेन, श्री ओम जोशी, श्रीमती राखी झालानी, श्री जुगनु गौस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। खातेगांव विधानसभा में विकास यात्रा का शुभारम्भ सवासडा में विधायक श्री आशीष शर्मा ने किया।

सहकारी बैंक अधिकारियों को बिजनेस डाइवर्सीशिफिकेशन का प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सहकारी बैंक के अधिकारियों को सहकारिता के क्षेत्र में बिजनेस डाइवर्सशिफिकेशन का तीन दिवसीय प्रशिक्षण रायपुर पंडरी में दिया जा रहा है। 30 जनवरी से 01 फरवरी तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में राज्य के सहकारी बैंकों के अधिकारियों को बिजनेस डाइवर्सशिफिकेशन के बारे में आंध्रप्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक व विषय विशेषज्ञ श्री वेंकेटरत्नम तथा सहायक महाप्रबंधक श्री अरुण रेड्डी गहन प्रशिक्षण दे रहे है। आन्ध्रप्रदेश से आए प्रशिक्षक द्वय ने अपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री बैजनाथ चन्द्राकर से मुलाकात की। अपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने इस मौके पर आन्ध्रप्रदेश के सहकारी बैंक के अधिकारी द्वय को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों, खेतिहर मजदूरों व वनांचल के आदिवासियों के हित मे संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री के एन कांडे, डीजीएम श्री भूपेश चंद्रवंशी, प्रबंधक श्री अभिषेक तिवारी व बैंक के अधिकारीगण मौजूद थे।

107 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पश्चात् अब कस्टम मिलिंग के लिए मिलर्स द्वारा तेजी के साथ धान का उठाव किया जा रहा है। अब तक 98 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उठाव किया जा चुका है, जबकि 103 लाख मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी कर दिया गया है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में निरंतर धान का उठाव जारी है। प्रदेश के किसानो से इस वर्ष 107 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की गई है। गौरतबल है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश की पहल पर पिछले वर्ष की तर्ज पर इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव शुरू किया गया था, जिसके चलते राज्य सरकार को परिवहन व्यय में काफी कमी आयी है। इसके साथ ही धान खरीदी के बाद धान उठाव की लंबी प्रक्रिया से भी निजात मिली है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 23 लाख 82 हजार से अधिक किसानों से 31 जनवरी 2023 तक 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। किसानों को धान खरीदी के एवज में भुगतान हेतु बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत मार्कफेड द्वारा अपैक्स बैंक को 22 हजार 67 करोड़ रूपए जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ में महिला समूहों ने बेचा 198 करोड़ रूपए का वर्मी कम्पोस्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गोबर से लोगों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। गोबर से वर्मी कम्पोस्ट के साथ-साथ पेंट और बिजली भी तैयार किया जा रहा है। गांवों में महिला समूह की कोई सदस्य टू-व्हीलर खरीद रही है, तो कई ने गहने भी खरीदे। किसी ने अपने परिवार के सदस्य के लिए शादी के लिए कर्जा चुकाया है। ये सभी महिलाएं गरीब परिवारों से ताल्लुक रखती हैं। जिन्होंने कभी चार दीवारी से बाहर कदम नहीं रखा था। ऐसे समूहों में आत्मविश्वास और काम के प्रति ललक को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार गोबर से बने उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है। मनेन्द्रगढ़ शहरी क्षेत्र की महिलाओं ने वर्ष 2020 में गौठानों

से जुड़कर वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने का काम शुरू किया। इन महिलाओं के द्वारा बनाए गए स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ ने पिछले तीन साल में एक करोड़ रूपए का वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर बेचा है। ये आंकड़ा राज्य के बाहर के लोगों के लिए चौकाने वाला हो सकता है लेकिन छत्तीसगढ़ में कोई नई बात नहीं है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं गौठानों से जुड़कर गोबर से वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर अच्छी आमदनी प्राप्त कर रही हैं। महिलाओं द्वारा तैयार वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री सहकारी समितियों के माध्यम से की जा रही है।

स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ ने वर्ष 2020 में गोधन न्याय योजना के शुभारंभ के साथ ही शहरी गौठान में गोबर खरीदी का कार्य शुरू किया। अब तक यहां से 33 हजार 195 क्विंटल गोबर क्रय किया गया, जिससे 10 हजार 809 क्विंटल वर्मी खाद बनाया जा चुका है और 10 हजार 32 क्विंटल वर्मी बेचा गया है। इससे उन्हें 1 करोड़ रूपए से अधिक राशि प्राप्त हुई है। महिला संघ को पिछले तीन साल में अब तक 36 लाख रूपए से अधिक का लाभांश प्राप्त हुआ है। इन्हें पूर्व से डोर टू डोर कचरा एकत्र के लिए करीब 6 हजार रूपए महीना दिया जा रहा था। अब उन्हें वर्मी कम्पोस्ट के विक्रय के लाभांश से अतिरिक्त आय भी हो रही हैं। अपनी आय में वृद्धि से महिला समूह की सदस्य उत्साहित है।

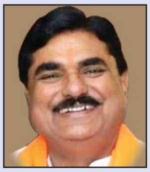

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री नवीन छलौत्रे (भारसाधक अधिकारी) | **श्री विमल सिंह** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति उन्हेल, जि.उज्जैन

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री संदीप शिवा (भारसाधक अधिकारी) | **श्री रूपसिंह चौहान** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सोनकच्छ, जि.देवास

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्रीमती प्रियंका चौरसिया (भारसाधक अधिकारी) | **श्री आनंद सिंह ठाकुर** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति लोहार्दा, जि. देवास

कार्यालयों का निर्धारित समय 10 बजे अन्यथा होगी सख्त कार्यवाही

खरगोन। नवागत कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा की अध्यक्षता में पहली समायावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में ही कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी अधिकारियों से कहा कि सरकारी कार्यालयों का निर्धारित समय सुबह 10 बजे का मतबल 10 बजे ही है। अगर कोई कर्मचारी या अधिकारी समय पर नहीं पहुंचते है तो उन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। अगर कार्यालय में अधिकारी व कर्मचारी समय पर मौजूद नहीं रहते हैं तो उसकी जिम्मेदारी स्वयं जिला अधिकारी की होगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा, अपर कलेक्टर श्री जेएस बघेल, श्री केके मालवीय, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिराली जैन, सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल, सभी एसडीएम सहित जिला अधिकारी सभागृह में और जनपद स्तरीय अमला गुगल मीट से जुड़े रहे।

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ लंबी दूरी की यात्रा हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। प्रतिस्पर्धा में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा।

वृषभ

विपरीत समय में परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। मेहनत व परिश्रम की अधिकता रहेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। किसी अप्रिय घटना की आशंका है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। यात्रा का जोखिम न लें।

मिथुन

सामाजिक मान सम्मान बढ़ेगा। आवक बढ़ेगी। तय किए गए लक्ष्य प्राप्त होंगे। सरकारी कर्मचारी लाभ प्राप्त करेंगे। कामकाज के नए अवसर मिलेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

कर्क

आलस्य का अनुभव करेंगे। नकारात्मकता को हावी न होने दें। कार्यों में अवरोध पैदा होंगे। पिता के स्वास्थ्य से परेशानी हो सकती है। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। पत्नी का सहयोग मिलेगा।

सिंह

कार्यस्थल पर स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। सामाजिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का कार्य में सहयोग मिलेगा। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। शुभ प्रवास होगा।

कन्या

दैनिक कार्य आसानी से हो जाएंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्नता देगी। वाहन सुख प्राप्त होगा। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रतिस्पर्धी निराश होंगे। वित्तीय पक्ष उत्तम।

तुला

बनते काम रुक सकते हैं। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु हावी हो सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय उपयुक्त है। सरकारी कामकाज बनेंगे। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रवास शुभ।

वृश्चिक

विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है। प्रतिभा के बल पर सफलता के नित नए आयाम को स्पर्श करेंगे। धन की आवक खुलेगी। वाणी माधुर्य का लाभ मिलेगा। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। खानपान में रुचि बढ़ेगी।

धनु

राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य संबंध मधुर बनेंगे। मित्रों के सहयोग से योजना सफल होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अध्ययन में विशेष ध्यान देना होगा। दुर्घटना का भय है।

मकर

यह माह अत्यधिक खर्च और व्यर्थ की भागदौड़ के साबित होगा। आपकी परिवार के लोगों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती है। कार्यक्षेत्र में उन्नति और धनलाभ के योग बनेंगे। अधिकारियों से संभल कर व्यवहार करें।

कुम्भ

घर परिवार में सुख शांति रहेगी। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद बना रहेगा। साझेदारी में लाभ मिल सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नवीन वस्त्र क्रय करने का मन बनेगा। सेहत से समझौता न करें।

मीन

नौकरी के कार्य से यात्रा हो सकती है। आध्यात्मिकता की ओर रुझान बढ़ेगा। युवा वर्ग समय का सदुपयोग करेंगे। पुराने मित्र से मिलने पर मन प्रसन्न होगा। ईश्वर में आस्था बढ़ेगी। वाहन चलाने में सावधानी रखें।

बढ़ती जा रही पठान की कमाई

पठान की कमाई की रफ्तार अपने तीसरे वीकेंड में फिर बढ़ गई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख की इस फिल्म ने जहां देश में हिंदी वर्जन से तीसरे वीकेंड में करीब 30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, वहीं वर्ल्डवाइड दो दिन में इस स्पाई-एक्शन फिल्म ने 58 करोड़ रुपये का बिजनस किया है। इस तरह फिल्म का टोटल कलेक्शन अब 19 दिनों में देश में हिंदी वर्जन से 467 करोड़ रुपये है, जबकि वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन 946 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। पठान वर्ल्ड वाइड कलेक्शन के मामले में सीक्रेट सुपरस्टार और बजरंगी भाईजान को पछाड़कर 5वीं सबसे बड़ी इंडियन फिल्म बन चुकी है। जबकि देश में अभी हिंदी वर्जन में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बाहुबली 2 है, जिसने 510.56 करोड़ रुपये की लाइफटाइम कमाई की थी। हालाँकि अब सिनेमाघरों में टिकट की कीमत में 40-50 परसेंट की कमी की गई है। ऐसे में इसके पास खुलकर कमाई करने का मौका है। जबकि 17 फरवरी को शहजादा और एंट-मैन एंड द वास्प : क्वांटुमेनिया रिलीज हो रही है। इन दो फिल्मों से पठान को झटका जरूर लगेगा। ■

जूनियर एनटीआर के साथ साउथ इंडस्ट्री में कदम रखेंगी जान्हवी

जान्हवी कपूर इंडस्ट्री के चर्चित स्टारकिड्स में शुमार हैं। फिल्म धड़क से डेब्यू करने वाली जान्हवी कपूर ने बॉलीवुड में कई शानदार फिल्मों में काम किया है। अब जल्द ही वह साउथ सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। बता दें कि पिछले काफी वक्त से जान्हवी के साउथ डेब्यू की खबरें मीडिया की सुर्खियों में हैं। हालांकि, बीते दिनों जान्हवी के पिता बोनी कपूर ने उनके साउथ डेब्यू से इनकार किया था। अब एक बार फिर जान्हवी के साउथ डेब्यू की खबरें सामने आ रही हैं। दावा किया जा रहा है कि जान्हवी की जोड़ी एक्टर जूनियर एनटीआर के साथ जमेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जान्हवी साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं है, फिलहाल इसे एनटीआर 30 कहा जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन कोरटाला शिवा कर रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि इस महीने के आखिर तक इस प्रोजेक्ट को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा और मार्च से इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

भले ही जान्हवी के पिता बेटी के साउथ डेब्यू से इनकार कर रहे हैं। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने इस बात की पुष्टि की है कि मेकर्स ने हाल ही में जान्हवी को फिल्म के लिए साइन किया है। वह जल्द ही जूनियर एनटीआर के साथ फोटोशूट के लिए टीम से जुड़ेंगी। ■

सभी फसलों के लिए उपयोगी
गंगा एवं
जय जवान
सिंगल सुपर फॉस्फेट (रत्नम)
NPK मिक्स फर्टिलाईजर
12:32:06 • 20:20:10
08:32:08 • 15:15:7½
देवपुत्र®
सभी फसलों का उत्कृष्ट प्रमाणित बीज
सिंगल सुपर फॉस्फेट (रत्नम)
कार्बनिक खाद मिश्रण
सिटी कम्पोस्ट
वर्मी कम्पोस्ट
ऑर्गेनिक मेन्युअर
प्रॉम खाद
रत्नम
जिंक सल्फेट 21%
सिंगल सुपर फॉस्फेट (पावडर एवं दानेदार)
NPK मिक्स फर्टिलाईजर
12:32:06 • 20:20:10
08:32:08 • 15:15:7½
सभी सहकारी समितियों एवं विपणन संघ केन्द्रों पर उपलब्ध
दिव्यज्योति एग्रीटेक प्रा.लि.
चातक एग्रो (इं) प्रायवेट लिमिटेड
बालाजी फॉस्फेट्स प्रायवेट लिमिटेड
305, उत्सव एवेन्यू, 12/5, उषागंज (जावरा कम्पाउण्ड), इन्दौर (म.प्र.)
फोन: 0731-4064501, 4087471, मोबाइल: 98272-47057, 98270-90267, 94251-01385

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

प्रदेशवासियों को

74 वें

गणतंत्र दिवस पर

हार्दिक शुभकामनाएं

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

निरंतर विकास की ओर अग्रसर
मध्यप्रदेश का हर गाँव - हर शहर

D-18996/22

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, ए-11, विस्तारा, मायाखेड़ी बायपास, इंदौर द्वारा मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17